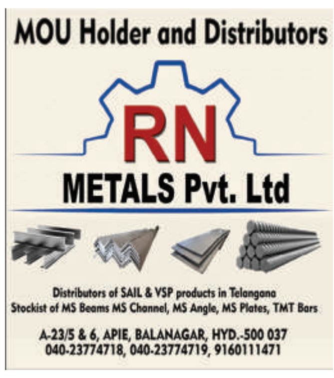

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 30 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-29

बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवथा मजबूत

नयी दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में गुरुवार को प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को वैश्विक अनिश्चितताओं के समुद्र में अपने दम पर मजबूती से आगे बढ़ते जहाज के रूप में दर्शाया गया है और अगले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.8-7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जताया गया है।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो रहे चालू वित्त वर्ष में वृद्धि सात प्रतिशत से ऊपर रहेगी जो इस माह के शुरू में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पहले अग्रिम अनुमान की तुलना में सावधानी भरा लगता है। एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आर्थिक वृद्धि की इस गति को घरेलू अर्थव्यवस्था की बुनियादी ताकत और नीतिगत सुधारों पर आधारित और प्रेरित बताया गया है।

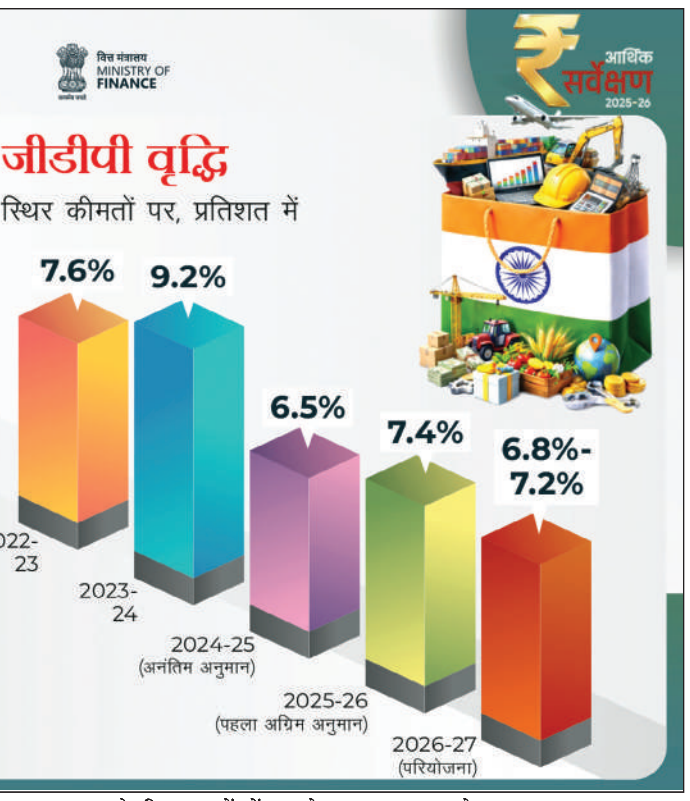

सर्वे में सुधारों पर बल दिया गया है। इसके लेखक और मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि सुधारों के जरिये भारत की वृद्धि दर को तीन वर्ष में वार्षिक आठ प्रतिशत के स्तर तक ले जाया जा सकता है।

समीक्षा में कहा गया है कि अप्रैल 2025 में अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर घोषित आयात शुल्क के मद्देनजर सरकार ने नीतिगत और आर्थिक सुधारों पर भी ध्यान दिया और अब भारत चालू वित्त वर्ष के लिए सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद कर रहा है।

सर्वेक्षण में कहा गया है, वर्ष 2025 की विडंबना यह है कि दशकों में सबसे मजबूत भारत के व्यापक आर्थिक प्रदर्शन का एक ऐसी वैश्विक प्रणाली से टकराव हो गया है जिसमें अब (देशों की) मौद्रिक स्थिरता, पूंजी प्रवाह या रणनीतिक सुरक्षा के रूप में अच्छी व्यापक आर्थिक सफलता दर्ज करने वाले देशों को उसका लाभ नहीं मिल रहा है।

डॉ. नागेश्वरन ने अपने प्राक्कथन में कहा है, साल 2025 दुनिया के लिए, जिसमें भारत भी शामिल है, शायद कुछ उम्मीदों के साथ शुरू हुआ और दूसरी उम्मीदों के साथ खत्म हुआ। हालांकि, एक खास बात जो लगातार बनी रही, वह थी कि कोविड के बाद से लगातार दिख रहा भारत का मजबूत व्यापक आर्थिक प्रदर्शन बरकरार रहा।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने आर्थिक समीक्षा की प्रस्तावना में कहा है कि अनिश्चितता के इस दौर में 'उद्यमशीलता की नीति' करने की दिशा में बढ़ने और गहन बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी नीति हो कि अनिश्चितता के उभरने से पहले ही उससे निपटने की कार्रवाई की जा सके, जोखिम से बचने की बजाय उनके बीच सही दिशा में आगे बढ़ने की क्षमता सृजित करे।

समीक्षा में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि मजबूत थी और अगली दो तिमाहियों में इसमें और सुधार हुआ। रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में तेज से कटौती की और बैंकों के पास कर्ज के लिए नकदी की उपलब्धता बढ़ाई।

सरकार ने गत फरवरी में पेश वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में व्यक्तिगत आय कर में महत्वपूर्ण छूट की घोषणा की। राजकोषीय घाटे को बजट में इससे पिछले वित्त वर्ष के जीडीपी के 4.9 प्रतिशत के मुकाबले 4.8 प्रतिशत पर लाया गया और इस वर्ष इसे 4.4 प्रतिशत तक सीमित का करने का लक्ष्य रखा गया।

आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2020-21 के 9.2 प्रतिशत से घटकर केंद्र का राजकोषीय घाटा आधे से भी कम हो रहा है। राजकोषीय मजबूती के आधार पर भारत को 2025 में तीन क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया।

▶10पर

10 साल में डबल

कालेश्वरम-मिशन काकतीय से खेती रकबा बढ़ा

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2026 में तेलंगाना को कृषि परिवर्तन के मामले में एक राष्ट्रीय अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना गया है। रिपोर्ट में राज्य की विशाल इंजीनियरिंग उपलब्धियों और पारंपरिक जल संरक्षण के अनूठे मेल की जमकर सराहना की गई है।सर्वेक्षण के अनुसार, तेलंगाना ने केवल एक दशक में अपने खेती के क्षेत्र को प्रभावी ढंग से दोगुना कर लिया है। साल 2014 में जहां खेती का क्षेत्रफल 1.31 करोड़ एकड़ था, वहीं 2025-26 में यह बढ़कर 2.21 करोड़ एकड़ हो गया है। रिपोर्ट में इस सफलता का मुख्य श्रेय कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना और 'मिशन काकतीय' को दिया गया है।

कालेश्वरम और मिशन काकतीय का अद्भुत तालमेल

आर्थिक सर्वेक्षण में कालेश्वरम परियोजना की प्रशंसा करते हुए कहा गया है कि इसने कठिन भौगोलिक बाधाओं को पार कर ऊंचे इलाकों तक पानी पहुँचाया है।

साथ ही, मिशन काकतीय के माध्यम से 46,000 से अधिक तालाबों के पुनरुद्धार को सराहा गया है। इन तालाबों ने जल वितरण के लिए लास्ट-माइल कनेक्टिविटी और भूजल पुनर्भरण (ग्राउंडवाटर रिचार्ज) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

धान क्रांति और डिजिटल भूमि सुधार में अग्रणी

सालों भर पानी की उपलब्धता के कारण तेलंगाना राष्ट्रीय खाद्यान्न भंडार में शीर्ष योगदानकर्ता के रूप में उभरा है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य ने देश की खाद्य सुरक्षा को स्थिर करने में मदद की है। इसके अलावा, सर्वेक्षण ने वर्तमान कांग्रेस सरकार के भू भारती पोर्टल की भी सराहना की। राजस्व और पंजीकरण विभागों को एक पारदर्शी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर राज्य ने सुरक्षित संपत्ति अधिकार प्रदान किए हैं।

आपूर्ति श्रृंखला और औद्योगिक समावेशिता में नवाचार

तेलंगाना को उन छह राज्यों में से एक माना गया है जिन्होंने खाद्यान्न की वास्तविक समय (रियल-टाइम) निगरानी के लिए जीपीएस-आधारित वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (अन्न चक्र) को पूरी तरह से लागू किया है, जिससे लीकेज में भारी कमी आई है। इसके अतिरिक्त, उद्योगों में महिलाओं के काम करने की बाधाओं को हटाने और अग्नि सुरक्षा नियमों को सरल बनाने के लिए भी राज्य का विशेष उल्लेख किया गया है।

यूजीसी सुप्रीम

अगले आदेश तक नये नियमों पर रोक

नयी दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा वाले नियम, 2026 पर अगले आदेश तक रोक लगा दी।

न्यायालय ने इन नियमों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके कई प्रावधान अस्पष्ट हैं और उनका दुरुपयोग किया जा सकता है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि इस नियम का समाज और शैक्षिणक परिसर पर विभाजनकारी प्रभाव पड़ सकता है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ इन नियमों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली तीन रिट याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। ये याचिकाएं मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान ने दायर की हैं।

पीठ ने केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि नोटिस का जवाब 19 मार्च तक देना है। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि 2012 के पहले के यूजीसी नियम लागू रहेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को बिना किसी शिकायत निवारण तंत्र के न छोड़ा जाए।

▶10पर

हिमंत ने दिया विवादित बयान

'मियां' असम छोड़ो!

डिगबोइ (टिनसुकिया जिला, असम) 29 जनवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बेहद विवादास्पद बयान देते हुए कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान चार से पांच लाख मियां मतदाताओं के नाम हटाये जाएंगे। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वह और उनकी पार्टी भाजपा मियां समुदाय के सीधे खिलाफ हैं और उन्हें परेशान किया जाना चाहिए ताकि वे असम छोड़ कर चले जाएं। टिनसुकिया जिले के डिगबोई में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाली भाषी मुस्लिम समुदाय जिसे अपमानजनक रूप से मियां कहा जाता है, उसे कठिनाइयों में डालना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि मियां लोगों को असम में नहीं बल्कि बांग्लादेश में वोट डालना चाहिए।

रिपोर्टों के मुताबिक, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि विशेष संशोधन प्रक्रिया तो केवल शुरुआत है और जब विशेष गहन पुनरीक्षण असम में लागू होगा तब चार से पांच लाख मियां मतदाताओं के नाम हटाने ही होंगे। उन्होंने विपक्ष की आलोचना को नजरअंदाज करते हुए कहा कि कांग्रेस उन्हें चाहे जितना कोसे, उनका

काम मियां समुदाय को परेशानी में डालना है। सिर्फ यही नहीं, मुख्यमंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि मियां समुदाय के खिलाफ दर्ज करायी जा रही शिकायतें उनके आदेश पर हो रही हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जहां संभव हो, वहां फॉर्म सात भरवाये जाएं ताकि इन लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ें और उन्हें यह एहसास हो कि असम के मूल निवासी अभी मौजूद हैं।

उन्होंने यहां तक कहा कि आम लोग भी किसी भी तरह से मियां समुदाय को परेशान करें, चाहे वह रोजमर्रा की छोटी बात ही क्यों न हो। उनका कहना था कि अगर इन्हें परेशानी नहीं होगी तो ये असम के और इलाकों में फैलते जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर रिक्शा वाला मियां 5 रुपए मांगे तो उसे चार रुपए ही दो। मुख्यमंत्री ने कहा कि असली वोट चोरी कैसे होती है? जब बाहर से आए घुसपैठिए मतदाता सूची में घुस जाते हैं तब वोट चोरी होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुझे जितनी भी गालियाँ दे हमारा घुसपैठियों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा। यह असम के अस्तित्व का सवाल है। वहीं अपनी टिप्पणियों पर विवाद होने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हिंदू मुस्लिम के बीच विवाद नहीं पैदा कर रहे बल्कि असमिया के पक्ष में और बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में बोल रहे हैं।

उधर, मुख्यमंत्री के इन बयानों पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। रायजोर दल के अध्यक्ष और विधायक अखिल गोगोई ने कहा कि असम की जनता ने मुख्यमंत्री को किसी एक समुदाय को लगातार दबाव में रखने के लिए नहीं चुना है। कांग्रेस नेता अमन वदूद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने राज्य में संविधान को निष्प्रभावी कर दिया है। हम आपको बता दें कि निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 27 को जारी प्रारूप मतदाता सूची में असम में कुल दो करोड़ 51 लाख मतदाता दर्ज हैं। इसमें मृत घोषित किये गये, स्थानांतरित और दोहराव वाले नाम हटाये गये हैं। अधिकारियों का दावा है कि साठ लाख से अधिक घरों का सत्यापन किया गया है। 25 जनवरी को कांग्रेस सहित छह विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंप कर इस प्रक्रिया को मनमाना, गैरकानूनी और

▶10पर

केसीआर बिज़ी

'शुक्रवार को व्यस्त हूँ, किसी और दिन का समय तय करें'

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने विशेष जांच दल को सूचित किया है कि वह बीआरएस शासन के दौरान हुए फोन टैपिंग मामले में पूछताछ के लिए शुक्रवार को उपलब्ध नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने जांच में पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए आपसी सुविधा के अनुसार किसी बाद की तारीख पर उपस्थित होने की इच्छा जताई है।

इससे पहले दिन में, एसआईटी ने केसीआर को नोटिस जारी कर शुक्रवार दोपहर 3 बजे जुबली हिल्स स्थित एसीपी कार्यालय या उनकी पसंद की किसी जगह पर पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था। एसआईटी के नोटिस का जवाब देते हुए केसीआर ने कहा कि देश के एक जिम्मेदार नागरिक, पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में विपक्ष के नेता होने के नाते वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे। लेकिन, शुक्रवार को नगर निकाय चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। राज्य की 116 नगर पालिकाओं और 7 नगर निगमों में पार्टी के आधार पर चुनाव हो रहे हैं, जिसके कारण वह उम्मीदवारों को अधिकार पत्र (बी-फॉर्म) जारी करने में व्यस्त रहेंगे। इस पूर्व-व्यस्तता के कारण उन्होंने शुक्रवार को उपस्थित होने में असमर्थता जताई।

▶10पर

तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनाव से पहले बड़ा फैसला

27 जातियों के पिछड़ा वर्ग दर्जे पर रोक

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण की अखंडता बनाए रखने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए दो कड़े मेमो जारी किए हैं। सरकार का यह निर्देश उन लोगों को लक्षित करता है जो गलत तरीके से जाति प्रमाण पत्र का उपयोग कर आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं। सरकार के सचिव ई. श्रीधर द्वारा जारी इन निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में रेड्डी गांडला समुदाय और 26 अन्य हटाई गई जातियां अब बीसी दर्जे का दावा नहीं कर सकेंगी। सरकार के इस आदेश के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं: रेड्डी गांडला पर प्रतिबंध: अधिकारियों को रेड्डी गांडला समुदाय को बीसी - बी प्रमाण पत्र जारी करना तत्काल बंद करने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही उस दशक पुराने निर्देश को भी पलट दिया गया है, जो चार विशिष्ट जिलों में इस प्रथा की अनुमति देता था। रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश: चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यदि इन 26 हटाई गई जातियों में से कोई भी उम्मीदवार बीसी के लिए आरक्षित

▶10पर

अजित पवार का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार संपन्न

बारामती, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का गुरुवार को यहां विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। हजारों लोगों की उपस्थिति के बीच अजित पवार के बेटों पार्थ पवार और जय पवार ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी कीं। इस दौरान उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार, चाचा शरद पवार और बहन सुप्रिया सुले तथा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर सहित कई प्रमुख नेताओं ने अंतिम संस्कार में शिरकत की और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस शोकपूर्ण अवसर पर महाराष्ट्र भर से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता बारामती पहुंचे थे। अंतिम रस्मों के दौरान शमशान में 'अजित दादा अमर रहे' और 'अजित दादा परत या' (अजित दादा वापस आओ) जैसे भावुक नारे गूंजते रहे।

▶10पर

कोलंबिया में हुआ विमान हादसा, सांसद सहित 15 की मौत, पहाड़ी इलाके में मिला मलबा

कोलंबिया, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहां बुधवार, को एक विमान दुर्घटना में एक सांसद और चुनावी उम्मीदवार सहित कुल 15 लोगों की जान चली गई। विमानन अधिकारियों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह हादसा वेनेजुएला सीमा के पास उत्तर संतांदर के दुर्गम पहाड़ी इलाके में हुआ। दुर्घटनाग्रस्त विमान कोलंबिया की सरकारी एयरलाइन सटेना का था। ट्विन इंजन वाले इस प्रोपेलर विमान ने कुकुटा शहर से ओकाणा के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के मात्र 12 मिनट बाद ही विमान का संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीएस) से टूट गया, जिससे हड़कंप मच गया। घंटों चले गहन खोजी अभियान के बाद, वायुसेना को प्लाया डी बेलन के ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्र में विमान का मलबा मिला। राहत और बचाव दल जब तक वहां पहुंचे, तब तक विमान में सवार सभी 15 यात्रियों की मृत्यु हो चुकी थी। इस हादसे में जान गंवाने वालों में 36 वर्षीय डायोजनीज क्विंटरो भी शामिल हैं, जो कोलंबिया की संसद के सक्रिय सदस्य थे। क्विंटरो कटाटुम्बो क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे, जो लंबे समय से संघर्ष और कोका की खेती के लिए चर्चा में रहता है। वह 2022 में उन 16 विशेष प्रतिनिधियों में से एक चुने गए थे, जिन्हें देश के दशकों पुराने आंतरिक संघर्ष के पीड़ितों के लिए आरक्षित सीटों पर जगह मिली थी। उनके साथ ही आगामी चुनाव के उम्मीदवार कार्लोस साल्सेडो की भी इस दुखद घटना में मृत्यु हो गई। जिस स्थान पर यह विमान क्रैश हुआ, वह एंडीज पर्वतमाला का एक बेहद ऊबड़-खाबड़ और चुनौतीपूर्ण इलाका है। यह क्षेत्र कोलंबिया के सबसे बड़े गुरिल्ला समूह, नेशनल लिबरेशन आर्मी के प्रभाव वाला माना जाता है। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, क्षेत्र का कठिन भूगोल और अचानक बदलने वाला मौसम इस हादसे की वजह हो सकता है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस त्रासदी पर गहरा शोक व्यक्त किया है और पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। फिलहाल विमानन एजेंसियां इस बात की विस्तृत जांच कर रही हैं कि हादसे का असली कारण तकनीकी खराबी थी या खराब मौसम। गौरतलब है कि इससे एक दिन पूर्व ही भारत में भी एक बड़ा विमान हादसा हुआ था, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की बारामती में चार्टर प्लेन क्रैश होने से मृत्यु हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ

फ्रास्ट क्रैकिंग : यानि भीषण ठंड में धमाके के साथ पेड़ की शाखा का फटना

वाशिंगटन। अमेरिका भीषण ठंड के अभूतपूर्व दौर से गुजर रहा है। तापमान रिकार्ड स्तर तक गिरने के बीच सोशल मीडिया पर एक डरावनी चर्चा तेज हो गई है, जिसे एक्सप्लोडिंग ट्री यानी पेड़ों का अचानक फटना कहा जा रहा है। सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि कड़ाके की ठंड के कारण पेड़ बम की तरह फट रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अत्यधिक ठंड में ऐसा होना पूरी तरह संभव है और इसके पीछे ठोस वैज्ञानिक कारण मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तापमान माइनस 20 डिग्री फारेनहाइट यानी लगभग माइनस 29 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता है, तब पेड़ों के भीतर मौजूद तरल पदार्थ जमने लगता है। पेड़ों के तनों में सैप नाम का एक तरल होता है, जो पोषक तत्वों को जड़ों से पत्तियों तक पहुंचाता है। सामान्य परिस्थितियों में यह तरल अवस्था में रहता है, लेकिन अत्यधिक ठंड में यह तेजी से जमकर बर्फ में बदलने लगता है। पानी की तरह ही सैप भी जमने पर फैलता है और यही फैलाव पेड़ के अंदर जबरदस्त दबाव पैदा करता है। जब लकड़ी इस दबाव को सहन नहीं कर पाती, तो तना या मोटी शाखाएं अचानक फट जाती हैं। इस प्रक्रिया को वैज्ञानिक भाषा में फ्रास्ट क्रैकिंग कहा जाता है। जब यह घटना होती है, तो उससे निकलने वाली आवाज इतनी तेज होती है कि वह बंदूक की गोली या धमाके जैसी लगती है। कई बार रात के सन्नाटे में ऐसी आवाजें सुनकर लोग घबरा जाते हैं और उन्हें फायरिंग या विस्फोट का शक होने लगता है। वन विशेषज्ञों के अनुसार यह धमाका इतना शक्तिशाली हो सकता है कि पेड़ की बड़ी टहनियां टूटकर नीचे गिर जाएं। हालांकि पूरा पेड़ एक साथ नहीं उड़ता, लेकिन उसके तने में गहरी दरारें पड़ सकती हैं और कुछ दुर्लभ मामलों में उसका बड़ा हिस्सा अलग भी हो सकता है।

जेल में अंधे हो सकते हैं इमरान खान, तुरंत इलाज की जरूरत, देर हुई तो रोशनी खो देंगे

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर उनकी पार्टी

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने गंभीर चेतावनी दी है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बयान जारी कर कहा है कि अगर इमरान खान को तुरंत और सही इलाज नहीं मिला, तो उनकी एक आंख की रोशनी स्थायी रूप से जा सकती है और वे अंधे भी हो सकते हैं। पीटीआई के मुताबिक इमरान खान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन आक्लूजन नाम की बीमारी पाई गई है। जेल में डाक्टरों की जांच में इस बीमारी को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया गया है। पार्टी ने कहा कि मेडिकल एक्सपर्ट्स की राय में सही इलाज नहीं मिलने पर इमरान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। आरोप- प्रशासन जेल के अंदर इलाज कराने पर अड़ा पार्टी का आरोप है कि मेडिकल सलाह के बावजूद रावलपिंडी की अडियाला जेल का प्रशासन इमरान खान का इलाज जेल के अंदर ही कराने पर अड़ा हुआ है।

तलाक और महिलाओं के हक पर पाकिस्तान में होने लगी चर्चा

इस्लामाबाद। बालीवुड फिल्म हक की रिलीज के बाद पाकिस्तान में भी तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को लेकर चर्चा शुरु गई है। शाह बानो केस पर आधारित यह फिल्म किसी धर्म या देश के खिलाफ नहीं, बल्कि एक महिला के इंसाफ और उसके कानूनी अधिकारों की है। पाकिस्तानी दर्शकों का कहना है कि फिल्म नफरत नहीं फैलाती, बल्कि समाज को सोचने पर मजबूर करती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान में शादी और तलाक दोनों ही कानूनी प्रक्रिया हैं, लेकिन कानूनों का ढांचा अलग है। भारत में तलाक धर्म आधारित पर्सनल ला और फैमिली कोर्ट के जरिए होता है, जबकि पाकिस्तान में शादी और तलाक पूरी तरह मुस्लिम फैमिली ला आर्डिनेंस 1961 के तहत संचालित होते हैं। पाकिस्तान में निकाह का रजिस्ट्रेशन यूनियन काउंसिल में होता है और तलाक की प्रक्रिया भी उसी से जुड़ी होती है। पाकिस्तान में पति और पत्नी दोनों को तलाक का अधिकार है, लेकिन इसके लिए तय कानूनी शर्तों का पालन जरूरी है। पति को तलाक देने की स्थिति में यूनियन काउंसिल के चेयरमैन को लिखित नोटिस देना होता है और उसकी कापी पत्नी को भेजना अनिवार्य है। इसके बाद 90 दिन की प्रतीक्षा अवधि होती है, जिसके दौरान सुलह की कोशिश की जाती है।

हमें सुरक्षा परिषद का प्रतिनिधित्व व प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की यूएनएससी में सुधारों की मांग

न्यूयार्क, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की मांग की है। उन्होंने कहा है कि हमें सुरक्षा परिषद के प्रतिनिधित्व और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बिना किसी देरी के कार्रवाई करनी चाहिए। उनका यह बयान भारत की संयुक्त राष्ट्र की आलोचना करने के तुरंत बाद आया। हालांकि, एंटोनियो गुटेरेस का निशाना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का बोर्ड आफ पीस है। गुटेरेस ने बोर्ड आफ पीस का नाम लिए बिना उसकी जमकर आलोचना की और कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अलावा कोई दूसरी संस्था या एड-हाक गठबंधन कानूनी तौर पर सभी देशों को मजबूर नहीं कर सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद शांति और सुरक्षा के मामलों पर सभी सदस्य देशों की ओर से कार्रवाई करने का अधिकार रखने वाली अकेली संस्था है। सिर्फ यही ऐसे फैसले लेती है जो सभी पर लागू होते हैं। कोई भी दूसरी संस्था या एड-हाक गठबंधन कानूनी तौर पर सभी देशों को शांति और सुरक्षा पर फैसलों का पालन करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। इसकी जिम्मेदारी अनोखी है। इसका दायित्व सार्वभौमिक है। इसीलिए सुधार जरूरी है। इसीलिए हमें सुरक्षा परिषद के प्रतिनिधित्व और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बिना किसी देरी के कार्रवाई करनी चाहिए।

बता दें भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को अब अंतरराष्ट्रीय शांति सुनिश्चित करने वाली संस्था के रूप में नहीं देखा जा रहा है और शांति एवं सुरक्षा से जुड़े परिणाम हासिल करने के लिए चर्चाएं समानांतर बहुपक्षीय ढांचों की ओर बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत ने अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन की फिर पुष्टि: शांति, न्याय और बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने के मार्ग विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा कि सार्वभौमिक सदस्यता वाले बहुपक्षवाद, जिसके केंद्र में संयुक्त राष्ट्र है, पर दबाव बढ़ रहा है। इस संगठन के सामने चुनौतियां केवल बजटीय नहीं हैं। संघर्षों से निपटने में जड़ता और प्रभावहीनता इसकी एक बड़ी कमी बनी हुई है।

बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने गाजा के लिए बोर्ड आफ पीस शुरू किया है, जिसे संयुक्त राष्ट्र के विकल्प या प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप ने पीएम मोदी समेत कई वैश्विक नेताओं को अपने बोर्ड आफ पीस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह बोर्ड गाजा में स्थायी शांति लाने और वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के लिए एक नए साहसपूर्ण तरीके पर काम करेगा। पिछले हफ्ते दावोस में विश्व आर्थिक मंच के मौके पर एक कार्यक्रम में, ट्रंप ने शांति बोर्ड के घोषणापत्र को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दी। ट्रंप बोर्ड के अध्यक्ष के तौर पर काम करेंगे, और जिन देशों ने इसके घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं उनमें अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अज़रबैजान, बहरीन, बुल्गारिया, हंगरी, इंडोनेशिया, जार्डन, कज़ाकिस्तान, कोसोवो, मंगोलिया, मोरक्को, पाकिस्तान, पैराग्वे, कतर, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं।

इराक में अपनी पसंद का पीएम चाहते हैं ट्रम्प, नूरी-मलिकी को फिर प्रधानमंत्री बनाया तो कोई मदद नहीं करेंगे

बगदाद। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर इराक पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल-मलिकी को फिर से प्रधानमंत्री बनाता है, तो अमेरिका इराक से अपना समर्थन वापस ले लेगा। ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफार्म पर पोस्ट में लिखा कि मैं सुन रहा हूं कि महान देश इराक बहुत गलत फैसला ले सकता है और नूरी अल-मालिकी को फिर से प्रधानमंत्री बना सकता है। उन्होंने कहा कि मलिकी के पिछले कार्यकाल में इराक गरीबी और हिंसा में डूब गया था। ऐसा दोबारा नहीं होने देना चाहिए। ट्रम्प ने आगे कहा कि मलिकी की नीतियां और विचारधारा पागलों वाली है। अगर वे चुने गए, तो अमेरिका इराक की मदद नहीं करेगा। बिना अमेरिकी सहायता के इराक के पास सफलता, समृद्धि या आजादी की कोई संभावना नहीं रहेगी। इराक में प्रधानमंत्री पद पर अटका विवाद इराक में संसदीय चुनाव 11 नवंबर 2025 को हो चुके हैं। यह इराक के 329 सदस्यों वाली संसद के लिए चुनाव था, जो राष्ट्रपति चुनती है और फिर प्रधानमंत्री की नियुक्ति होती है। प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी की गठबंधन ने सबसे ज्यादा सीटें जीतीं (लगभग 46 सीटें), लेकिन कोई भी गठबंधन बहुमत में नहीं आया। इसलिए सरकार बनाने के लिए गठबंधन और बातचीत चल रही है।

शुरुआती दौर में ब्रह्मांड के हालात आज की तुलना में थे बेहद उथल-पुथल से भरे

वाशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

नई स्टडी में आयरलैंड की मेनुथ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार, शुरुआती ब्रह्मांड की अराजक और गैस से भरी परिस्थितियों ने ब्लैक होल के तेज़ी से बढ़ने की राह आसान बना दी। जेम्स वेब टेलीस्कोप ने ब्रह्मांड की सबसे बड़ी पहेली सुलझाई दी है। स्टडी के मुख्य लेखक दक्शिल मेहता के अनुसार, ब्रह्मांड के शुरुआती दौर में हालात आज की तुलना में बेहद उथल-पुथल वाले थे। उस समय अंतरिक्ष घनी गैस और धूल से भरा हुआ था, जिसने नवजात ब्लैक होल को असाधारण मात्रा में पदार्थ निगलने का मौका दिया। इन परिस्थितियों में छोटे-छोटे ब्लैक होल ने अपने आसपास मौजूद हर चीज को बहुत तेजी से खींचना शुरू कर दिया। कंप्यूटर सिमुलेशन की मदद से वैज्ञानिकों ने पहली बार यह दिखाया कि यह प्रक्रिया कुछ ही करोड़ वर्षों में ब्लैक होल को भीमकाय आकार दे सकती है। शोध के मुताबिक ब्लैक होल के इस असामान्य विकास के पीछे सुपर एडिंगटन एक्रीशन नाम की प्रक्रिया की अहम भूमिका रही।

सामान्य हालात में जब ब्लैक होल बहुत तेजी से पदार्थ निगलता है तो उससे निकलने वाली ऊर्जा आसपास की गैस को दूर धकेल देती है, जिससे उसकी वृद्धि सीमित हो जाती है। लेकिन शुरुआती ब्रह्मांड में गैस की भरमार के कारण यह सीमा टूट गई। ब्लैक होल ने अपनी प्राकृतिक गति से कहीं अधिक तेजी से पदार्थ को निगलना जारी रखा और देखते ही देखते विशाल आकार हासिल कर लिया। अब तक वैज्ञानिक ब्लैक होल के जन्म को लाइट सीड और हैवी सीड जैसी श्रेणियों में बांटते थे। लाइट सीड ब्लैक होल सूरज से कुछ दर्जन गुना भारी होते हैं, जबकि हैवी सीड ब्लैक होल जन्म के समय ही सूरज से लाखों गुना बड़े माने जाते हैं। पहले यह माना जाता था कि विशाल ब्लैक होल बनने के लिए हैवी सीड का होना जरूरी है।

हालांकि मेनुथ यूनिवर्सिटी के डा. जान रीगन और उनकी टीम की सिमुलेशन स्टडी ने इस सोच को चुनौती दी है। रिसर्च से साफ हुआ है कि सामान्य आकार के छोटे ब्लैक होल भी सही परिस्थितियों में दानव बन सकते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज केवल ब्रह्मांड के अतीत को समझने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए भी बेहद अहम है। खास तौर पर नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रस्तावित लिसा मिशन को इससे बड़ी मदद मिलेगी, जो 2035 में लान्च होने वाला है।

पूर्व फर्स्ट लेडी को 20 महीने की सजा

सियोल। साउथ कोरिया की पूर्व प्रथम महिला किम कियोन ही को रिश्वत मामले में 20 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। यह फैसला उनके खिलाफ चल रहे तीन मामलों में से एक में आया है। किम, जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल की पत्नी हैं। सियोल जिला अदालत ने उन्हें विवादित धार्मिक संगठन यूनिफिकेशन चर्च से महंगे तोहफे लेने का दोषी माना। इनमें शैनेल का हैंडबैग और ग्राफ ब्रांड का हीरे का हार शामिल है। अदालत ने कहा कि किम ने अपने पद का इस्तेमाल निजी लाभ के लिए किया और लग्जरी गिफ्ट्स स्वीकार करने की इच्छुक थीं। हालांकि, उन्हें शेयर बाजार में हेरफेर और मुफ्त जनमत सर्वे कराने के आरोपों से सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। यह फैसला पूर्व राष्ट्रपति दंपति के लिए बड़ा झटका है। यून पहले ही मार्शल ला और राजद्रोह जैसे मामलों में जेल में हैं, जबकि किम वर्षों से शेयर हेरफेर, फर्जी डिग्री और लग्जरी गिफ्ट विवादों में घिरी रही हैं।

जहां दिन और रात में नहीं है फर्क, चार महीने बिना सूरज के जीवन जीते हैं लोग

विटामिन-डी की गोलियां और विशेष लाइट थेरेपी वाले लैंप्स का लेते हैं सहारा

ओस्लो, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

हम और आप अक्सर एक बादल छाने या एक दिन की बारिश होने से उदास हो जाते हैं, वहीं नार्वे के लान्गइयरबायेन में करीब 2,500 लोग हर साल लगातार चार महीने यानी नवंबर से फरवरी तक घने अंधेरे में ही अपनी जिंदगी बिताते हैं। विज्ञान की भाषा में इसे पोलर नाइट कहते हैं। जहां सूरज पर्दे के पीछे ही रहता है और दुनिया पूरी तरह कृत्रिम रोशनी पर निर्भर हो जाती है। हमारी डेली रूटीन जहां सूरज की पहली किरण से तय होती है, वहीं यहां के लोगों की घड़ी नंबरों का खेल है। बाकी दुनिया में सूरज का उगना ताजगी लाता है, लेकिन यहां की सुबह और रात में कोई फर्क नहीं होता। यहां के लोग विटामिन-डी की गोलियां और विशेष लाइट थेरेपी वाले लैंप्स का सहारा लेते हैं। हमारे यहां संडे का मतलब पिकनिक होता है, लेकिन यहां संडे का मतलब है बर्फ के तूफान के बीच अपने घर के अंदर खुद को व्यस्त रखना। इतने लंबे अंधेरे में रहने वाले लोगों को चिड़चिड़ाहट और डिप्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। इससे लड़ने के लिए यहां के लोग एक फिलासफी अपनाते हैं, जिसे वे कोसेलिग कहते हैं। यह हमारी सुकून की भावना जैसा है। लोग अपने घरों को अनगिनत मोमबत्तियों, गर्म काफी और ऊनी कंबलों से सजाते हैं। अंधेरे को कोसने के बजाय यहां के लोग उसे त्यौहार की तरह मनाते हैं। हर शाम किसी न किसी के घर पर संगीत, बोर्ड गेम्स या कहानियों की महफिल सजती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यहां अकेलापन दूर करने का सबसे अच्छा तरीका कम्युनिटी डिनर यानी सामूहिक भोज होता है। इस द्वीप पर करीब 50 अलग-अलग देशों के लोग रहते हैं, जो मुख्य रूप से रिसर्च या माइनिंग के लिए आए हैं। इतनी विविधता के बावजूद यहां का आपसी जुड़ाव कमाल का है। अंधेरे के महीनों में यहां की सोशल लाइफ बाकी दुनिया से ज्यादा सक्रिय हो जाती है। लोग स्नोमोबाइल पर सवार होकर मीलों दूर नीली बर्फ की वादियों में नार्दर्न लाइट्स देखने निकलते हैं। हमारे लिए यह अजूबा है, उनके लिए रात की सैर है। यहां के लोग पोलर जैज जैसे म्यूजिक फेस्टिवल्स का आयोजन करते हैं ताकि शहर का सन्नाटा संगीत से भरा रहे।

ईरान-अमेरिका के बीच जंग होने की आहट.........तुर्की बफर जोन बनाने में जुटा

अंकारा, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि एक और एयरक्राफ्ट कैरियर ईरान की तरफ निकल चुका है। जिससे ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका का पहला एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले ही गल्फ आफ ओमान पहुंच चुका है और वहां मिडिल ईस्ट में दाखिल हो चुका है। इसके बाद मिडिल ईस्ट में अफरा तफरी का माहौल है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब ने बयान जारी कर ईरान पर होने वाले हमले में अपने एयरस्पेस के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने की घोषणा की है। वहीं अब तुर्की, ईरान में सरकार गिरने की स्थिति में बफर जोन बनाने के प्लान पर काम कर रहा है। ईरान विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी के सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। इसमें बताया गया हैं कि अगर सबसे खराब स्थिति बनती है और तेहरान में सरकार गिर जाती है, तब तुर्की, बार्डर के ईरानी तरफ एक बफर जोन बनाने की योजना बना रहा है।

विदेश मंत्रालय ने मामले से परिचित दो सीनियर अधिकारियों के हवाले से बताया है कि गुरुवार को तुर्की विदेश मंत्रालय के टाप अधिकारियों ने संसद में बंद कमरे की बैठक की है। इस बैठक में सांसदों को ब्रीफ कर बताया कि अंकारा, ईरान को लेकर कई संभावित स्थितियों की तैयारी कर रहा है। इस ब्रीफिंग में मौजूद एक अधिकारी ने कहा कि तुर्की के अधिकारियों को आशंका है कि ईरान पर अगर हमला होता है, तब शरणार्थियों की एक बड़ी लहर उनके देश की तरफ बढ़ सकती है। तुर्की के अधिकारी उस लहर को मैनेज करने के लिए पहले से ही प्लान बनाकर रखना चाहते हैं। तुर्की के अधिकारियों ने इसके लिए बफर जोन शब्द का इस्तेमाल किया है। हालांकि दूसरे व्यक्ति ने बफर जोन शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने सामान्य उपायों से आगे जाने की इच्छा जता दी है। उस अधिकारी ने कहा है कि ईरान की तरफ से हर संभव कोशिश की जानी चाहिए कि अगर माइग्रेशन होता है, तब वहां उनकी ही जमीन पर हो। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि अंकारा ने एक टेक्नोलाजी से बेहतर फिजिकल बैरियर सिस्टम के जरिए ईरान के साथ अपनी 560 किमी लंबी सीमा पर सुरक्षा मजबूत की है। तुर्की ने ईरान के शरणार्थियों को रोकने के लिए 203 इलेक्ट्रो-आप्टिकल टावर और 43 एलिवेटर-सुसज्जित टावर, 380 किलोमीटर लंबी माड्यूलर कंक्रीट की दीवार और 553 किमी लंबी रक्षात्मक खाइयों का निर्माण किया है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ड्रोन और एयरक्राफ्ट सहित जासूसी और निगरानी सिस्टम से बार्डर वाले इलाकों की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। तुर्की मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ब्रीफिंग के दौरान तुर्की के अधिकारियों ने सांसदों को बताया है कि इस महीने की शुरुआत में सरकार के खिलाफ हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान करीब 4 हजार से ज्यादा ईरानी नागरिकों को मार दिया गया है, जबकि 20 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी गंभीर घायल हैं। तुर्की के अधिकारियों ने सांसदों को बताया है कि ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ को कुचलने के लिए हद से ज्यादा बल का प्रयोग किया है और देश में दो हफ्ते से ज्यादा वक्त से इंटरनेट पूरी तरह से बंद है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

15 लाख शिक्षकों और शिक्षामित्रों को निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा

लखनऊ, 29 जनवरी (एजेंसियां) । राज्य सरकार ने शिक्षा जगत से जुड़े लाखों कर्मियों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह तय किया गया कि अब प्रदेश के माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मी और उनके आश्रित परिवार सरकारी के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी कैशलेस इलाज करा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बीते वर्ष शिक्षक दिवस पर इसकी घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। इससे बेसिक व माध्यमिक शिक्षा से जुड़े लगभग 15 लाख शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मी लाभान्वित होंगे। इस पर समग्र रूप से लगभग 448 करोड़ रुपए का व्यय होगा। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने प्रेसवार्ता में कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में कुल 32 प्रस्ताव आए, जिनमें 30 को कैबिनेट की स्वीकृति मिली।फैसले के तहत माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञों एवं मानदेय शिक्षकों सहित), संस्कृत शिक्षा परिषद द्वारा

मान्यता प्राप्त अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों (मानदेय शिक्षकों सहित), माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के मान्यता प्राप्त स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में मानदेय पर कार्यरत व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञों को आईपीडी (अंत:रोगी विभाग) इलाज की कैशलेस सुविधा मिलेगी। इस सुविधा का लाभ उनके आश्रित भी उठा सकेंगे।

प्रेस वार्ता में माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने बताया कि सरकार की इस पहल का लाभ 2.97 लाख से अधिक लोगों को मिल सकेगा, जबकि इस पर 89.25 करोड़ रुपए का व्यय अनुमानित है।

इसी तरह, बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों एवं बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों (अनुदानित एवं स्ववित्त पोषित) में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कार्यरत वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षकों/शिक्षिकाओं एवं प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी इसका लाभ मिलेगा।प्रेस वार्ता में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस योजना से बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक व कर्मी लाभान्वित होंगे। सरकार की इस पहल से प्रति कर्मी करीब 3,000 रुपए सालाना प्रीमियम के हिसाब से कुल 358.61 करोड़ रुपए का वार्षिक खर्च अनुमानित है।

दिल्ली दंगा: कड़कड़डूमा कोर्ट ने ताहिर हुसैन समेत तीन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां) । दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली दंगा 2020 मामले में तीन आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इन आरोपियों में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत तीन लोग शामिल हैं। ताहिर के अलावा अन्य दो लोगों के नाम सलीम मलिक और अथर खान हैं। अदालत ने इस मामले को गंभीर बताते हुए आरोपियों को राहत देने से इनकार कर दिया। दिल्ली दंगे मामले की यह सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर वाजपेयी की कोर्ट में चल रही थी। दरअसल, तीनों आरोपियों ने सर्वोच्च न्यायालय में इसी मामले में पांच अन्य को जमानत दिए जाने के बाद समानता के आधार पर जमानत की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। इन तीनों आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा दर्ज है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 5

जनवरी को दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया था, जबकि 5 अन्य आरोपियों को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि उमर और शरजील एक साल तक इस मामले में जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते।यह फैसला जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया की बेंच ने सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर को आरोपियों और दिल्ली पुलिस की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अन्य आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान, और शादाब अहमद के निरंतर कारावास को आवश्यक नहीं माना और उनकी जमानत मंजूर कर ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर एक साल में गवाही पूरी नहीं होती तो आरोपी दोबारा जमानत याचिका निचली अदालत में दाखिल कर सकते।

बता दें कि इससे पहले उमर खालिद की बहन के निकाह के लिए कड़कड़डूमा कोर्ट ने खालिद को 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक की अंतरिम जमानत मंजूर की थी।

अदालत ने अंतरिम रिहाई के साथ कुछ सख्त शर्तें भी लागू की थीं, जिनमें उमर खालिद सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेंगे, किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेंगे, और केवल परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और करीबी दोस्तों से ही मिल सकेंगे। इसके अलावा, उन्हें 29 दिसंबर की शाम तक सरेंडर करना था।

UGC विवाद: भाजपा सांसदों ने किया सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत, विपक्षी दलों पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां) । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि यह निर्णय भारत की सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण है। इसी बीच, सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सनातन को बांटने वाले यूजीसी के नियम पर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से रोक लगाए जाने पर हार्दिक आभार। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, यह निर्णय भारत की सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण है। मोदी सरकार की पहचान सबका साथ, सबका विकास और सनातन की अखंड एकता की है। भाजपा सांसद

निशिकांत दुबे ने 'एक्स' पर लिखा, यूजीसी पर गाली देने वाले सभी ज्ञानी, पिछले 2 दिनों से संसद जा रहा हूं। किसी राजनीतिक दल के किसी सदस्य ने इस पर चर्चा तक करना मुनासिब नहीं समझा? उल्टा जिस सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत आरक्षण देकर गरीब की सुध ली, उसी को गाली।

निशिकांत दुबे ने आगे कहा, मैं दोबारा आपसे करबद्ध निवेदन करता हूं कि मोदी जी पर भरोसा रखिए, संविधान की धारा 14 और 15 के तहत ही देश के कानून चलेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो मैंने कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगाई और स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि तब तक 2012 के यूजीसी रेगुलेशन ही लागू रहेंगे।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में सुनवाई की। चीफ जस्टिस ने कहा कि रेगुलेशन में इस्तेमाल किए गए शब्दों से यह संकेत मिलता है कि इसके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं, जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने टिप्पणी की कि अदालत समाज में एक निष्पक्ष और समावेशी माहौल बनाने पर विचार कर रही है।

काम राक्षसों का और चोला साधुओं का : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी, 29 जनवरी (एजेंसियां) । प्रयागराज में माघ अमावस्या से ही प्रशासन और शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। इसी बीच शंकराचार्य का एक और बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यहां लोगों के काम राक्षसों के हैं और चोला साधुओं का पहने बैठे हैं। शंकराचार्य ने कहा कि संत कभी बंट नहीं सकते। संत के नाम पर जो लोग वेशधारी बनकर दिखाई देते हैं, वो अपने आप ही अलग हैं। वे असली संत नहीं हैं। ढोंगी संत और सच्चा संत हमेशा अलग होते हैं। प्रयागराज में जो लाठी चलाई गई, उसका निशाना सिर्फ असली संत नहीं थे। लाठी उन लोगों पर भी चली जो गुरुकुल में शिक्षा लेने आए थे, संन्यासियों, ब्रह्मचारियों, साध्वियों और बुजुर्गों पर भी। ये सब लोग सनातन धर्म का हिस्सा हैं। जिनको इससे पीड़ा नहीं हो रही, वे असली संत नहीं हैं, बल्कि ढोंगी संत हैं। उन्होंने सरकार पर ब्राह्मण विरोधी होने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पहले किसी पर हमला होता था, लेकिन महिलाओं और बच्चों को नहीं छुआ जाता था। अब ऐसा हो रहा है कि ब्राह्मण बच्चों को भी निशाना बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि प्रशासन ने इस घटना के बाद किसी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इससे यह साबित होता है कि सरकार अब ब्राह्मणों के खिलाफ नजरिया रखती है।

शंकराचार्य ने यह भी कहा कि माफी मांगना या अपराध को स्वीकार करना प्रशासन के ऊपर निर्भर करता है। उन्होंने बताया कि संतों ने ग्यारह दिन तक

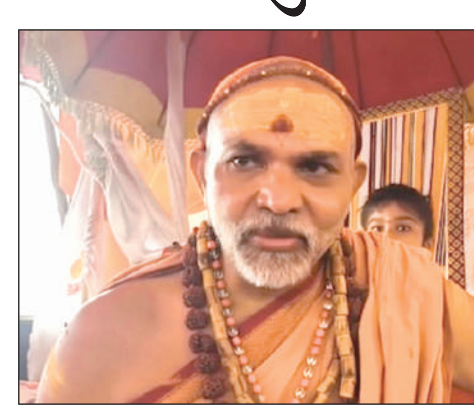

संयम बनाए रखा और मौके दिए कि प्रशासन अपनी गलती सुधार सके, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसका सबूत जनता ने देखा। उन्होंने कहा कि वीडियो और फोटो ने साफ दिखा दिया कि लोगों को कैसे मारा और पीटा गया, चोटी पकड़कर अपमानित किया गया, लेकिन किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब माघ समाप्त हो गया है और संत वहां से निकल गए हैं। उन्होंने जो अहंकार दिखाया, वो सभी के सामने है। अब जनता खुद देख रही है कि प्रशासन ने संतों के साथ कैसा व्यवहार किया।

उन्होंने मंदिरों और मूर्तियों को तोड़े जाने का मामला भी उठाया। उन्होंने कहा कि बनारस और अन्य जगहों पर मंदिरों की परंपरागत मूर्तियां तोड़ी जा रही हैं और फेंकी जा रही हैं। ये औरंगजेब के समय जैसी घटना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को औरंगजेब कहने पर कुछ संतों को गुस्सा आ रहा है और ये स्वाभाविक भी है कि जिससे आपको प्रेम या लगाव होगा, उसे कोई कुछ कहे तो आपको बुरा लगता है, लेकिन सरकार से लगाव रखने वाले इन संतों को भगवान या मंदिरों से लगाव नहीं है क्या? अगर आपको मंदिर, मूर्तियों और भगवान से लगाव है, तो उनकी हानि देखकर दर्द होना चाहिए।

उन्होंने 'कालनेमी' शब्द को लेकर कहा कि मंत्री ने उनका अपमान करने और अपनी भड़ास निकालने के लिए यह शब्द इस्तेमाल किया। अगर उनके पास इसका प्रमाण है तो लाएं और इस बात को सिद्ध करें। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि आज कुछ लोग साधु-संतों का चोला पहने हैं और काम राक्षसों जैसा है। आज ब्राह्मणों पर हमला हो रहा है और गायों, मंदिरों और मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने इसे सीधे तौर पर राक्षसों का काम बताया, जबकि साधु-संत धर्म और समाज के संरक्षक हैं।उन्होंने कहा कि प्रशासन और सरकार ने संतों के खिलाफ जो कदम उठाए, वह संसद और लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ हैं। संतों को अलग-अलग करने और हिंदू समाज को विभाजित करने की कोशिश हो रही है।उन्होंने आगे कहा कि यह सब देखकर जनता और साधु संतों का विश्वास कमजोर हुआ है। लोग अब यह सोचने लगे हैं कि देश में न्याय और लोकतंत्र पर भरोसा कैसे किया जा सकता है। प्रशासन की तानाशाही ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

सरकार ने संतों और जनता के अधिकारों का उल्लंघन किया है और जांच या कार्रवाई करने का कोई इरादा नहीं दिखाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा से मुलाकात की

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से मुलाकात की। इस मुलाकात की जानकारी पीएम मोदी ने खुद दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा से मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई दो तस्वीरों में से एक में पीएम मोदी देवगौड़ा को पुष्पगुच्छ देते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में देवगौड़ा के हाथों को पकड़कर महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। पीएम

मोदी ने एचडी देवगौड़ा के साथ हुई वार्ता की जानकारी देते हुए कहा, एचडी देवेगौड़ा के साथ बातचीत हुई। अहम मुद्दों पर उनके सार्थक विचार काफी ध्यान देने लायक हैं। भारत के विकास के लिए उनका उत्साह भी उतना ही सराहनीय है।

एचडी देवेगौड़ा 1996-1997 तक भारत के प्रधानमंत्री थे और वर्तमान में वे जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख हैं। उनकी पार्टी एनडीए गठबंधन का हिस्सा है और कर्नाटक में भाजपा के साथ मिलकर काम करती है। देवेगौड़ा लंबे समय से कृषि, ग्रामीण विकास और जल संसाधनों जैसे मुद्दों पर अपनी राय रखते आए हैं।

वे कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं और अभी राज्यसभा सदस्य हैं। उनकी उम्र और राजनीतिक अनुभव के कारण उनकी सलाह राजनीतिक हलकों में काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है।

हाल के वर्षों में दोनों नेताओं के बीच कई बार मुलाकातें और बातचीत हुई हैं, जो एनडीए के सहयोगी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने का संकेत देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने अतीत में भी प्रधानमंत्री मोदी की कई योजनाओं की सराहना की।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मुलाकात सिर्फ सौजन्य नहीं, बल्कि रणनीतिक महत्व भी है।

खासकर कर्नाटक जैसे महत्वपूर्ण राज्य में जहां जद(एस) का प्रभाव अभी भी बना हुआ है, और आगामी विधानसभा या अन्य चुनावों को देखते हुए गठबंधन की मजबूती जरूरी है।

शिवराज सिंह चौहान कल छत्तीसगढ़ का करेंगे दौरा, किसानों से करेंगे संवाद

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 31 जनवरी को एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ जाएंगे। राजधानी रायपुर, दुर्ग एवं नया रायपुर में होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से वे किसानों से सीधा संवाद करेंगे, वहीं मुख्यमंत्री और राज्य के मंत्रियों सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को रायपुर पहुंचेंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान रायपुर से गिरहोला, खपरी (जिला दुर्ग) के लिए प्रस्थान करेंगे और वे ग्राम गिरहोला एवं ग्राम खपरी में खेत भ्रमण और पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लेकर किसानों से सीधा संवाद करेंगे। यहां वे केंद्र की प्रमुख कृषि योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई (पीएमकेएसवाई) आदि के लाभों पर भी चर्चा करेंगे, ताकि अधिक से अधिक किसान इन योजनाओं से जुड़ सकें।

दोपहर के बाद चौहान गांव खपरी से निकलकर दुर्ग जिले के कुम्हारी पहुंचेंगे, जहां वे छत्तीसगढ़ यूथ प्रोग्रेसिव फार्मर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित किसान मेले में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में वे आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण, किसान उत्पादक संगठनों (पीएफओ), डिजिटल एग्रीकल्चर और ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के रोडमैप पर अपने विचार रखेंगे।

किसान मेले और किसान संवाद के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान केंद्र सरकार की कई प्रमुख योजनाओं पर विशेष रूप से प्रकाश डालेंगे, जिनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को सीधे लाभांतरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जरिए प्राकृतिक आपदाओं से फसल सुरक्षा, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, डिजिटल कृषि मिशन और ड्रोन तकनीक के उपयोग पर बल देने के साथ ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए गांवों की बुनियादी ढांचा एवं आजीविका सुदृढ़ीकरण पर विशेष चर्चा करेंगे। इन योजनाओं के प्रभाव से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में किसानों-ग्रामीणों की आय बढ़ाने, उनकी समृद्धि तथा गांवों को सड़कों, आवास और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मजबूत बनाने का संदेश वे विस्तार से रखेंगे।

केंद्रीय मंत्री चौहान नया रायपुर स्थित महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य के कृषि मंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं की प्रगति का आकलन करेंगे। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों के निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास स्वीकृति एवं निर्माण की स्थिति, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण, साथ ही प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के विस्तार, बीज एवं खाद की उपलब्धता, क्रेडिट सुविधा, एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड आदि विषयों की समीक्षा की जाएगी।

इस दौरे के माध्यम से केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान छत्तीसगढ़ के किसानों, ग्रामीण समाज और राज्य सरकार के साथ मिलकर कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए नए संकल्पों और ठोस कार्ययोजना को आगे बढ़ाने का संदेश देने वाले हैं। साथ ही यह उनका देशभर में राज्यवार और क्षेत्रवार कृषि एवं ग्रामीण विकास की रणनीति का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

भोपाल में फर्जी आवेदन से मताधिकार छीनने का षड्यंत्र: कमलनाथ

भोपाल, 29 जनवरी (एजेंसियां) । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने चुनाव आयोग की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा है कि फर्जी आवेदनों के जरिए मतदाताओं के मताधिकार को छीनने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। राजधानी भोपाल में नाम कटवाने के लिए फर्जी आवेदनों का मामला सामने आने पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर फर्जीवाडा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मध्य प्रदेश में ऐसे बहुत से मामले सामने आए हैं जहां लोगों ने दूसरों के नाम से फॉर्म सात भरके

मतदाता सूची में मौजूद नाम काटने के लिए आवेदन किया है। उन्होंने कहा कि अकेले भोपाल में ही इस तरह के नौ हजार से अधिक मामले सामने आए हैं। फॉर्म सात के जरिए इस तरह से नाम कटने के फर्जी आवेदन देश के मतदाता के अधिकार को छीनने का एक सुनियोजित षड्यंत्र है। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा की गई व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि जब चुनाव आयोग द्वारा तैनात बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता की जांच कर रहे हैं तो उन्हीं को सुनिश्चित करना चाहिए कि कौन वहां रह रहा है या नहीं।

उन्होंने आगे कहा कि गैर सरकारी व्यक्तियों को किसी का भी नाम कटवाने का आवेदन देकर चुनाव आयोग ने वैध मतदाता के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। वोट चोरी के षड्यंत्र को हर हाल में खत्म करने की जरूरत है।

दरअसल, राजधानी में लगभग नौ हजार ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें फर्जी आवेदनों के जरिए मतदाता के नाम काटने को कहा गया है। इसे प्रशासन ने भी गंभीरता से लिया है और पूरे मामले की जांच की बात कही है।

'वादे कितने पूरे हुए?' बजट पेश होने से पहले डिंपल यादव ने उठाए सावल

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां) । संसद के बजट सत्र और आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं ने सरकार से आम जनता के हितों पर ध्यान देने की मांग की है। समाजवादी पार्टी और बीजू जनता दल के सांसदों ने कहा कि बजट और सर्वे केवल आंकड़ों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर लोगों को मिलने वाले लाभों की सच्ची तस्वीर सामने आए। समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि बजट में इस बात को प्रमुखता से दिखाया जाना चाहिए कि आम लोगों को कौन-कौन सी सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह सराहनीय है कि देश की एक महिला वित्त मंत्री बजट पेश कर रही हैं, लेकिन इससे ज्यादा जरूरी यह है कि जनता को वास्तविक लाभ क्या मिल रहा है। डिंपल यादव ने सवाल उठाया कि पिछले बजटों में किए गए वादे कितने पूरे हुए हैं और उन योजनाओं का असर लोगों की जिंदगी में कितना दिख रहा है।समाजवादी पार्टी के ही सांसद जियाउर रहमान बर्क ने भी इसी तरह की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि महिला वित्त मंत्री द्वारा बजट पेश किया जाना खुशी की बात है, लेकिन असली मुद्दा बजट की सामग्री है।उन्होंने सवाल किया कि इस बजट में युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों और मजदूरों के लिए क्या खास है।

सनी देओल ने फैंस का जताया आभार, बोले

आवाज आपके दिलों तक गई

वार ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन से अच्छी कमाई की है। इसका असर सोशल मीडिया पर साफ देखने को मिल रहा है। इस बीच, अभिनेता सनी देओल ने फैंस से मिल रहे प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें सनी देओल खुले माहौल में बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो में अभिनेता कहते हैं, आवाज कहां तक गई, आपके दिलों तक। आप सभी को मेरी फिल्म बॉर्डर 2 बहुत पसंद आई। इसके लिए धन्यवाद। मैं आप सभी से बहुत प्यार करता हूं। अभिनेता ने लिखा, मेरी, आपकी और हमारी फिल्म 'बॉर्डर 2' को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को रिपब्लिक डे वीकेंड पर रिलीज हुई थी। इसमें सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे सितारे मुख्य भूमिका में थे। इसके साथ ही आन्या, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा भी अहम भूमिका में नजर आईं।

यह 1997 की फिल्म 'बॉर्डर' की अगली कड़ी है, जो देशभक्ति और बहादुरी की कहानी बयां करती है। वहीं, फिल्म के गानों ने भी फैंस का काफी दिल जीता। फिल्म देखने के बाद आम दर्शकों समेत मनोरंजन जगत के बड़े-बड़े सेलेब्स भी इसकी तारीफ कर रहे हैं।

फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 295 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर दिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है।

बताया जा रहा है कि फिल्म का आखिरी पार्ट देखना लाजवाब है क्योंकि उसमें 1997 की बॉर्डर के मुख्य कलाकारों को भी दिखाया गया है।

'बॉर्डर 2' के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं।

टेलीकास्ट के लिए हो जाइए तैयार: शो 50 के पहले ही दिन कप्तान बनीं निक्की तंबोली

शो 50 के बहुप्रतीक्षित टेलीकास्ट को लेकर उत्साह चरम पर है, और अगर शुरुआती घटनाएं कोई संकेत हैं, तो एक नाम पहले ही सुर्खियां बटोर रहा है – निक्की तंबोली। पहले ही दिन निक्की ने साफ कर दिया कि वह इस शो में सिर्फ हिस्सा लेने नहीं आई हैं, बल्कि नेतृत्व करने और राज करने आई हैं। सीज़न की दमदार शुरुआत करते हुए, निक्की तंबोली पहले ही दिन अपनी टीम की कप्तान बन गईं – और इसी के साथ साबित कर दिया कि उन्हें रियलिटी टीवी की सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है। यह पल बेहद जोशीला था, जिसने फैंस को उत्साह से भर दिया और एक बात पक्की कर दी – निक्की पूरी तरह शेरनी मोड में हैं। अपने बेखौफ अंदाज़, तेज़ दिमाग और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जानी जाने वाली निक्की ने पूरे आत्मविश्वास और अधिकार के साथ कमान संभाली। फैसले लेने से लेकर टीम को संभालने तक, उनकी लीडरशिप पहले ही दिन साफ नज़र आई। बाकी कंटेस्टेंट्स भी देखते रह गए, जब निक्की ने पूरे दमखम के साथ अपनी जगह बनाई और वही आग दिखाई जो उनकी पहचान बन चुकी है।इससे पहले अपने सफर को लेकर बात करते हुए निक्की ने कहा था कि वह अपनी ताकत जानती हैं और उसे इस्तेमाल करने से नहीं डरतीं – और पहले ही दिन कप्तान बनना उसी बयान को मज़बूती देता है। दबाव में आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उनकी क्षमता उन्हें इस सीज़न का सशक्त दावेदार बनाती है। फैंस पहले से ही उन्हें एक नैचुरल लीडर बता रहे हैं, सोशल मीडिया पर तारीफों की बाढ़ है और हर कोई कह रहा है कि निक्की का राज अब शुरू हो चुका है। शेरनी की प्रवृत्ति के साथ और पूरी फोकस के साथ, निक्की तंबोली ने शो 50 में अपनी एंट्री सबसे ताकतवर अंदाज़ में कर ली है।

बिग ब्रदर का खिताब जीतकर शिल्पा ने विदेश में लहराया भारत का परचम

आज से 19 साल पहले 29 जनवरी 2007 का दिन भारतीय मनोरंजन जगत के साथ ही पूरे देश के लिए ऐतिहासिक रहा, जब एक भारतीय अभिनेत्री ने विदेशी मंच पर संघर्ष, धैर्य और गरिमा से जीत हासिल की। इसी दिन अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने ब्रिटेन के रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' का खिताब जीतकर भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया था। इस जीत ने न सिर्फ शिल्पा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाई, बल्कि वह नस्लवाद के खिलाफ एक मजबूत आवाज भी बनीं। नस्लीय टिप्पणी, संघर्ष और शोर-शराबा के बीच शिल्पा शेट्टी ने शो में मजबूती के साथ हिस्सा लिया और बेहतरीन प्रदर्शन किया। शो के दौरान हुए विवाद ने ब्रिटेन में नस्लवाद पर बहस छेड़ दी और कई बदलाव लाए। इस सीजन में शिल्पा शेट्टी के साथ इंग्लैंड और अमेरिका की कई हस्तियां शामिल हुई थीं, जिनमें माइकल जैक्सन के भाई जर्मेन जैक्सन और पॉप सिंगर इयान वाटकिंस जैसी शख्सियतें भी थीं। शो के दौरान शिल्पा को नस्लीय टिप्पणियों और अपमानजनक व्यवहार का भी सामना करना पड़ा। ब्रिटिश हस्ती जेड गुडी और उनके साथियों ने शिल्पा के साथ भेदभावपूर्ण बर्ताव किया, जिसे दुनिया भर में नस्लवाद के रूप में देखा गया। इन घटनाओं के कारण ब्रिटेन में भारी विवाद हुआ था। शो की लोकप्रियता बढ़ी और शिल्पा के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग आगे आए थे। उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि फाइनल में शिल्पा को 67 प्रतिशत पब्लिक वोट मिले और वह जीत हासिल करने में सफल रहीं।

31 साल की उम्र में बड़ी सफलता हासिल करने वाली शिल्पा जब घर से बाहर निकलीं तो आतिशबाजी और चीयर करती प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया था। उनकी यह जीत न सिर्फ व्यक्तिगत सफलता थी, बल्कि भारतीयों के लिए गर्व का क्षण बनी। उन्होंने 100,000 पाउंड की प्राइज मनी जीती। जीत के बाद जब उनसे नस्लवाद विवाद पर राय पूछी गई तो शिल्पा का स्पष्ट कहना था कि लोग गलतियां करते हैं, और हम सब इंसान हैं। जेड थोड़ी गुस्सैल है, लेकिन वह रेसिस्ट नहीं है।

शिल्पा ने जेड गुडी के इरादों को नस्लभेदी नहीं माना और कहा कि गलतियां हो सकती हैं। साथ ही उन्होंने शो के अनुभव को अविश्वसनीय और जबरदस्त भी बताया था।

शिल्पा ने बताया था कि उन्हें सबसे बड़ा झटका तब लगा जब उन्होंने बहुत सारा खाना पकाया और उसे बर्बाद होते देखा। साथी हाउसमेट मॉडल डेनियल लॉयड ने भी शिल्पा से माफी मांगी थी। शिल्पा ने जीत के बाद कहा था, 'यह मेरे देश को गर्व महसूस कराने का शानदार मौका था।'

इस जीत के बाद शिल्पा शेट्टी की बॉलीवुड में भी लोकप्रियता बढ़ी। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया और फिटनेस, योगा के साथ ही बिजनेस में भी नाम कमाया।

महिलाएं जब पूरी ताकत से गेम में उतरती हैं, तो कोई उनके सामने खड़ा नहीं हो सकता : युविका चौधरी

सिअभिनेत्री युविका चौधरी जल्द ही अपकमिंग रियलिटी शो 'द 50' में नजर आएंगी, उन्होंने रियलिटी शो में महिलाओं के साथ होने वाले दोहरे मापदंडों पर खुलकर बात की। जहां अक्सर उनकी भावनाओं को गलत या कमजोर समझा जाता है। इस धारणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कि महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अपनी कमजोरी या भावनाएं दिखाने पर ज्यादा सख्ती से जज किया जाता है, युविका ने कहा कि जब महिलाएं पूरे विश्वास के साथ गेम में उतरती हैं, तो वे एक ऐसी ताकत बन जाती हैं जिसे कोई रोक नहीं सकता और वे शानदार प्रस्तुति देती हैं। उन्होंने बताया, जब कोई महिला सच में खेलती है, तो किसी और के लिए कोई जगह नहीं बचती। अगर महिलाएं पूरी तरह से गेम में उतरती हैं, तो कोई उनके सामने खड़ा नहीं हो सकता, वे इतनी मजबूत होती हैं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह अपनी इस यात्रा को अपनी व्यक्तिगत भागीदारी से कहीं ज्यादा देखती हैं। युविका ने बताया, मुझे ऐसा ही लगता है। मैं यहां सभी महिलाओं को रिप्रेजेंट करने और दुनिया को यह दिखाने आई हूं कि हम सब बहुत कुछ कर सकती हैं। बस अपने लिए स्टैंड लो।

युविका 'ओम शांति ओम' और 'तो बात पक्की!' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। साल 2009 में वह कन्नड़ फिल्म मलयाली जोतयाली में गणेश के साथ लीड रोल में भी काम कर चुकी हैं। साल 2015 में वह रियलिटी शो बिग बॉस 9 में कंटेस्टेंट थीं और साल 2019 में उन्होंने पति प्रिंस नरूला के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 9 में हिस्सा लिया और विनर बनीं। उन्हें पिछली बार अंकुश भट्ट निर्देशित साइबर वार में देखा गया था। इसमें मोहित मलिक और सनाया ईरानी भी उनके साथ लीड रोल में हैं।

युविका नच बलिए के बाद एक बार फिर से पति के साथ रियलिटी शो में नजर आएंगी। युविका की प्रिंस से मुलाकात बिग बॉस 9 के सेट पर हुई थी। प्रिंस ने साल 2018 में उन्हें प्रपोज किया और उनकी सगाई हो गई। उन्होंने साल 2018 में मुंबई में शादी की। उनकी एक बेटी है।

बनिजय एशिया के रियलिटी शो द 50 जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर स्ट्रीम होने वाला, द 50 में युविका चौधरी, प्रिंस नरूला के साथ रिद्धि डोगरा, करण पटेल, मिस्टर फैजू, मोनालिसा, विक्रांत सिंह, दिव्या अग्रवाल, शाइनी दोशी, दुष्यंत कुकरेजा, शिव ठाकरे, नीलम गिरी, डिंपल सिंह, चाहत पांडे, हामिद बार्कजी, सुमायरा शेख, लवकेश कटारिया, नेहल चुडासमा, सपना चौधरी, निक्की तंबोली, अरबाज पटेल, वंशज सिंह, कृष्णा श्रॉफ समेत अन्य सितारे नजर आएंगे।

वेब सीरीज कोहरा 2 से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने आईएएनएस से खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी।'' मोना ने कहा, ''इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।''

'कोहरा 2' में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'कोहरा 2' की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना।

मल्लिका मशहूर ड्रमर डेव मोरेनो से ले रही हैं ड्रम सीखने की खास ट्रेनिंग

हिंदी सिनेमा से लेकर विदेश में अपने अभिनय का परचम लहरा चुकी अभिनेत्री मल्लिका शेरावत अपने काम के साथ-साथ नए-नए शौक बनाए रखने की ख्वाहिश रखती हैं। अब वे एक और नए शौक की ओर मुड़ गई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में मल्लिका शेरावत मशहूर ड्रमर डेव मोरेना से ड्रम बजाना सीख रही हैं। वीडियो में वे उत्साह के साथ डेव से कहती हैं, मुझे भी ड्रम बजाना सीखाएं। इसके बाद वे ड्रम स्टिक्स हाथ में पकड़े हुए हैं और डेव मोरेनो के साथ ट्रेनिंग ले रहे हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, महान ड्रमर डेव मोरेनो से ड्रम बजाने की ट्रेनिंग ले रही हूं।

बता दें कि डेव मोरेनो जाने माने अमेरिकी ड्रमर, संगीतकार, गीतकार और निर्माता हैं, जो मुख्य रूप से ब्रूस डिकिंसन और पडल ऑफ मड बैंड के साथ काम करने के लिए प्रसिद्ध हैं। वे लॉस एंजेलिस में अपना स्टूडियो चलाते हैं और लोगों को ड्रम सिखाने का भी काम करते हैं।अभिनेत्री का यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर अभिनेत्री की तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री अक्सर नए-नए पैशन को भी अपनाती रहती हैं।

पहले वे योगा और फिटनेस को लेकर एक्टिव रहती थीं, अब ड्रम बजाना उनका नया शौक बन गया है।मल्लिका शेरावत ने काफी समय तक बॉलीवुड में काम करने के बाद हॉलीवुड की तरफ रुख किया। उन्होंने वहां के कई प्रोजेक्ट्स में काम किया है। अभिनेत्री ने हॉलीवुड में ग्लोबल सुपरस्टार ब्रूनो मार्स के साथ म्यूजिक वीडियो में कैमियो रोल से कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड की फिल्म 'द मिथ', 'पॉलिटिक्स ऑफ लव', और 'टाइम रेडर्स' में भी काम किया और विदेश में अभिनय का लोहा मनवाया है।इसके बाद उन्होंने राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बॉलीवुड में वापसी की थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन फैंस अभिनेत्री की वापसी से काफी खुश थे।

लक्ष्मी नारायण राजयोग से मेष सहित अन्य राशियों को मिलेगी सफलता और सम्मान

फरवरी के महीने में लक्ष्मी नारायण राजयोग प्रभावशाली रहने वाला है। दरअसल, फरवरी के महीने में बुध और शुक्र की युति कुंभ राशि में बनने वाला है। जिससे लक्ष्मी नारायण राजयोग प्रभावशाली होगा। वैदिक ज्योतिष में लक्ष्मी नारायण राजयोग बहुत ही शक्तिशाली और लाभदायर राजयोग है यह व्यक्ति को मान सम्मान के साथ साथ धन संपत्ति का लाभ दिलाता है। ऐसे में टैरो काड्र्स की गणना बता रही है कि लक्ष्मी नारायण राजयोग से फरवरी के महीने में मेष, मिथुन, कर्क, सिंह और कन्या राशि के लोगों के लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। इन राशियों को सफलता के साथ साथ करियर में भी कई शुभ अवसर मिलेंगे।

मेष : सुख समृद्धि से भरा रहेगा महीना

मेष राशि के लोगों के अंदर फरवरी के महीने में आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। ऐसे में आपको इस महीने अच्छा लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन सुख समृद्धि से भरा रहने वाला है। विद्यार्थियों का मन आज अध्ययन कार्यों में लगेगा। साथ ही यह समय आपको कई तरह से सफलता दिलाएगा। साथ ही छात्रों के लिए समय सफलता से भरा रहने वाला है। नौकरी पेशा वर्क को यात्रा करनी पड़ सकती है। कोई भी नवीन कार्य करना इस समय पर सफलतादायक परिणाम लाएगा। आज आपका दिन दांपत्य लिहाज से सुख समृद्धि से भरा रहने वाला है।

वृषभ : समस्या उत्पन्न हो सकती हैं

वृषभ राशि के लोगों के लिए फरवरी का महीने सेहत में थोड़ा उतार चढ़ाव लेकर आने वाला है। इस महीने आपकी सेहत थोड़ी मध्यम रहने वाली है। समय समय पर शारीरिक और मानसिक रुप से खुद को थोड़ा थका हुआ महसूस कर सकते हैं। आर्थिक पक्ष से समय बहुत ही अनुकूल रहने वाला है। आपके रुके हुए कार्य पूर्ण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन समृद्धि से बढ़ेगी। साथ ही दांपत्य जीवन में सामंजस्य की कमी के कारण कुछ तनाव बना रहेगा। संतान पक्ष से आपके लिए कई तरह की समस्या उत्पन्न हो सकती हैं।

मिथुन : शत्रु पक्ष कमजोर होगा

मिथुन राशि के लोगो के लिए फरवरी का महीना बहुत ही शुभ फलदायक रहने वाला है। आज आपके स्वास्थ्य पहले से काफी उत्तम रहने वाला है। जो व्यक्ति पहले से ही बीमार चल रहे हैं उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। पारिवारिक वातावरण काफी सकारात्मक रहने वाला है। दांपत्य जीवन में संबंध मध्यम रहेंगे। संतान पक्ष से आपका अच्छा तालमेल रहने वाला है। इस महीने आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति संभव है। आज आपको मेहनत से अनुसार ही सफलता प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। शत्रु पक्ष कमजोर होगा।

कर्क : जल्दबाजी करने से बचें

कर्क राशि के लोगों के लिए फरवरी का महीना उत्साह से भरा रहने वाला है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो समय आपके लिए सामान्य रहेगा। आपको सलाह है कि फिलहाल, सेहत का विशेष ख्याल रखें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में मन कम लगेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में आपको सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी के साथ किसी न किसी

बात को लेकर वाद विवाद संभव है। साझेदारी में कोई भी नया काम करने का सोच रहे हैं तो जल्दबाजी करने से बचें।

सिंह : यह महीना उन्नति से भरा रहने वाला है

सिंह राशि के लोगो के लिए फरवरी का महीना उत्तम फलदायी रहने वाला है। आज देखा जाए तो मानसिक रुप से आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। साथ ही आज कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपको कोई समस्या नहीं होगी। प्रतियोगी परीक्षा में आपको संपत्ति का लाभ मिलने की संभावना है। घर परिवार में सुख समृद्धि बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह महीना उन्नति से भरा रहने वाला है।

कन्या : छोटी छोटी यात्राएं करनी पड़ सकती है

कन्या राशि के लोगों के लिए फरवरी का महीना सुखदायक रहने वाला है। आपके स्वभाव में थोड़ा गुस्सा अधिक रहने वाला है। आपका स्वभाव थोड़ा चिड़चिड़ा रह सकता है। आपको सलाह है कि अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखें और स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें। आर्थिक दृष्टि से समय मध्यम रहने वाला है। संतान पक्ष से यह महीना सुखद है। विद्यार्थी पर हुई सफलता प्राप्त करेगा। नौकरी पेशा वर्ग को भी शुभ परिणाम की प्राप्ति होगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। इस महीने आपको कुछ छोटी छोटी यात्राएं करनी पड़ सकती है।

तुला : पदोन्नति के शुभ अवसर मिलेंगे

तुला राशि के लोगों के लिए फरवरी का महीना शुभ और विशेष तौर पर आर्थिक रुप से लाभदायक रहने वाला है। मित्रों और पारिवारिक सदस्यों से भी संबंध मधुर रहेंगे संभावना है आप उत्तम वस्त्र आदि आभूषणों की खरीद खरीदारी करेंगे। आज आपके पति पत्नी के बीच आ रही दूरियां दूर होंगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आज आप किसी तीर्थ यात्रा या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति के शुभ अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक : शुभ परिणाम आपको प्राप्त होंगे

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए फरवरी के महीने में आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक व्यवहारिक स्थिति में भी सुधार देखने को मिलेगा। दांपत्य जीवन में समय काफी सकारात्मक रहने वाला है। दांपत्य जीवन में भी वातावरण सकारात्मक रहेगा आज आपको घर परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही संतान से भी कोई शुभ परिणाम आपको प्राप्त होंगे। इस महीने शत्रु चाहकर भी आप का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। आपको सलाह है कि अनैतिक कार्य करने वाले मित्रों की संगत से बचें।

धनु : मांगलिक कार्य में शामिल होंगे

धनु राशि के लोगों के लिए फरवरी का महीना प्रसन्नता से भरा रहने वाला है। आप इस महीने आपको कई मांगलिक कार्य में शामिल होने का मौका मिलेगा। साथ ही आपको यात्राओं से लाभ प्राप्त होगा। नौकरी पेशा वर्ग को भी शुरू किए गए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी और वह उत्साह से भरे हुए रहेंगे। दांपत्य सुख मध्यम फल देगा। अनावश्यक विवादों से बचें। विद्यार्थी वर्ग के लोगों के लिए महीने बहुत ही उत्साह पूर्वक रहने वाला है। आप अपने लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। कुल मिलाकर शारीरिक सुख, बंधुओं से सहयोग मिलेगा।

मकर : सप्ताह शुभ फलदायक रहेगा

मकर राशि के लोगों के लिए सप्ताह शुभ फलदायक रहने वाला है। समाज में आपको कोई विशेष उतार चढ़ाव नहीं देखने को मिलेगा। साथ ही आपको कामकाज से जुड़ा अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। छोटे भाई से या बहन से मनमुटाव संभव है। व्यर्थ की यात्राओं से व्यय अधिक रहेगा। अपरिचित व्यक्ति के द्वारा आपको समस्याएं उत्पन्न होगी। दांपत्य जीवन में उतार चढ़ाव बना रहेगा। आपसी संबंधों में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। नई आर्थिक निवेश से इस समय बचना चाहिए अन्यथा भविष्य में नुकसान झेलना पड़ सकता है। विद्यार्थियों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है उनकी एकाग्रता में कमी रहेगी।

कुंभ : रुका हुआ पैसा मिल सकता है

कुंभ राशि के लोगों के लिए सप्ताह कुंभ राशि के लोगों के लिए महीना उत्तम साबित होने वाला है। साथ ही आपका दांपत्य जीवन सुखमय रहने वाला है। साथ ही कई छोटी छोटी यात्राएं करना पड़ सकती हैं। संतान पक्ष के लिए महीने शुभ रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए भी समय अच्छा है अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे । नौकरी पेशा पर के लिए भी रुके हुए कामों में तरक्की के आसार हैं। अधिकारी वर्ष से मधुर संबंध बनेंगे। थोड़े से प्रयासों से ही अपेक्षित लाभ होगा। रुका हुआ पैसा मिल सकता है, प्रयास अवश्य करें।

मीन : महीना बेहतरीन रहने वाला है

मीन राशि के लोगों के लिए महीना बेहतरीन रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए समय महत्वपूर्ण और परीक्षा में भी आशा के अनुरुप ही प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में समरसता बनी रहेगी । जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। धन निवेश के लिए भी शुभ है। बेरोजगारों को रोजगार मिलने के अवसर हैं। भूमि संपत्ति अथवा वाहन से संबंधित अभिलाषा पूर्ण हो सकती है। आपको सलाह है कि अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, स्वास्थ्य की हानि होने की संभावना है।

शुक्रवार के दिन महिलाएं भूलकर भी न करें ये काम, माता लक्ष्मी हो सकती है नाराज

हिंदू धर्म में सभी दिन किसी न किसी देवी देवताओं और ग्रहों को समर्पित हैं। इसी तरह शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी और ग्रहों में शुक्र देव को समर्पित माना गया है। ऐसे में शुक्रवार के दिन सुख समृद्धि की प्राप्ति के लिए माता लक्ष्मी की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। कई मान्यताओं के अनुसार, शुक्रवार के दिन महिलाओं को कुछ विशेष काम करने से बचना चाहिए वरना घर परिवार में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं शुक्रवार के दिन महिलाओं को कौन से काम नहीं करने चाहिए।

शुक्रवार के दिन महिलाएं भूलकर भी न करें ये काम

✲ शुक्रवार के दिन किसी भी महिलाओं का अपमान नहीं करना चाहिए। इस दिन कोई भी आपके घर आए तो उसे खाली हाथ नहीं भेजना चाहिए

✲ शुक्रवार के दिन किसी को भी चीनी का दान नहीं देना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से शुक्र ग्रह कमजोर होता है और व्यक्ति का यश,वैभव कम हो जाता है।

✲ साथ ही शुक्रवार के दिन किसी से पैसा उधार लेना या देना घर की लक्ष्मी चली जाती है। इस दिन पैसे का लेनदेन करने से महालक्ष्मी नाराज हो जाती है। शुक्रवार के दिन घर में अच्छे से साफ सफाई रखनी चाहिए।

✲ शुक्रवार के दिन खट्टा नहीं खाना चाहिए। शुक्रवार के दिन व्रत करना चाहिए। इस दिन खीर बनाकर गरीबों और चिड़ियों को जरूर खिलाएं। साथ ही इस दिन जरुरतमंद लोगों को वस्त्र आदि का दान करना चाहिए।

✲ शुक्रवार के दिन अपने घर को गंदा न रखें। अपने घर की साफ सफाई सुबह ही कर लें। इसके बाद पूजा पाठ करें। साथ ही सूर्यास्त के समय भूलकर भी झाड़ू पोछा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी दूर हो जाती हैं।

✲ अपने घर के मुख्य द्वार पर जूते चप्पल और झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि घर के मुख्य द्वार पर जूते चप्पल नहीं रखने से चाहिए। 7) साथ ही महिलाओं को घर में झुठे बर्तन आदि भी नहीं रखने चाहिए वरना माता लक्ष्मी घर में प्रवेश नहीं करती हैं।

शुक्रवार को महिलाएं जरुर करें ये काम

✲ शुक्रवार के दिन तुलसी की पूजा करनी चाहिए। महिलाओं को सबसे पहले माता तुलसी में दीपक जलाकर उनकी आराधना करनी चाहिए। इस महिलाओं को तुलसी माता को तिलक जरूर लगाना चाहिए।

✲ महिलाओं को माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए शुक्रवार के व्रत भी करने चाहिए। मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से धन धान्य की कोई कमी नहीं होती है। साथ ही माता लक्ष्मी की विशेष कृपा भी बनी रहती है।

शुक्रवार को प्रदोष व्रत का संयोग, इन उपायों से देवी लक्ष्मी के साथ भोलेनाथ की कृपा होगी प्राप्त

शुक्रवार का दिन धन की देवी लक्ष्मीजी को समर्पित माना गया है। इस दिन मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, इस बार शुक्रवार को प्रदोष व्रत का संयोग बन रहा है। इसी के चलते यह दिन और भी खास रहेगा। ऐसे में अगर आप शुक्रवार के दिन कुछ विशेष उपाय कर लें तो इससे माता लक्ष्मी के साथ-साथ भोलेनाथ की भी कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने का उपाय

शुक्रवार के दिन स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें। इस दिन गुलाबी या चमकीले रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। इसके पश्चात, शिव जी के साथ-साथ देवी लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करें। सुबह माता लक्ष्मी को गुलाब के फूल अर्पित करें और तुलसी में जल जरूर चढ़ाएं। इसके पश्चात, शाम को माता लक्ष्मी की आरती में कपूर अवश्य शामिल करें और तुलसी के पास दीपक जलाएं। श्रद्धापूर्वक इस सरल उपाय को करने से जातक को देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है और घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है।

भगवान शिव का आशीर्वाद पाने का उपाय

शुक्रवार के दिन प्रदोष व्रत पड़ रहा है। इस दिन भोलेनाथ बहुत उदार होते हैं। ऐसे में प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव का गंगाजल, शहद, दही आदि से अभिषेक करना चाहिए। साथ ही, उन्हें बेलपत्र जरूर अर्पित करें। मान्यता है कि ऐसा करने से भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न होते हैं और जातक को उनकी विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। अभिषेक के पश्चात शिवजी की विधि विधान से पूजा और आरती भी जरूर करनी चाहिए।

जीवन के दुख दूर करने का उपाय

अगर आप जीवन में एक के बाद एक समस्याओं या आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं तो शुक्रवार को एक उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए माता लक्ष्मी की पूजा करते समय उन्हें ताजे गुलाब के फूल के साथ कुछ पीली कौड़ियां अर्पित करें। इसके बाद 'ओम श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करें। इस उपाय को करने से सुख सौभाग्य में वृद्धि होती है और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। पूजा के पश्चात कौड़ी को उठाकर किसी लाल रंग के कपड़े में बांधकर धन वाले स्थान पर रखें। इससे तिजोरी कभी खाली नहीं रहती है और जीवन की समस्याओं से राहत मिल सकती है।

दांपत्य जीवन में खुशहाली का उपाय

प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और पार्वती माता की पूजा अवश्य करनी चाहिए। साथ ही, देवी को श्रृंगार का सामान अर्पित करें और 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जाप करें। इस उपाय को करने से जातक को वैवाहिक जीवन में आ रही समस्याओं से राहत मिल सकती है और पति-पत्नी का रिश्ता मधुर हो सकता है। प्रदोष व्रत के दिन शाम को प्रदोष काल में महामृत्युंजय मंत्र का जाप भी अवश्य करना चाहिए। इससे जीवन में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और तरक्की के नए मार्ग खुल सकते हैं।

शुक्र प्रदोष व्रत: महादेव-माता पार्वती की कृपा प्राप्ति का विशेष दिन, जानें शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म में पंचांग का विशेष महत्व है, क्योंकि यह शुभ-अशुभ मुहूर्त, व्रत और पूजा के लिए मार्गदर्शन करता है। शुभ-अशुभ समय का विचार कर किया गया कोई भी काम फलित होता है और बाधाएं नहीं आती हैं। 30 जनवरी को माघ माह का अंतिम प्रदोष व्रत पड़ रहा है। यह व्रत विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित है और शुक्रवार को होने के कारण इसे शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाता है। दृक पंचांग के अनुसार, 30 जनवरी शुक्रवार को शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि सुबह 11 बजकर 9 मिनट बजे तक रहेगी, उसके बाद त्रयोदशी तिथि शुरू होगी। यह तिथि प्रदोष व्रत के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। शुक्रवार को चंद्रमा मिथुन राशि में गोचर करेंगे और नक्षत्र आर्द्रा रहेगा, जो 31 जनवरी की सुबह 3 बजकर 27 मिनट तक प्रभावी रहेगा। शुभ समय की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 25 मिनट से 6 बजकर 18 मिनट तक, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 56 मिनट तक और अमृत काल शाम 6 बजकर 18 मिनट से 7 बजकर 46 मिनट तक है।

वहीं, योग वैधृति शुक्रवार शाम 4 बजकर 58 मिनट तक रहेगा। सूर्योदय 7 बजकर 10 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 59 मिनट पर होगा। यदि कोई शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश या नया कार्य करना चाहते हैं, तो राहुकाल का विशेष ध्यान रखें। 30 जनवरी को राहुकाल सुबह 11 बजकर 14 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। इस दौरान कोई नया कार्य शुरू न करें। अन्य अशुभ समय में यमगण्ड दोपहर 3 बजकर 17 मिनट से 4 बजकर 38 मिनट तक, गुलिक काल सुबह 8 बजकर 31 मिनट से 9 बजकर 52 मिनट तक रहेगा।

शुक्र प्रदोष व्रत का महत्व बहुत अधिक है। यह व्रत देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती की कृपा प्राप्त करने के लिए किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रदोष काल में शिवलिंग पर दूध, बेलपत्र, धतूरा और भांग चढ़ाकर पाठ करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। व्रत रखने वाले भक्त संयमपूर्वक दिन व्यतीत करते हैं और शाम को प्रदोष काल में पूजा-अर्चना करते हैं।

शुक्रवार होने से यह व्रत शुक्र ग्रह के दोषों को दूर करने और वैवाहिक सुख, धन-समृद्धि के लिए भी विशेष फलदायी माना जाता है। वहीं, विष्णुप्रिया के पूजन के लिए भी शुक्रवार खास महत्व रखता है।

हिमाचल से आंध्र प्रदेश तक : चार महा-शक्तिपीठ जहां विराजमान हैं आदिशक्ति

सनातन धर्म में देवी के 51 शक्ति पीठों को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि ये वही स्थान हैं, जहां देवी सती के शरीर के अलग-अलग अंग और आभूषण गिरे थे। इन्हीं स्थानों पर शक्ति पीठों की स्थापना हुई। हालांकि शास्त्रों में कहीं-कहीं 52 शक्ति पीठों का भी उल्लेख मिलता है, लेकिन आम तौर पर 51 शक्ति पीठ ही माने जाते हैं। हर शक्तिपीठ का अपना अलग महत्व, अलग कथा और अलग फल बताया गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में 4 ऐसे महाशक्तिपीठ भी हैं, जिनके दर्शन मात्र से 51 शक्तिपीठों के बराबर पुण्य मिलने की मान्यता है? इन्हें महाशक्तिपीठ या आदि शक्तिपीठ भी कहा जाता है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित कालीघाट देवी काली का प्रमुख शक्तिपीठ है। मान्यता है कि यहां देवी सती के बाएं पैर का अंगूठा गिरा था। देवी यहां कालिका रूप में विराजमान हैं और भैरव को नकुशील कहा जाता है। यह स्थान तंत्र साधना और शक्ति उपासना का बड़ा केंद्र माना जाता है। कहा जाता है कि सच्चे मन से मां काली की पूजा करने से भय, बाधाएं और नकारात्मक शक्तियां दूर हो जाती हैं और भक्तों को जीवन में साहस और आत्मबल की प्राप्ति होती है।

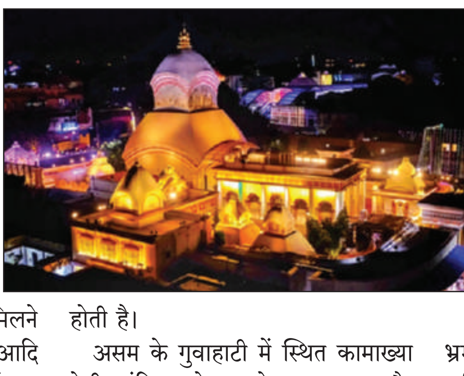

असम के गुवाहाटी में स्थित कामाख्या देवी मंदिर को सबसे रहस्यमय और शक्तिशाली पीठों में गिना जाता है। यह योनि पीठ है, जहां देवी सती का गर्भ स्थान गिरा था। यहां देवी की पूजा शक्ति और सृजन के प्रतीक के रूप में होती है। कामाख्या मंदिर में प्रतिमा नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक शिला की पूजा की जाती है। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से इच्छाओं की पूर्ति होती है और साधकों को विशेष सिद्धियां प्राप्त होती हैं।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित ज्वाला जी शक्ति पीठ अपनी अनोखी पहचान के लिए प्रसिद्ध है। यहां देवी की जिह्वा (जीभ) गिरी थी और आज भी मंदिर में प्राकृतिक रूप से जलती हुई अखंड ज्वालाएं दिखाई देती हैं। इन ज्वालाओं को देवी का स्वरूप माना जाता है। कहा जाता है कि यहां दर्शन करने से जीवन की परेशानियां कम होती हैं और रोग-शोक से मुक्ति मिलती है।

आंध्र प्रदेश में स्थित शैलपुत्री या भ्रमराम्बा देवी का मंदिर भी महा-शक्तिपीठ माना जाता है। मान्यता है कि यहां देवी सती की ग्रीवा यानी गला गिरा था। यह स्थान आध्यात्मिक शांति और मनोकामना पूर्ति के लिए जाना जाता है। भक्तों का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से की गई पूजा जीवन के बड़े संकटों से उबार देती है।

संपादकीय

खौफनाक पढ़ाई

पिछले दिनों फरीदाबाद में ठीक से पढ़ाई न कर सकने वाली बच्ची की पिता द्वारा पिटाई करने से हुई मौत की खबर ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। यह विश्वास करना कठिन है, कोई पिता इतना क्रूर हो सकता है कि महज गिनती न सीख पाने के कारण बच्ची की जान ले ले। यदि इस घटना के पीछे कोई परोक्ष कारण नहीं है तो निश्चय ही यह घटना किसी भी सभ्य समाज के लिये कलंक ही कही जाएगी। यह शर्म की बात ही है कि इस ज्ञान की सदी में किसी बच्ची की पिता के हाथों पढ़ाई के नाम पर मौत हो जाए। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में भी हमारे समाज में मानसिक ग्रंथि की वह गांठ नहीं खुल पाई है, जो मानती है कि डर व मारपीट से बच्चों को सिखाया जा सकता है। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा। लेकिन जब घर में माता-पिता ही हिंसक व्यवहार करने लगें तो मासूम किसके भरोसे रहेगा... कहने को देश में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी हिंसक व्यवहार को रोकने के लिये तमाम तरह के प्रावधान सुरक्षा कवच उपलब्ध कराते हैं। लेकिन जब प्रवर्तन एजेंसियां ही उदासीन रहेंगी तो समस्या का समाधान संभव ही नहीं है। पहले तो स्कूलों में ही ऐसे मामलों पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है, फिर यदि मामला पुलिस या संबंधित विभाग के संज्ञान में आता भी है तो उसे रफा-दफा करने के प्रयास तेज हो जाते हैं। ऐसे मामलों में शिक्षक अभिभावक संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। जिसमें अकसर शिक्षण संस्था के सुर में बोलने वाले अभिभावकों को ही रखा जाता है। आज भी यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। यह हमारे समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज भी यह सोच बलवती है कि बच्चों के साथ सख्त व्यवहार से उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता में वृद्धि होती है। जबकि हकीकत यह है कि किसी भी आक्रामक व्यवहार से बच्चों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देश व दुनिया में हुए तमाम शोध व अध्ययन बताते हैं कि बच्चों के साथ सख्त व आक्रामक व्यवहार किए जाने से बच्चों की एकाग्रता व याद्दाश्त पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उनकी निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। जिसका नकारात्मक असर यह होता है कि बच्चे हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं। परिणाम स्वरूप वे अपनी कक्षा में पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं। कालांतर यह भय व कुंठा जीवनभर उनका पीछा करती है। उनका आत्मविश्वास डिग जाता है। तब वे जीवन की स्पर्धा में भी दब्बू बनकर रह जाते हैं। यह भी विडंबना ही है कि आज भी बच्चों पर पढ़ाई का बोझ थोपने से पहले हमारे यहां किसी तरह का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण नहीं होता है कि बच्चे की अभिरुचि किन विषयों में है। सही मायनों में हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। कुदरत उसकी रचना किसी खास मकसद के लिये करती है। लेकिन मां-बाप व शिक्षक पहचान नहीं पाते कि उसका रुझान किस दिशा में है। यदि समय रहते बच्चे की उस प्रतिभा को पहचाना जा सके और उस विषय व दिशा में उसे प्रोत्साहित किया जाए, तो वे अप्रत्याशित रूप से किसी भी क्षेत्र में शिखर की सफलता हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ बच्चे कई तरह के जन्मजात व आनुवंशिक रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं, जो उनकी सामान्य पढ़ाई में बाधक हो सकता है। कई बच्चों में जन्म से ही दृष्टि दोष या कोई अन्य शारीरिक व मानसिक विकार भी हो सकता है, जिसके चलते वे अपनी पढ़ाई को ठीक से पूरा नहीं कर पाते। फलतः उन्हें शिक्षकों व परिजनों के हिंसक व्यवहार का शिकार होना पड़ता है। आज बच्चों को संवेदनशील ढंग से देखने की जरूरत है ताकि उनकी पढ़ाई में आने वाली बाधाओं को समय रहते दूर किया जा सके।

विडंबना ही है कि 21वीं सदी में भी हमारे समाज में मानसिक ग्रंथि की वह गांठ नहीं खुल पाई है, जो मानती है कि डर व मारपीट से बच्चों को सिखाया जा सकता है। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा। लेकिन जब घर में माता-पिता ही हिंसक व्यवहार करने लगें तो मासूम किसके भरोसे रहेगा... कहने को देश में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी हिंसक व्यवहार को रोकने के लिये तमाम तरह के प्रावधान सुरक्षा कवच उपलब्ध कराते हैं। लेकिन जब प्रवर्तन एजेंसियां ही उदासीन रहेंगी तो समस्या का समाधान संभव ही नहीं है। पहले तो स्कूलों में ही ऐसे मामलों पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है, फिर यदि मामला पुलिस या संबंधित विभाग के संज्ञान में आता भी है तो उसे रफा-दफा करने के प्रयास तेज हो जाते हैं। ऐसे मामलों में शिक्षक अभिभावक संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। जिसमें अकसर शिक्षण संस्था के सुर में बोलने वाले अभिभावकों को ही रखा जाता है। आज भी यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। यह हमारे समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज भी यह सोच बलवती है कि बच्चों के साथ सख्त व्यवहार से उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता में वृद्धि होती है।

कुछ अलग

हनुमान जी ने मैनाक पर्वत पर आराम क्यों नहीं किया?:

रामायण के सुंदरकांड का किस्सा है। हनुमान जी माता सीता की खोज में समुद्र लांघकर लंका जा रहे थे। ये यात्रा केवल शारीरिक नहीं थी, बल्कि मानसिक, आत्मिक और कर्तव्यनिष्ठा की भी परीक्षा थी। समुद्र के ऊपर उड़ते हुए हनुमान जी पूरे ध्यान और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे थे। उनका लक्ष्य स्पष्ट था- सीता माता का पता लगाना और श्रीराम के कार्य को पूरा करना। उसी समय समुद्र के बीच से एक स्वर्णिम पर्वत प्रकट हुआ। यह पर्वत था मैनाक। मैनाक हनुमान जी की शक्ति और सेवा भाव से प्रसन्न था। मैनाक पर्वत ने विनम्रता से हनुमान जी से कहा कि हे पवनपुत्र, आप बहुत दूर की यात्रा कर रहे हैं। कुछ देर मेरे ऊपर विश्राम कर लीजिए, ताकि आपकी थकान दूर हो जाए। हनुमान जी ने पर्वत की बात सुनी, उसे ध्यान से देखा और मुस्कराते हुए उसका स्पर्श किया। उन्होंने आदरपूर्वक कहा कि आपका यह प्रेम और सम्मान मेरे लिए अत्यंत मूल्यवान है। आपने मुझे विश्राम करने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं, लेकिन इस समय रुकना मेरे लिए सही नहीं है। जब तक मेरा लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक मुझे विश्राम नहीं करना है। मैनाक ने फिर कहा कि लंका अभी काफी दूर है, विश्राम करने से आपकी शक्ति और बढ़ जाएगी। हनुमान जी बोले कि अभी मेरे भीतर उत्साह और ऊर्जा भरी हुई है। यदि मैं अभी विश्राम करूंगा, तो कहीं आलस न आ जाए। आलस लक्ष्य से भटका देता है। हनुमान जी समझ चुके थे कि यह स्वर्ण पर्वत केवल विश्राम का नहीं, बल्कि आकर्षण का भी प्रतीक है। सोने का पर्वत भोग-विलास, सुख-सुविधा और आराम का संकेत था।

1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा

अजित पवारः आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के 'दादा-पुरुष'

ललित गर्ग

28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था।

यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी। 1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं,

बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। "अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें?" जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए। शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला "दादा" का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले 'दादा' के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है। अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे राजनीतिक सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हड़ एवं साहसिक व्यक्तित्व थे। बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझारु राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे, लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए। उनकी राजनीति कठोर थी, लेकिन उसमें अनुभव की गहराई थी। वे लोकप्रियता से अधिक प्रभाव में विश्वास रखते थे। शायद यही कारण है कि उनके जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा सन्नाटा है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है। अजित पवार का जीवन यह सिखाता है कि राजनीति केवल भाषणों और नारों से नहीं चलती, बल्कि निर्णय, जोखिम और जिम्मेदारी से चलती है। उनका जाना एक चेतावनी भी है और एक स्मृति भी, क्योंकि सत्ता क्षणभंगुर है, लेकिन अनुभव और प्रभाव लंबे समय तक याद किए जाते हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में "दादा" के नाम से पहचाना जाने वाला यह व्यक्तित्व अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है, लेकिन उसकी छाया आने वाले वर्षों तक राज्य की राजनीति पर बनी रहेगी।

देश दुनिया से

समता और समावेशन की दिशा में सार्थक पहल

यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर यूजीसी ने इस संबंध में समिति के गठन हेतु अधिसूचना जारी की है। यह पहल किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से सामने आ रही सामाजिक विसंगतियों और न्यायिक हस्तक्षेप का नतीजा है। यूजीसी ने फरवरी, 2025 में 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु विनियम, 2026' का मसौदा जारी किया था। इसके बाद यह मसौदा संसदीय स्थायी समिति को भेजा गया, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने की। 8 दिसंबर, 2025 को समिति ने संसद में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें आंकड़ों और तथ्यों के साथ यह स्पष्ट किया गया कि देश के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में केवल एससी और एसटी ही नहीं, बल्कि ओबीसी विद्यार्थियों के साथ भी जातिगत भेदभाव की घटनाएं बढ़ी हैं। इन सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के आधार पर 13 जनवरी, 2026 को यह विनियम राजपत्र में प्रकाशित हुआ और 15 जनवरी, 2026 से पूरे देश में लागू कर दिया गया। इस प्रावधान का उद्देश्य स्पष्ट और संवैधानिक है—धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, जन्म स्थान अथवा दिव्यांगता के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करना तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में समता, न्याय और समावेशन को सुनिश्चित करना। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन वर्गों के लिए बनाई गई है, जिनके साथ ऐतिहासिक रूप से सामाजिक, शैक्षणिक और संस्थागत स्तर पर अन्याय होता रहा है। इसके बावजूद इस प्रावधान का विरोध किया जा रहा है। विरोध करने वालों का प्रमुख तर्क यह है कि इस समिति में 'जनरल कैटेगरी' को शामिल नहीं किया गया, इसलिए यह नियम भेदभावपूर्ण है। लेकिन यह प्रश्न विचारणीय है कि जाति-आधारित भेदभाव सामान्य वर्ग के साथ किस प्रकार होता है। जब देश के अधिकांश विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर, प्राचार्य और कुलपति पदों पर लगभग 97 प्रतिशत प्रतिनिधित्व उन्हीं वर्गों का है, तब निर्णय, मूल्यांकन और प्रशासनिक सत्ता पहले से ही उनके हाथों में है। ऐसे में उनके

साथ जातिगत उत्पीड़न की आशंका वस्तुतः तथ्य से अधिक आशंका और भ्रम पर आधारित प्रतीत होती है। विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव के दुष्परिणामों का इतिहास नया नहीं है। हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोधार्थी रोहित वेमुला की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अपने अंतिम पत्र में उन्होंने लिखा था— 'मेरा जन्म ही एक दुर्घटना था।' इसके बाद पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे कई मामले सामने आए। ये घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदियां नहीं हैं, बल्कि उस व्यवस्था की ओर संकेत करती हैं, जहां शिक्षा के केंद्र ही उत्पीड़न के स्थल बनते चले गए। यह भी एक भ्रांति फैलाई जा रही है कि यदि कोई ओबीसी विद्यार्थी किसी एससी या एसटी विद्यार्थी के साथ भेदभाव करेगा, तो उस पर कार्रवाई नहीं होगी। विनियम इस संदर्भ में पूरी तरह स्पष्ट है। किसी भी वर्ग के व्यक्ति द्वारा किया गया जाति-आधारित भेदभाव जांच के दायरे में आएगा। समिति का उद्देश्य किसी को पूर्वाग्रह के आधार पर दोषी ठहराना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करना है। समिति की संरचना भी संतुलित और प्रतिनिधिक रखी गई है। इसमें संस्थान प्रमुख पदेन अध्यक्ष होंगे, वरिष्ठ संकाय सदस्य, कर्मचारी प्रतिनिधि, नागरिक समाज के प्रतिनिधि, छात्र प्रतिनिधि और सचिव शामिल होंगे। साथ ही यह अनिवार्य किया गया है कि समिति में एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांगजन और महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व हो। यह व्यवस्था इसलिए आवश्यक है ताकि निर्णय प्रक्रिया समावेशी और एकतरफा प्रभाव से मुक्त रहे। विरोध का एक और तर्क संभावित 'दुरुपयोग' को लेकर दिया जा रहा है। किंतु यह तर्क स्वयं में कमजोर है। महिलाओं के लिए बने कानूनों, श्रम कानूनों या आतंकवाद विरोधी कानूनों के दुरुपयोग की आशंका के बावजूद उन्हें समाप्त नहीं किया गया। किसी कानून के संभावित दुरुपयोग के डर से न्याय के रास्ते बंद कर देना स्वयं अन्याय को बढ़ावा देना है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जिन समुदायों के विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए यह प्रावधान बनाया गया है, उनमें इसके प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं है। दूसरी ओर, सांस्कृतिक और संस्थागत वर्चस्व रखने वाले वर्ग संगठित रूप से मीडिया, सोशल मीडिया और न्यायिक मंचों पर इसका विरोध कर रहे हैं। यह प्रावधान कोई 'काला कानून' नहीं, बल्कि संविधान में निहित समानता और गरिमा के मूल्यों को व्यवहार में उतारने का प्रयास है। जैसे कार्यस्थलों और शिक्षण संस्थानों में महिलाओं के लिए वूमेन सेल आवश्यक माने जाते हैं, उसी प्रकार जातिगत भेदभाव से पीड़ित वर्गों के लिए यह समिति आवश्यक है। यदि आज इसे कमजोर किया गया, तो भविष्य में फिर किसी रोहित, किसी पायल या किसी दर्शन को इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। वक्त की मांग है कि हम न्याय, समानता और समावेशन के पक्ष में खड़े होकर भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित-समान अवसरों वाले भविष्य सुनिश्चित करें।

आप का नज़रिया

यूजीसी की नई गाइडलाइन और सामाजिक चिंताएं

यूजीसी की नई गाइडलाइन ने पूरे समाज को उद्वेलित कर रखा है। अपने आसपास मैं जहां भी देखता हूं। हर जगह दूसरे मुद्दे गौण हो चुके हैं। केवल UGC की विभाजनकारी नई गाइडलाइन की चर्चा हो रही है। चूंकि भारत का मानस राजनीति की भाषा समझता है। उसे सबसे ज़्यादा राजनीति में ही दिलचस्पी होती है। राजनीति का अपना नफा-नुकसान वाला गुणा-गणित होता है। अपने समीकरण होते हैं जिस आधार पर सभी दल और नेता अपनी बिसात बिछाते रहते हैं। उनकी सत्ता की अपनी मजबूरियां होंगी। ठीक ऐसे ही यूजीसी की नई गाइडलाइन पर चर्चा हो रही है। अलग-अलग तरह के राजनीतिक विश्लेषण हो रहे हैं। मोटा-मोटी मैं कुछ समझ पाया हूँ तो ये कि— इस नई गाइडलाइन में जितने भी आरक्षित वर्ग हैं। उन्हें छोड़कर सामान्य वर्ग में आने वाले स्टूडेंट्स को घोषित तौर पर विलेन बना दिया गया है। अपराधी होने का लेबल चस्पा कर दिया गया है। झूठे आरोपों के बावजूद भी सामान्य वर्ग में आने वाले 'विद्यार्थियों' की अपील-दलील के लिए कोई जगह होगी। कोई सुनवाई नहीं होगी। झूठे आरोपों की प्रताड़ना और मानसिक दबाव झेलने के लिए उनका विद्यार्थी जीवन अभिशप्त होगा। इसके चलते कुछ विशेष समुदायों और वर्गों को मज़ा भी आ रहा होगा कि — क्या अद्भुत दृश्य बना है। देश में हिन्दू होने की जो बड़ी पहचान समाज उभरी थी। अब उस पर डेंट लगेगा। उनकी नई सियासी पटकथाएं लिखी जाएंगी। नए समीकरण तलाशे जाएंगे। कुछ तो अभी से ही खाद-पानी लेकर बैठ गए होंगे। अहा! अब हिंदू समाज को टूटते हुए देखेंगे। हिंदू समाज के वर्गों को आपस में लड़ाएंगे। एक-दूसरे का शत्रु घोषित करेंगे।...वो अपने अभियान में जुट गए हैं और इसे अवसर दिया है यूजीसी की नई गाइडलाइन ने। ये नई गाइडलाइंस भले ही सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के बाद आई हो। कोई भले ये कुतर्क दे कि— अजी उस समिति के चेयरमैन तो दिग्विजय सिंह थे। धोखे में रखकर ये नई गाइडलाइन लागू कर दी गई। सिस्टम ने खेला कर दिया। तो साहेब आपके सांसद उस समिति में घास छीलने के लिए बैठे थे? अगर सिस्टम और यूजीसी जैसी नियामक संस्थाओं पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है। फिर नियंत्रण किस चीज़ में है? समिति में शामिल सांसद- मीटिंग के नाम पर केवल चाय-नाश्ता पार्टियां ही करते हैं कुछ पढ़ते नहीं हैं क्या? अधिकारियों के ड्राफ्ट पर अगर सिग्नेचर ही करते हैं तो इन्हें सांसद रहने का अधिकार है क्या? वहीं जब हर सकारात्मक परिवर्तन का क्रेडिट आप लेते हैं तो ऐसे में ग़लत चीज़ों को स्वीकार भी करने का साहस होना चाहिए। ख़ैर मुझे ये भी लगता है कि— देर सबेर ये गाइडलाइन बदलेगी। लेकिन यूजीसी की ये गाइडलाइन अंग्रेजों के 'रॉलेट एक्ट' और Criminal Tribes Act, 1871 जैसी है। जो भारत की आत्मा पर प्रहार कर रही है। संविधान निर्माताओं की भावना पर कुठाराघात कर रही है। मौलिक अधिकारों के अनुच्छेद - 14 , 15 , 16 और अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करती है। 'सा विद्या या विमुक्तये' की भारतीय दृष्टि को नष्ट करती है। भेदभाव से मुक्ति के स्थान पर शिक्षा के संस्थानों में ही— भय, दबाव, मानसिक यन्त्रणा और वर्ग के आधार पर भेदभाव निर्मित करेगी। जो हमारे संविधान की मूल भावना के पूरी तरह से विरोध में है। विद्यार्थी जीवन को जंजीरों की जकड़न वाला बना देगी। ये गाइडलाइन सरकारी संस्थानों में अनुदान को समाप्त करते हुए — निजीकरण को बढ़ावा देगी। दूसरी ओर मेरी चिंताएं व्यापक सामाजिक पहलुओं को लेकर बहुत ज़्यादा हैं। हम जिस पूरे समाज को अपना समाज मानते हैं। अपने बंधु-बांधव मानकर दैनंदिन जीवन में रहते हैं। एक-दूसरे के सुख-दुःख के साथी बनते हैं। हर तरह के भेदभाव को दूर करते हुए सामाजिक समरसता, सद्भाव के साथ आगे बढ़ते हैं। जहां भी भेदभाव हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। कांधे से कांधा मिलाकर अपनी संस्कृति, अपनी परंपराओं के आदर्शों का पालन करते हुए — देश और समाज की तरक्की के लिए काम करते हैं। यूजीसी की ये विभाजनकारी नई गाइडलाइन—हमारे उसी सामाजिक जीवन में दरारें डालने का काम करने वाली है। ये ठीक वैसे ही है जैसे भाई को भाई से लड़ा दिया जाए। इसके चलते पूरा समाज आज एक अलग तरह के मनोवैज्ञानिक दबाव और वैचारिक संघर्ष में फंसा हुआ दिख रहा है । क्रिया और प्रतिक्रिया के भिन्न-भिन्न अनुभव और पीड़ादायक-कटु अनुभव देखने को मिल रहे हैं। जो हमारे स्वस्थ समाज में विचलन पैदा कर रहे हैं। कुछ लोग तो आग में घी डालने के लिए बैठे ही हुए हैं कि—कहीं कोई असावधानी का अप्रिय प्रसंग आए। फिर वो भावनाओं को टूल बनाकर हर ओर अशांति का वातावरण निर्मित कर दें।

राजनीति का अपना नफा-नुकसान वाला गुणा-गणित होता है। अपने समीकरण होते हैं जिस आधार पर सभी दल और नेता अपनी बिसात बिछाते रहते हैं। उनकी सत्ता की अपनी मजबूरियां होंगी। ठीक ऐसे ही यूजीसी की नई गाइडलाइन पर चर्चा हो रही है। अलग-अलग तरह के राजनीतिक विश्लेषण हो रहे हैं। मोटा-मोटी मैं कुछ समझ पाया हूँ तो ये कि— इस नई गाइडलाइन में जितने भी आरक्षित वर्ग हैं। उन्हें छोड़कर सामान्य वर्ग में आने वाले स्टूडेंट्स को घोषित तौर पर विलेन बना दिया गया है। अपराधी होने का लेबल चस्पा कर दिया गया है। झूठे आरोपों के बावजूद भी सामान्य वर्ग में आने वाले 'विद्यार्थियों' की अपील-दलील के लिए कोई जगह होगी। कोई सुनवाई नहीं होगी। झूठे आरोपों की प्रताड़ना और मानसिक दबाव झेलने के लिए उनका विद्यार्थी जीवन अभिशप्त होगा। इसके चलते कुछ विशेष समुदायों और वर्गों को मज़ा भी आ रहा होगा कि – क्या अद्भुत दृश्य बना है। देश में हिन्दू होने की जो बड़ी पहचान समाज उभरी थी। अब उस पर डेंट लगेगा। उनकी नई सियासी पटकथाएं लिखी जाएंगी। नए समीकरण तलाशे जाएंगे। कुछ तो अभी से ही खाद-पानी लेकर बैठ गए होंगे।

दृष्टि कोण

एफटीए से यूरोप-भारत व्यापार को बूस्टर डोज़

बिना एफटीए के भी यूं तो यूरोपीय देशों से भारत का व्यापार दशकों से होता आ रहा है। लेकिन, ऐसा माना गया कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होने से इसे बूस्टर डोज़ मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया एनर्जी वीक का वर्चुअली उद्घाटन करते हुए कहा, 'ईयू-इंडिया एफटीए सभी सौदों की जननी है। यह सौदा यूके और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौतों का पूरक है। भारत में कपड़ा, रत्न, आभूषण, चमड़ा और जूट जैसे विभिन्न क्षेत्रों को इस व्यापार समझौते से फायदा होने वाला है।' पीएम मोदी ने कहा कि यह डील भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को मजबूत करेगी, और सर्विस सेक्टर को नया सहारा देगी। वर्ष 2007 में शुरू हुई वार्ता प्रक्रिया का समापन देर-सवेर हुआ ही। मनमोहन सिंह से आरम्भ वार्ता को मोदी ने अंजाम दिया। यहां तक पहुंचने में 19 साल लगे। लेकिन रुकिए, अभी बहुत कुछ होना बाक़ी है। सभी यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की भाषाओं में एफटीए के कानूनी दस्तावेज़ों को प्रकाशित करना होगा। सभी धाराओं की एक-एक करके जांच होगी, जिसे 'लीगल स्क्रबिंग' कहते हैं, यूरोपीय परिषद द्वारा औपचारिक मंज़ूरी के बाद, यूरोपीय संसद की सहमति चाहिए, इसके प्रकारांतर भारतीय कैबिनेट द्वारा पुष्टि होगी। इन सबसे गुज़रने के बाद, 2027 तक इसके लागू होने की उम्मीद है। मंगलवार को यूरोपियन कमीशन की प्रतिक्रिया ग़ौर करने लायक है— 'इस डील से ईयू कंपनियों और किसानों को ज़्यादा निर्यात करने में मदद मिलेगी। इस डील से पहले ही आठ लाख यूरोपीय नौकरियों को सपोर्ट मिलता रहा है। अब एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी से, और भी ज़्यादा यूरोपीय नौकरियां मिल सकती हैं।' यूरोपियन कमीशन का सन्देश था, 'उम्मीद है कि यह समझौता भारत को होने वाले ईयू एक्सपोर्ट को दोगुना कर देगा। इसके अलावा, भारतीय सर्विस मार्केट तक बेहतर पहुंच, खासकर फाइनेंशियल सर्विसेज़, मैरीटाइम सर्विसेज़ और दूसरे मुख्य सेक्टर्स में, नए बिज़नेस और रोज़गार

के अवसर पैदा करेगी।' यूरोपीय आयोग ने जानकारी दी, कि इस डील से 90 फीसद से ज़्यादा यूरोपीय संघ के देशों के सामानों के एक्सपोर्ट टैरिफ खत्म, या कम कर दिया जाएगा। इससे यूरोपीय प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में हर साल अरबों यूरो तक की बचत होगी। यूरोपियन कमीशन ने कहा, 'भारत ने किसी भी व्यापारिक सहकार को इतनी बड़ी ट्रेड ओपनिंग नहीं दी है। इससे एक्सपोर्ट को तेज़ और आसान बनाने के लिए कस्टम प्रक्रियाओं को सहज बनाया जायेगा।' 27 जनवरी को डील के तुरंत बाद यूरोपियन कमीशन ने आधिकारिक जानकारी दी कि भारत ईयू को टैरिफ में ऐसी छूट देगा, जो उसके किसी भी दूसरे ट्रेडिंग पार्टनर को नहीं मिली है, जिससे ईयू एक्सपोर्ट के लिए भारतीय बाजार में पहुंच बहुत आसान हो जाएगी। उदाहरण के लिए, कारों पर टैरिफ धीरे-धीरे 110 प्रतिशत से घटकर 10 फीसद हो जाएगा, जिसमें हर साल 250,000 गाड़ियों का कोटा होगा। मशीनरी पर 44 प्रतिशत, केमिकल्स पर 22 परसेंट और फार्मास्यूटिकल्स पर 11 प्रतिशत तक के ऊंचे टैरिफ को ज़ीरो पर ले आया जाएगा। टैरिफ एक टैक्स है, जो कोई देश अपने यहां विदेश से आयात होने वाले समान पर लगाता है। इससे विदेश से आने वाला सामान महंगा हो जाता है, और जिस देश में सामान आता है, उसे टैक्स से आय होता है। यूरोपियन कमीशन ने अपनी वेबसाइट पर एक चार्ट के ज़रिये सारा गणित समझाया है। कमीशन ने वर्ष 2024 को आकलन का आधार बनाया, जिसमें मशीनरी और इलेक्ट्रिकल उपकरण पर 16.3 बिलियन यूरो बतौर टैरिफ देने पड़े थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्वाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे।परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। आज के दिन क़िस्मत आपका साथ देगी और आपको लाभ होगा, क्योंकि आप सही समय पर सही जगह उपस्थित होंगे। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए समय अनुकूल नहीं हैं आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। आपके घर का कोई सदस्य आज आपके साथ वक्त बिताने की जिद्द कर सकता है जिसके कारण आपका कुछ समय खराब हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। लोगों और उनके इराद े के बारे में जल्दबाज़ी में फ़ैसला न लें। हो सकता है कि वे दबाव में हों और उन्हें आपकी सहानुभूति व विश्वास की ज़रूरत हो। लंबित व्यावसायिक योजनाएँ शुरू होंगी। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और . जरूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। लगता है कि आपके विरष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। निर्णय लेते समय अपने अहम को बीच में न आने दें, अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की बात पर ग़ौर फ़रमाएँ। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल–ए–तारीफ़ है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 जनवरी 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 11:11 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 03:28 तक
योग : वैधृति सायं 04:58 तक
करण : बालव प्रातः 11:11 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 06:10 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:19 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:11 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:02 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , कल्पादि तिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्थान एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर पोषण वाटिकाएँ विकसित करेंगे : दिया कुमारी

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्थान एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर पोषण वाटिकाएँ विकसित करेंगे। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020–21 एवं 2021–22 में पोषण अभियान के अंतर्गत नवाचार के रूप में प्रदेश में पोषण वाटिकाएँ विकसित की गई थीं तथा वर्तमान में भी केंद्र सरकार के सहयोग से यह कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों एवं राज्य मद से विकसित किये जा रहे आदर्श आगनबाड़ी केंद्रों पर स्थान की उपलब्धता के अनुसार पोषण वाटिकाएँ विकसित की जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में 107 सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों एवं 242 आदर्श आगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिकाएँ विकसित की जा चुकी हैं। अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी स्थान एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर पोषण वाटिकाएँ विकसित की जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य संदीप शर्मा द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में समय–समय पर वृद्धि की जाती रही है। इसके साथ ही केंद्र सरकार के स्तर पर भी मानदेय एवं अन्य मदों में देय राशि में वृद्धि के लिए राज्य द्वारा अनुरोध किया जाता है एवं राज्य की ओर से भिजवाए जाने वाले एनुअल प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन प्लान में भी आवश्यकतानुसार इस राशि में वृद्धि सम्बन्धी प्रस्ताव भिजवाए जाते है।

इससे पहले विधायक संदीप शर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा कि कोटा जिले में वर्तमान में 1312 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं, इनमें से 280 आंगनबाड़ी केन्द्र महिला एवं बाल विकास विभाग के भवनों में, 502 किराये के भवनों में एवं 530 अन्य राजकीय व निजी निःशुल्क भवनों में संचालित हैं।जिले में 727 आंगनबाड़ी केन्द्र एक कमरे में संचालित हो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पोषण अभियान में नवाचार के तहत वित्तीय वर्ष–2020–21 में 7686 तथा वित्तीय वर्ष 2021–22 में 6465 आंगनबाडी केन्द्रों पर पोषण वाटिकायें विकसित की गई। उन्होंने इनका जिलेवार विवरण सदन के पटल पर रखा। पोषण वाटिका विकसित किये जाने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय में ताजा एवं हरी सब्जियों के प्रति जागरूकता लाना, संतुलित आहार, कुपोषण कम करने एवं बच्चों को साइट विजिट के माध्यम से विभिन्न कृषि तकनीकों के संबंध में ज्ञान संवर्धन करना है। पोषण वाटिकायें विकसित करने के संबंध में जारी किये गए दिशा–निर्देश की प्रति उन्होंने सदन के पटल पर रखी।

उन्होंने बताया कि आंगनबाडी केन्द्रों पर खेल मैदान बनाने के संबंध में विभाग द्वारा कोई भी योजना नहीं चलायी गई है। उन्होंने प्रदेश में वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को देय मानदेय का विवरण एवं विगत पांच वर्षों में इनके मानदेय में की गयी वृद्धि का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने जानकारी दी कि आंगनबाड़ी केन्द्र के संचालन के लिए आवश्यक दैनिक सामग्री क्रय हेतु कार्यालय व्यय (आंगनबाडी आवर्तक) उपमद अंतर्गत केंद्र सरकार के नॉर्म्स के अनुसार 2000/– प्रति केन्द्र प्रतिवर्ष, विद्युत बिलों के भुगतान हेतु 500/– प्रति केन्द्र प्रतिमाह एवं मरम्मत के लिए 3000/– प्रति केन्द्र प्रतिवर्ष के हिसाब से राशि परियोजना कार्यालयों के माध्यम से उपलब्ध करवायी जाती है।

इसके अतिरिक्त आंगनबाडी केन्द्र संचालन हेतु भारत सरकार द्वारा अनुमोदित एपीआईपी/बजट प्रावधानों के अंतर्गत प्री–स्कूल किट, मेडीसिन किट, आंगनबाडी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के लिए यूनिफॉर्म, ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस, मोबाईल फोन, डेटा प्लान हेतु समय–समय पर परियोजना अधिकारियों को राशि/सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। इस राशि में वृद्धि केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित एपीआईपी एपीआईपी/बजट प्रावधानों के अनुसार की जाती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में पीएमश्री विद्यालय बन रहे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रतीक

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से सुनहरे भविष्य निर्माण की नींव रख रही है। इसी दिशा में प्रदेश के पीएमश्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) विद्यालय विद्यार्थियों को स्मार्ट कक्षाओं, प्रशिक्षित शिक्षकों, नवाचारों, गतिविधि–आधारित शिक्षण और मूल्य आधारित अनुशासन के साथ शैक्षणिक रूप से सक्षम बना रहे हैं। ये विद्यालय 'उत्कृष्ट प्रबंधन' की अवधारणा पर आधारित हैं, जहां विद्यार्थियों को व्यावहारिक वातावरण एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इन विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) योजना के तहत राजस्थान में कुल 639 विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। पहले चरण में 402 और दूसरे चरण में 237 विद्यालयों में भवनों का कायाकल्प और आधुनिकीकरण करते हुए आधारभूत संसाधनों का विस्तार किया गया है। इन सभी 639 पीएमश्री विद्यालयों में बाल वाटिकाएं संचालित की जा रही हैं। प्रथम चरण के अंतर्गत विद्यालयों में अंश, अनमोल एवं आलोक वर्कबुक, चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर की व्यवस्था की गई है। सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों को भी शिक्षा प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो। इन बाल वाटिकाओं में एनटीटी शिक्षकों एवं सहायक कर्मियों का भी प्रावधान किया गया है।

प्रदेश में हुक्काबार और नशाखोरी के विरुद्ध हो रही सख्त कार्रवाई : बेढ़म

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में हुक्काबार और नशाखोरी पर निरन्तर सख्त कार्रवाई कर रही है। प्रदेश में सभी प्रकार के अवैध मादक पदार्थों हुक्का आदि की रोकथाम के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर नश–ाखोरी को खत्म करने की दिशा प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। गृह राज्य मंत्री बेढ़म प्रश्नकाल के दौरान सदस्य राम सहाय वर्मा द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में पुलिस द्वारा निरंतर कोटपा (उजढझ) एक्ट में हुक्का बार संचालकों के खिलाफ निरन्तर कार्रवाई की जा रही है। जिस मकान या स्थान में हुक्काबार संचालित पाये जाते हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा कानून सम्मत कार्रवाई कर अपराधियों को निरुद्ध करने का काम किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया इस तरह की अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर कोटपा एक्ट के तहत कठोर कारवाई की जाएगी। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2022 में 55 हजार 326 तथा वर्ष 2023 में 25 हजार 885 हुक्का बार और अवैध गतिविधियां के मामले सामने आए थे। उस समय हुक्का बार और अवैध गतिविधियां चरम पर थीं। वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2024 तथा 2025 में पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप इस दौरान हुक्का बार और अवैध गतिविधियां के मामले घटकर 12 हजार 598 पर आ गए।

इससे पहले विधायक वर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने बताया कि टोंक में पुलिस द्वारा 1 जनवरी 2023 से 3 दिसम्बर,2025 तक अवैध हुक्का बार पर कुल 5 कार्रवाइयां की गई हैं।

यूजीसी समानता विनियम–2026 को लेकर अग्रवाल वैश्य समाज ने जताई आपत्ति, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

गुरूग्राम, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किए जा रहे यूजीसी समानता विनियम–2026 को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक स्वागत योग्य है। इसी कड़ी में अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा ने इन विनियमों पर गंभीर आपत्ति जताते हुए इसे भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत बताया है। समाज की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत ज्ञापन भेजकर इन प्रावधानों पर पुनर्विचार की मांग की गई है। इस मुद्दे पर अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा कि यूजीसी समानता विनियम–2026, संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का खुले तौर पर उल्लंघन करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन नए नियमों से उच्च शिक्षण

संस्थानों में जातिगत विभाजन को बढ़ावा मिलेगा और सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के अधिकारों का हनन होगा। बुवानीवाला ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सामाजिक न्याय होना चाहिए, लेकिन ऐसे नियम जो किसी एक वर्ग के अधिकारों को कमजोर करें, वे न तो न्यायसंगत हैं और न ही देशहित में। ज्ञापन में यूजीसी समानता विनियम–2026 के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर विशेष आपत्ति जताई गई है। इनमें सबसे अहम बिंदु यह है कि आरक्षित वर्ग के विद्यार्थी बिना ठोस प्रमाण के सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

समाज का कहना है कि यदि बिना किसी साक्ष्य के शिकायत दर्ज कर किसी विद्यार्थी या शिक्षक का भविष्य प्रभावित किया गया, तो यह गंभीर अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के नियम सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को मानसिक दबाव और असुरक्षा की स्थिति में डाल देंगे। बुवानीवाला ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों के तहत हर उच्च शिक्षण संस्थान में समान अवसर केंद्र का गठन अनिवार्य किया गया है। इस केंद्र की 10 सदस्यीय समिति में एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग और महिला प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा, लेकिन सामान्य वर्ग के लिए किसी भी प्रकार का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं किया गया है।

कुष्ठ रोगियों के साथ भेदभाव खत्म करें गरिमा सुनिश्चित करें : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश के लोगों से आह्वान किया कि कुष्ठ रोगियों के साथ भेदभाव खत्म करें तथा उनकी गरिमा सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान कल 30 जनवरी से शुरू होकर 13 फरवरी तक चलेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि 30 जनवरी के अवसर पर उनको नमन करते हुए कहा कि महात्मा गांधी को कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों के प्रति गहरा प्यार और करुणा थी। उनका मानना था कि कुष्ठ रोग न तो कोई अभिशाप है और न ही कोई पाप, बल्कि यह एक आम बीमारी है। इसलिए, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सेवाग्राम आश्रम में कुष्ठ रोगियों की सेवा की, उनके घावों की देखभाल की, और उनके साथ रहे, ताकि समाज यह समझ सके कि हमें बीमारी से लड़ना है, रोगी से नहीं। आरती सिंह राव ने बताया कि स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान वर्ष 2017 से हर साल राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है। हर साल, भारत सरकार इस अभियान के लिए एक खास थीम तय करती है। वर्ष 2026 की थीम है भेदभाव खत्म करें, गरिमा सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा, कुष्ठ रोग के बारे में सही जानकारी की कमी के कारण, समाज में इस बीमारी के बारे में कई गलतफहमियां अभी भी मौजूद हैं। इन गलतफहमियों को दूर करने और जागरूकता फैलाने के लिए, स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी से 13 फरवरी 2026 तक चलाया जा रहा है।

कमजोर विदेश नीति के चलते देश की अर्थव्यवस्था पर हो रहा चौतरफा प्रहार : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि कमजोर विदेश नीति के चलते देश की अर्थव्यवस्था पर चौतरफा प्रहार हो रहा है। ऐसे में महत्त्वपूर्ण है कि बजट देश के आम आदमी को नजर में रखते हुए उन्हें राहत देने वाला होना चाहिए। देश के इतिहास में आज डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत सबसे कमजोर है। देश के इतिहास में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। ऐसे में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आगामी बजट देश के आम आदमी को ध्यान में रखकर बनाया जाए और उन्हें राहत प्रदान करे। आज पूरे देश में किसान–मजदूर कराह रहे हैं, इसलिए देश को एक अच्छे बजट की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गरीब और अमीर के बीच की खाई बढ़ी है, पिछले 10 साल में 16 लाख करोड़ के कर्ज माफ हुए, देश की अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा मोनोपॉली ड्योपॉली प्राइवेट सेक्टर को दी गई। दीपेन्द्र हुड्डा ने उम्मीद जताई कि बजट में हरियाणा के हक को हमेशा की तरह नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और केंद्र सरकार उन पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि संसद के बजट सत्र में हर वर्ग से जुड़े मुद्दों को उठायेंगे। उन्होंने मांग करी कि आगामी 1 फरवरी को पेश होने जा रहे बजट में उनके द्वारा मंजूर कराई गई बड़ी परियोजनाओं जैसे महम में अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, गोहाना में रेल कोच फैक्ट्री, खखचड बाढ़सा में मेडिकल कॉलेज समेत 11 राष्ट्रीय संस्थान, गुड़गांव में इंडियन नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी आदि सभी लंबित परियोजनाओं के लिए पर्याप्त बजट देकर उनका काम आगे बढ़ाया जाए। कांग्रेस

सरकार के समय हरियाणा में 88 घा. मेट्रो का विस्तार हुआ, लेकिन 12 साल से एक इंच भी मेट्रो विस्तार नहीं हुआ, उस मेट्रो को भी आगे बढ़ाया जाए। कॉमनवेल्थ खेल 2030 की सह–मेजबानी के लिए हरियाणा को चयनित किया जाए। भारत सरकार द्वारा गुजरात में घोषित कॉमनवेल्थ खेल 2030 व ओलंपिक 2036 का मेजबान या सह–मेजबान राज्य हरियाणा को बनाया जाए। कॉमनवेल्थ खेल 2030 व ओलंपिक 2036 में हरियाणा को कम से कम को–होस्ट राज्य बनाने से लाखों करोड़ के बजट में से हरियाणा के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी खर्च होगा, खेल ढांचे में सुधार होगा। दीपेन्द्र हुड्डा ने आगामी बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, खेल, रक्षा बजट बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सरकार की सिफारिश को सरकार ही नहीं मान रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए नेशनल हेल्थ पॉलिसी की सिफारिश है कि जीडीपी का 2.5% हेल्थ को दिया जाए, लेकिन सरकार 1.4% बजट ही दिया। इसी तरह शिक्षा में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी कहती है कम से कम जीडीपी का 6% शिक्षा को दिया जाए, लेकिन सरकार 4.5% ही दे रही। अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में नेशनल साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन पॉलिसी के अनुसार जीडीपी का 2% ठऊ पर खर्च होना चाहिए पर सरकार केवल 0.6% ही खर्च के लिए दे रही है। स्टैंडिंग कमिटी ऑफ डिफेंस बार–बार कह रही है कि कम से कम जीडीपी का 3% डिफेंस को दिया जाए। मगर सरकार डिफेंस में 1.9% ही बजट दे रही है। जो 1962 के बाद, सबसे कम बजट है। 1962 से हमारा डिफेंस बजट हमेशा 2% से ऊपर रहा। जहां तक व्यापार घाटे का सवाल है 2025 के अक्टूबर में यह घाटा 41.7 बिलियन डॉलर्स रिकार्ड हुआ जो 78 साल का सबसे ज्यादा है। जीडीपी का करंट अकाउंट डेफिसिट आज 1.3% है। देश–प्रदेश की सरकारों पर आज तक इतना कर्जा नहीं चढ़ा, आज जीडीपी का 82% कर्ज है।

जिला कलेक्टर हरिता ने विकास कार्यों को 15 मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए

आसिफाबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले की जिला कलेक्टर श्रीमती के. हरिता ने कहा है कि जिले में चल रहे सभी विकास कार्य 15 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूरे कर लिए जाएं।

गुरुवार को एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने ग्रामीण विकास अधिकारियों, इंजीनियरिंग अधिकारियों, वन विभाग के अधिकारियों, मंडल परिषद विकास अधिकारियों, मनरेगा एपीओ और सीआरएफ एपीएम के साथ विस्तृत चर्चा की।

श्रीमती हरिता ने निर्देश दिए कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत चल रहे कार्यों में स्कूलों में शौचालय, ग्राम पंचायत कार्यालय भवन, आंगनबाड़ी भवन, रसोई निर्माण, सीसी रोड, खाद्यान्न भंडारण गोदाम तथा ग्राम संघ भवनों का निर्माण कार्य 15 मार्च तक पूरा किया जाए।

उन्होंने बताया कि जिले में 222 ग्राम संघ भवनों के

निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसमें रिकॉर्ड रखने और बिल जमा करने के लिए 10 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, प्रत्येक मंडल में एक-एक खाद्यान्न भंडारण गोदाम 30 लाख रुपये की लागत से बनवाया जाएगा। जिले के 15 मंडलों में कुल 15 ऐसे गोदामों का निर्माण प्रस्तावित है।कलेक्टर ने कहा कि यदि कहीं मुखिया पहचान (आधार सीडिंग या अन्य) की समस्या आ रही हो तो स्थानीय तहसीलदार से समन्वय कर उसे तुरंत हल किया जाए। ग्राम पंचायतों में सरपंचों के सहयोग से कार्यों में तेजी लाई जाए।

सं पूर्ण अभियान 2.0 के अंतर्गत बालिकाओं के लिए विशेष अस्पतालों के निर्माण पर भी जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य में समस्या आने पर उन्हें सीधे सूचित किया जाए। अधिकारियों को आपसी समन्वय से जोनवार प्रगति की समीक्षा करने और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कर उपयोग में लाने का निर्देश दिया।बैठक में जिला कल्याण अधिकारी, पंचायत राज कार्यकारी अभियंता धर्मेंद्र, विभिन्न इंजीनियरिंग अधिकारी, मंडल परिषद विकास अधिकारी, मनरेगा एपीओ और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन का प्रयास है कि समयबद्ध तरीके से ये कार्य पूरे होकर ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार हो।

यादगिरीगुट्टा मंदिर में सोने-चांदी के डॉलर गायब! ऑडिट में सामने आईं गड़बड़ियां, जांच शुरू

यादगिरीगुट्टा, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर, यादगिरीगुट्टा (यादाद्री) में सोने और चांदी के डॉलर गायब होने की घटना से सनसनी फैल गई है। मंदिर के प्रचार विभाग (पब्लिसिटी डिपार्टमेंट) में भक्तों को बेचने के लिए रखे गए इन मूल्यवान सिक्कों की कमी हालिया आंतरिक ऑडिट के दौरान सामने आई।

ऑडिट अधिकारियों ने मंदिर के स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक मौजूदगी की जांच में पाया कि रिकॉर्ड में दर्ज सोने-चांदी के डॉलरों की संख्या से मेल नहीं खा रही है।

इन डॉलरों पर स्वामी की तस्वीर अंकित है और इनकी बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। कुछ रिपोर्टों में कुल मूल्य 22 लाख रुपये तक का उल्लेख है, जबकि अन्य में 10 लाख रुपये के आसपास की बात कही गई है।

मंदिर प्रशासन ने इस गड़बड़ी पर गंभीरता दिखाते हुए जांच के आदेश दिए हैं। प्रारंभिक जांच में स्टाफ की लापरवाही या गैर-जिम्मेदाराना रवैये को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, हालांकि ठगी की आशंका भी जताई जा रही है। भक्तों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अभी तक मंदिर अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह घटना मंदिर की प्रतिष्ठा और भक्तों के विश्वास पर सवाल खड़े कर रही है। प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद उचित कदम उठाए जाएंगे।

यादगिरीगुट्टा मंदिर तेलंगाना का प्रमुख धार्मिक केंद्र है, जहां लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी घटनाओं से मंदिर प्रबंधन में पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की आवश्यकता बढ़ गई है।

मंचेरियाल सरकारी अस्पताल में सुरक्षा गार्डों पर हमले का विरोध

डॉक्टरों ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

मंचेरियाल, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल के सरकारी जनरल अस्पताल के आपातकालीन विभाग में ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्डों पर हुए हमले के विरोध में डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया। उन्होंने हमलावरों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग की है।गुरुवार को डॉक्टरों और कर्मचारियों द्वारा गठित संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्यों ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। समिति ने तेलंगाना चिकित्सा सेवा व्यक्ति अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर हमलावरों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की।डॉक्टरों ने अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए कई मांगें रखीं, जिनमें एक समर्पित पुलिस चौकी की स्थापना, निगरानी बढ़ाने के लिए अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाना और चिकित्सा एवं सहायक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। यह घटना अस्पताल में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा की कमी को लेकर चिंता बढ़ा रही है। डॉक्टरों और कर्मचारियों का कहना है कि ऐसे हमलों से स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ता है और कार्यस्थल पर सुरक्षा आवश्यक है।पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई शुरू कर दी है और जांच जारी है। अस्पताल प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों से भी सुरक्षा उपायों को लागू करने की अपील की गई है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समुचित कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

सम्मक्का-सरलम्मा मिनी वेदियों पर हजारों श्रद्धालु एकत्र, गोदावरी किनारे उमड़ी भारी भीड़

मंचेरियाल, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के विभिन्न हिस्सों में गोदावरी नदी के किनारे स्थापित सम्मक्का-सरलम्मा देवियों की लघु वेदियों (मिनी मंदिरों या गद्देलों) पर हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े हैं। मुख्य मेडाराम जतारा के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर आयोजित इन मिनी जतारों में शहर के साथ-साथ आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं, जिससे लंबी-लंबी कतारें लग गई हैं।

श्रद्धालु देवियों की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। अधिकांश ने बोनम (भोजन) के रूप में बेल्लम (गुड़) या बंगारम चढ़ाया, जबकि कई ने अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति या कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में मुर्गियां, भेड़ें आदि बलि के रूप में अर्पित कीं। पूजा के बाद परिवार और मित्रों के साथ सामूहिक भोजन किया जा रहा है।

परंपरा के अनुसार, दर्शन से पहले श्रद्धालुओं ने गोदावरी नदी में स्नान किया। इसके बाद उन्होंने मेले में बच्चों के लिए खिलौने खरीदे और कम से कम एक दिन के

लिए पवित्र स्थलों पर अस्थायी तंबुओं में डेरा डाला। श्रद्धालु ट्रॉलियों, जीपों, ऑटो-रिक्शा, बैलगाड़ियों, मोटरसाइकिलों और कारों सहित विभिन्न साधनों से पहुंचे, जिससे गोदावरी के शांत किनारे जीवंत हो उठे हैं।

इससे पहले गुरुवार दोपहर को आदिवासी पुरोहितों ने विधिवत सम्मक्का देवी को जंगल से वेदी तक लाया, जबकि सरलम्मा देवी की स्थापना बुधवार को की गई। बुधवार शाम को देवताओं को जंगल से वेदी तक जीवंत जुलूस में ले जाया गया, जिसमें श्रद्धालु ढोल-तुरही की थाप पर नृत्य करते रहे।मंचेरियाल नगर निगम ने मेले के सुचारू संचालन के लिए अस्थायी शौचालय, स्नानघर, छाया स्वास्थ्य केंद्र, 108 एम्बुलेंस, कतार प्रबंधन और पार्किंग स्थल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

इसी बीच, रामकृष्णपुर की आरके-1 खदान, श्रीरामपुर के मुक्कीडी पोचम्मा मंदिर परिसर, बेल्लमपल्ली थंदूर तथा मंडल मुख्यालय के बाहरी इलाकों में स्थापित इसी प्रकार की लघु वेदियों पर भी कोयला खनिकों और ग्रामीणों की बड़ी भीड़ उमड़ रही है। ये वेदियां विशेष रूप से खनिकों और ग्रामीणों की सुविधा के लिए बनाई गई हैं।

यह उत्सव मेडाराम सम्मक्का-सरलम्मा महा जतारा (28-31 जनवरी 2026) की भावना को स्थानीय स्तर पर जीवंत रख रहा है, जहां आदिवासी संस्कृति, भक्ति और सामुदायिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

मंचेरियाल निगम के 58वें डिवीजन से कांग्रेस नेता बीआरएस में शामिल, कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

मंचेरियाल, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल नगर निगम के 58वें डिवीजन से कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता अप्पासु सिरिशा और श्रीकांत ने आज अपने समर्थकों के साथ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए।

इन नेताओं ने कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा न करने और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के शासन को खराब बताते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों और प्रदर्शन से जनता निराश है, जिसके कारण वे बीआरएस में शामिल हुए हैं। कार्यक्रम में मंचेरियाल के पूर्व विधायक नादेल्ली दिवाकर राव और बीआरएस पार्टी के प्रदेश नेता नादेल्ली विजय कुमार ने पार्टी की शॉल ओढ़ाकर उनका हार्दिक स्वागत किया। दोनों नेताओं ने नए सदस्यों की पार्टी में शामिल होने को स्वागतयोग्य बताया और कहा कि यह बीआरएस की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है।

यह घटना नगर निगम चुनावों से पहले राजनीतिक गतिविधियों को तेज कर रही है, जहां बीआरएस विपक्षी दल के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। कांग्रेस नेताओं के इस पलायन से स्थानीय स्तर पर पार्टी को झटका लगा है। बीआरएस नेताओं का दावा है कि ऐसे और भी कई नेता जल्द ही पार्टी में शामिल हो सकते हैं, जबकि कांग्रेस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

वामपंथी दल नगर निगम चुनावों से दूर रहने की संभावना!

मंचेरियाल, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी नगर निगम चुनावों को लेकर वामपंथी दलों में स्पष्टता की कमी बनी हुई है। सीपीएम (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी) के नेताओं ने चुनाव लड़ने की घोषणा तो कर दी है, लेकिन अभी तक उम्मीदवारों के चयन पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। वहीं, सीपीआई (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया) की ओर से चुनाव में भागीदारी को लेकर कोई आधिकारिक संकेत या बयान सामने नहीं आया है।

सूत्रों के अनुसार, वामपंथी दल सत्ताधारी कांग्रेस, मुख्य विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ किसी प्रकार के गठबंधन या समर्थन पर अभी तक कोई विचार-विमर्श नहीं कर पाए हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि वामपंथी दल इस बार नगर निगम चुनावों से दूरी बनाए रख सकते हैं या सीमित स्तर पर ही भागीदारी कर सकते हैं, क्योंकि उनकी संगठनात्मक ताकत स्थानीय स्तर पर कमजोर है और संसाधनों की कमी भी एक बड़ा कारण है।नामांकन प्रक्रिया की अंतिम तिथि नजदीक आते ही वामपंथी दलों का रुख स्पष्ट होना बाकी है। यदि वे चुनाव लड़ते हैं, तो उम्मीदवारों की सूची जल्द जारी होने की संभावना है, अन्यथा वे चुनाव से पूरी तरह दूर रहकर अन्य राजनीतिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।यह स्थिति तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों में वामपंथी दलों की रणनीति और उनकी मौजूदा राजनीतिक स्थिति को दर्शाती है, जहां वे बड़े दलों के मुकाबले अपनी अलग पहचान बनाने में संघर्षरत हैं।

कलेक्टर हरिता ने किया जिला कार्यालयों का औचक निरीक्षण, कर्मचारियों की उपस्थिति पर सख्ती

आसिफाबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले की जिला कलेक्टर श्रीमती के. हरिता ने गुरुवार को जिला समाहरणालय (कलेक्ट्रेट) परिसर में विभिन्न विभागों का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल कल्याण विभाग, जिला कोषागार, मुख्य योजना अधिकारी (सीपीओ) कार्यालय, नागरिक आपूर्ति कार्यालय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा राजस्व विभाग के कार्यालयों का औचक दौरा किया। कलेक्टर ने व्यक्तिगत रूप से इन सभी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की और समय पर ड्यूटी पर न पहुंचने वाले कर्मचारियों का विवरण संबंधित अधिकारियों से मांगा।

श्रीमती हरिता ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी और कर्मचारी समय का पालन करें, अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण दिखाएं तथा सरकारी कार्यालयों में आने वाले नागरिकों के साथ धैर्यपूर्वक और शालीन व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सेवा का भाव बनाए रखना हर कर्मचारी का दायित्व है।

कलेक्टर का यह औचक निरीक्षण जिले में सरकारी कार्यालयों में अनुशासन, समयबद्धता और जन-केंद्रित सेवाओं को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में भी ऐसी अनियमितताओं पर सख्ती बरती जाएगी।

मेडाराम जतारा: नासपुर श्रीरामपुर बस स्टैंड पर चिकित्सा शिविर में श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सलाह

मंचेरियाल, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुलुगु जिले के मेडाराम में आयोजित प्रसिद्ध सम्मक्का-सरलम्मा जतारा (मेडाराम जतारा) के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु नासपुर श्रीरामपुर बस स्टैंड पर विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया है। इस शिविर में जिला जनसंचार अधिकारी बुक्का वेंकटेश्वर ने जागरूकता कार्यक्रम चलाया। उन्होंने श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश दिए, जिसमें स्वच्छ एवं सुरक्षित जल का सेवन करना तथा धूल-मिट्टी से बचाव के उपाय अपनाना प्रमुख थे।

कैलाश काकानी पंचतत्व में विलीन

मदनूर, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं मिर्जापुर हनुमान मंदिर के निदेशक कैलाश काकानी का बुधवार शाम निधन हो गया। उनके निधन से व्यापारिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

गुरुवार दोपहर राजस्थान समाज वैकुंठ धाम में उनका अंतिम संस्कार विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिनमें जुक्कल विधायक थोथा लक्ष्मीकांत राव, पूर्व विधायक हणमंत शिंदे, देगलूर शहर के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मंगलजी शीर्षेटवार, मदनूर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष सयालु, मदनूर सरपंच पत्ती संतोष, बिचकुंडा मंडल केंद्र, देगलूर शहर के व्यापारी तथा विभिन्न गांवों के नागरिक शामिल थे।

कैलाश काकानी मिर्जापुर हनुमान मंदिर के निदेशक के रूप में धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहे और मदनूर क्षेत्र के व्यापारिक समुदाय में उनकी गहरी पैठ थी। उनके निधन से मंडल के सामाजिक-धार्मिक जीवन में एक बड़ी खाली जगह छूट गई है।परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों ने उनके प्रति गहन श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

गांधारी मैसम्मा जतारा आज से

मंचेरियाल, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के मंदामरी मंडल के बोक्कालागुट्टा गांव के निकट स्थित ऐतिहासिक गांधारी खिल्ला (गांधारी किला) में 30 जनवरी से 1 फरवरी तक तीन दिवसीय वार्षिक गांधारी मैसम्मा जतारा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह मेला अनुसूचित जनजाति समुदाय नाइकपोड के रोड्डा कबीले का एक प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव है।एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए)-उटनूर के अधिकारियों और नाइकपोड समुदाय के नेताओं के अनुसार, मेले के सुचारू संचालन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। इसमें अस्थायी शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल सुविधा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विशेष मंच तैयार किया गया है।परंपरा के अनुसार, राज्य भर से रोड्डा कबीले के सदस्य हर वर्ष हिंदू कैलेंडर के माघ महीने की पूर्णिमा के तीसरे दिन गांधारी किले में एकत्र होते हैं। वे मैसम्मा देवी की विधिवत पूजा करते हैं, पारंपरिक रीति-रिवाज निभाते हैं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम और नृत्य प्रस्तुत करते हैं।जतारा का कार्यक्रम इस प्रकार है: शुक्रवार (30 जनवरी): मैसम्मा की पूजा से पहले नाइकपोड समुदाय की पोचम्मा और भीमन्ना देवियों की पूजा के लिए गोदावरी नदी से जल लाया जाएगा।शनिवार रात: नाइकपोड कलाकार पारंपरिक नृत्य शैली थप्पेटगुल्लू-पिल्लनग्रोवी सहित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।रविवार (1 फरवरी): आदिवासियों की शिकायतों के निवारण के लिए विशेष दरबार लगाया जाएगा।यह उत्सव तेलंगाना के विभिन्न

हिस्सों तथा पड़ोसी महाराष्ट्र से हजारों आदिवासियों को आकर्षित करता है। गैर-आदिवासी और प्रकृति प्रेमी भी देवी की पूजा के लिए आते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मुर्गियां, बकरियां आदि चढ़ाते हैं।गांधारी खिल्ला एक प्राचीन पहाड़ी किला है, जिसका निर्माण लगभग 12वीं शताब्दी में गोंडू आदिवासी राजाओं द्वारा काकतीय शासकों की सहायता से किया गया था। यह घने जंगलों से घिरा है, जहां औषधीय पौधों की प्रचुरता है। किले में गांधारी मैसम्मा मंदिर स्थित है और यह जतारा हर दो वर्ष में आयोजित होता है, जिसमें विंध्य क्षेत्र (महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़) के आदिवासी भी शामिल होते हैं। यह आयोजन आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और सामुदायिक एकता का जीवंत प्रतीक है, जो पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

अबू धाबी ग्रां प्री ने जीता प्रमोटर आफ द ईयर अवार्ड्स

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

लंदन में आयोजित वार्षिक फार्मूला 1 प्रमोटर अवार्ड्स 2025 में अबू धाबी ग्रां प्री को प्रमोटर आफ द ईयर चुना गया। यास मरीना सर्किट पर हुए शानदार सीजन फिनाले और बेहतरीन आयोजन के चलते यह प्रतिष्ठित सम्मान अबू धाबी ग्रां प्री के नाम रहा।

एथारा के सीईओ सैफ राशिद अल-नोइमी ने यह ट्राफी ग्रहण की। यह अवार्ड उस प्रमोटर को दिया जाता है, जिसने पूरे सीजन में ग्रां प्री के स्तर को लगातार ऊंचा उठाया हो और उसे एक वैश्विक खेल गंतव्य के रूप में स्थापित किया हो।

इस साल अबू धाबी ग्रां प्री के दौरान नई हास्पिटैलिटी सुविधाएं, इनोवेटिव आन-साइट एक्टिवेशन, सस्टेनेबिलिटी पहल और अंतरराष्ट्रीय संगीत कलाकारों की प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। इस आयोजन में कैटी पेरी, पोस्ट मेलोन और बेंसन बून जैसे वैश्विक सितारों ने परफार्म किया। वहीं, यास मरीना सर्किट ने एक ऐतिहासिक तीन-तरफा टाइटल डिसाइडर की मेजबानी की और पूरे वीकेंड में रिकार्ड 3.39 लाख दर्शकों की मौजूदगी दर्ज की गई।

अवार्ड समारोह में फार्मूला 1 कैलेंडर की सभी 24 ग्रां प्री के प्रतिनिधि शामिल हुए। कुल पांच श्रेणियों में अवार्ड दिए गए, जो सस्टेनेबिलिटी, फैन एक्सपीरियंस, इवेंट स्पेक्टेकल और सांस्कृतिक पहचान जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हैं।

2025 फार्मूला 1 प्रमोटर अवार्ड्स के विजेता इस प्रकार रहे:

- प्रमोटर आफ द ईयर: अबू धाबी ग्रां प्री
- इवेंट स्पेक्टेकल: सऊदी अरब ग्रां प्री
- फैन एक्सपीरियंस (हाइनेकेन द्वारा प्रस्तुत): हंगेरियन ग्रां प्री
- ईएसजी चेंजमेकर (आलविन द्वारा प्रस्तुत): जापानी ग्रां प्री
- आउटस्टैंडिंग कल्चरल आइडेंटिटी: चीनी ग्रां प्री

फार्मूला 1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा कि 2025 फार्मूला 1 के लिए एक शानदार साल रहा और इसकी सफलता के केंद्र में सभी 24 प्रमोटरों की कड़ी मेहनत रही। वहीं, चीफ रेस प्रमोशन आफिसर लुईस यंग ने प्रमोटरों की नवाचार क्षमता और फैंस के लिए अनुभव को बेहतर बनाने के प्रयासों की सराहना की।

एथारा के सीईओ सैफ राशिद अल-नोइमी ने कहा कि यह सम्मान पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है और वे भविष्य में भी दुनिया भर के फैंस के लिए यादगार अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, शिवम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की

विशाखापत्तनम। भारतीय क्रिकेट टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे मैच में

मिली हार पर निराशा जतायी है। सूर्यकुमार ने हालांकि शिवम दुबे की पारी की सराहना की है। शिवम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में ही 65 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास किया पर बदकिस्मती से वह रन आउट हो गये जिसये ये मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया। सूर्या ने कहा कि अगर कोई बल्लेबाज शिवम के साथ होता तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। भारतीय टीम ने चौथे टी20 में छह बल्लेबाजों को उतारा पर इसके बाद भी उसे लाभ नहीं मिला। सूर्यकुमारी ने कहा कि हमने छह बल्लेबाज और पांच गेंदबाज इसलिए उतारे थे जिससे पल चल सके कि टी20 विश्व कप से पहले हम कहां पर हैं। शिवम के अर्धशतक के बाद भी इस मैच में भारतीय टीम हारी है। इस हार से अब पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे है। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे लगता है कि ओस के बाद भी अगर कोई बल्लेबाज शिवम का साथ देतो तो मैच बच सकता था। हम 50 रनों से हार गए, लेकिन कोई बात नहीं.जैसा कि मैंने कहा, इस तरह लक्ष्य का पीछा करते हुए एक-दो साझेदारियां निर्णायक साबित हो सकती थीं। कप्तान ने कहा कि हमारे पास कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी अंतिम एकादश में शामिल करने का अवसर था पर हम उन खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते थे जो टी20 विश्वकप टीम का हिस्सा हैं।

रणजी ट्राफी मुकाबलों से पहले आईएस बिंद्रा व अजित पवार को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। रणजी ट्राफी के सातवें दौर के मुकाबलों से पहले गुरुवार को चंडीगढ़ और मुंबई में खिलाड़ियों व अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखकर पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष आईएस बिंद्रा और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष और पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के पूर्व अध्यक्ष इंदरजीत सिंह बिंद्रा का रविवार को नई दिल्ली में 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। मोहाली स्थित आईएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब और कर्नाटक के बीच खेले गए एलीट ग्रुप-बी मुकाबले से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखा। बीसीसीआई ने गुरुवार को अपने घरेलू क्रिकेट से जुड़े एक्स अकाउंट पर कहा, रणजी ट्राफी में पंजाब और कर्नाटक के बीच मुकाबले से पहले पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष श्री इंदरजीत सिंह बिंद्रा के निधन पर एक मिनट का मौन रखा गया। उधर, मुंबई के बीकेसी ग्राउंड पर मुंबई और दिल्ली के बीच एलीट ग्रुप-डी मुकाबले से पहले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को श्रद्धांजलि दी गई। खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखा और दोनों टीमों के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, मुंबई और दिल्ली के बीच रणजी ट्राफी मैच से पहले उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजित दादा पवार को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया, ताकि उनकी स्मृति और योगदान का सम्मान किया जा सके।

गंभीर को कोच पद से हटाने की कोई योजना नहीं : बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 सीरीज के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाये जाने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि देश में क्रिकेट को लेकर जिस प्रकार की दीवानगी रहती है। उसमें सभी अपने को विशेषज्ञ समझते हैं। साथ ही कहा कि सभी को अपनी राय देने का अधिकार है पर इस मामले में बोर्ड किसी भी प्रकार का फैसला अपने विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट के आधार पर लेता है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई में एक क्रिकेट कमेटी है, जिसमें पूर्व क्रिकेटर शामिल रहते हैं। वे पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी फैसले लेते है। वहीं टीम चयन के लिए हमारे पास पांच चयनकर्ता होते हैं, जो योग्यता के बाद इस पद तक पहुंचते हैं। ये ही लोग चयन से जुड़े फैसले लेते हैं। हर फैसले पर कोई न कोई अलग राय हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, हम इन सभी रायों को सुनते और समझते हैं पर अंतिम फैसला हमेशा क्रिकेट कमेटी और चयनकर्ता ही लेते है। वहीं हाल में पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम टी20 विश्वकप कप 2026 में असफल रहती है तो बीसीसीआई को कठिन फैसला लेते हुए गंभीर को कोच पद से हटा देना चाहिए। गौरतलब है कि गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में ही अब तक सफल रही है।

एएफकान फाइनल विवाद में सीएएफ ने सेनेगल और मोरक्को पर लगाए कड़े प्रतिबंध

काहिरा, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

कन्फेडरेशन आफ अफ्रीकन फुटबाल (सीएएफ) की अनुशासन समिति ने एएफकान मोरक्को 2025 के फाइनल मुकाबले के दौरान हुई घटनाओं को लेकर सेनेगल फुटबाल फेडरेशन (एफएसएफ), रायल मोरक्कन फुटबाल फेडरेशन (एफआरएमएफ) सहित कई खिलाड़ियों और अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की है। ये घटनाएं सीएएफ डिसिप्लिनरी कोड का उल्लंघन मानी गई हैं। फाइनल मुकाबले के स्टापेज टाइम में विवाद उस समय गहराया, जब वीएआर समीक्षा के बाद मोरक्को को पेनल्टी दी गई, जबकि उससे कुछ ही क्षण पहले सेनेगल का एक गोल रद्द कर दिया गया था। इस फैसले से नाराज सेनेगल के मुख्य कोच पापे थियाव खिलाड़ियों को मैदान से बाहर ले गए, जिससे रबात में मैच करीब 16 मिनट तक रुका रहा और स्टेडियम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

करीब 16 मिनट के विलंब के बाद सेनेगल के खिलाड़ियों के लौटने पर मैच दोबारा शुरू हुआ। हालांकि, मोरक्को के ब्राहिम डियाज़ पेनल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहे। मुकाबला अतिरिक्त समय तक गया, जहां पापे गेये के शानदार गोल की बदौलत सेनेगल ने खिताब अपने नाम किया।

सीएएफ ने सेनेगल के कोच पापे थियाव के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें अनुशासनहीन आचरण, फेयर प्ले और ईमानदारी के सिद्धांतों के उल्लंघन तथा खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में पांच आधिकारिक सीएएफ मैचों के लिए निलंबित कर दिया। इसके अलावा उन पर 1 लाख अमेरिकी डालर का जुर्माना भी लगाया गया है।

सेनेगल के विंगर इलिमान चेइख बराय नदियाये (एवर्टन) और क्रिस्टल पैलेस के फारवर्ड इस्माइला सार को रेफरी के प्रति अनुचित व्यवहार के चलते दो-दो सीएएफ मैचों के लिए निलंबित किया गया है।

सेनेगल फुटबाल फेडरेशन (एफएसएफ) पर कुल 6.15 लाख अमेरिकी डालर का जुर्माना लगाया गया है। इसमें समर्थकों के अनुचित व्यवहार के लिए 3 लाख डालर, खिलाड़ियों और तकनीकी स्टाफ के असंयमित आचरण के लिए 3 लाख डालर और पांच खिलाड़ियों को पीला कार्ड मिलने के कारण 15 हजार डालर का जुर्माना शामिल है।

रायल मोरक्कन फुटबाल फेडरेशन (एफआरएमएफ) पर भी भारी जुर्माना लगाया गया। स्टेडियम में बाल बायज़ के अनुचित व्यवहार के लिए 2 लाख डालर, रिव्यू क्षेत्र में घुसकर रेफरी के काम में बाधा डालने के लिए खिलाड़ियों और तकनीकी स्टाफ पर 1 लाख डालर और समर्थकों द्वारा लेज़र का इस्तेमाल करने के लिए 15 हजार डालर का जुर्माना लगाया गया। इस तरह मोरक्को पर कुल 3.15 लाख डालर का जुर्माना लगा।

इसके अलावा पेरिस सेंट-जर्मेन के राइट बैक अशरफ हकीमी को दो आधिकारिक सीएएफ मैचों के लिए निलंबित किया गया है, जिसमें से एक मैच का निलंबन एक वर्ष के लिए निलंबित (सस्पेंडेड) रखा गया है। राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी इस्माइल सैबारी को तीन सीएएफ मैचों के लिए निलंबित किया गया और उन पर 1 लाख डालर का जुर्माना भी लगाया गया है।

सीएएफ ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने मोरक्को फुटबाल फेडरेशन (एफआरएमएफ) के उस विरोध को खारिज कर दिया है, जिसमें सेनेगल फुटबाल फेडरेशन (एफएसएफ) पर एएफकान नियमों के अनुच्छेद 82 और 84 के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था।

सीएएफ के इन फैसलों के बाद एएफकान फाइनल से जुड़ा विवाद अब औपचारिक रूप से समाप्त माना जा रहा है, हालांकि दोनों देशों में इस पर बहस जारी रहने की संभावना है।

टाटा स्टील मास्टर्स के 10वें राउंड में गुकेश की जीत, एरिगैसी की हार, प्रज्ञानानंद ने ड्रा खेला

नीदरलैंड, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के 10वें राउंड में भारतीय खिलाड़ियों का मिला-जुला प्रदर्शन देखने को मिला। विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की, जबकि भारत के शीर्ष रेटेड खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी को जर्मनी के विन्सेंट कीमर के हाथों एक और हार का सामना करना पड़ा। वहीं, आर. प्रज्ञानानंद ने अमेरिका के हैंस मोके नीमन के खिलाफ ड्रा खेला।

काले मोहरों से खेलते हुए डी. गुकेश ने तुर्की के युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एर्दोगमुस के खिलाफ एंडगेम में बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया। यह जीत गुकेश की टूर्नामेंट में पांचवीं जीत रही और अब उनके 10 मैचों में पांच अंक हो चुके हैं। हालांकि, विश्व चैंपियन को खिताब की दौड़ में मजबूती से बने रहने के लिए शेष तीन राउंड में असाधारण प्रदर्शन करना होगा।

दूसरी ओर, अर्जुन एरिगैसी के लिए यह राउंड निराशाजनक रहा। कुछ दिन पहले तक शीर्ष स्थान की दौड़ में बने हुए एरिगैसी मिडिल गेम में लय खो बैठे और क्लोज़्ड रूय लोपेज़ में की गई एक पोज़िशनल गलती उनके लिए भारी पड़ गई। कीमर ने मौके का पूरा फायदा उठाया और एरिगैसी को संभलने का कोई अवसर नहीं दिया। 10 राउंड के बाद एरिगैसी के सिर्फ चार अंक हैं और वे अंक तालिका के निचले हिस्से में खिसक गए हैं।

आर. प्रज्ञानानंद ने हैंस मोके नीमन के खिलाफ फ्रेंच डिफेंस में खेलते हुए ड्रा स्वीकार किया। प्रज्ञानानंद द्वारा अपनाई गई फ्रेंच डिफेंस की रुबिनस्टीन वेरिएशन ने जरूर सबका ध्यान खींचा, लेकिन मुकाबले में ज्यादा जटिलताएं देखने को नहीं मिलीं। नियमित मोहरों की अदला-बदली के बाद मुकाबला पूरी तरह संतुलित रूक और प्यादों के एंडगेम में समाप्त हुआ। यह प्रयोग आगामी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से पहले प्रज्ञानानंद की नई तैयारियों का संकेत माना जा रहा है। अन्य मुकाबलों में जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम ने शानदार फार्म जारी रखते हुए नीदरलैंड्स के अनिश गिरी को हराया। इससे पहले ब्लूबाउम ने गुकेश को भी मात दी थी। वहीं, नीदरलैंड्स के जार्डन वान फोरेस्ट और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच मुकाबला ड्रा रहा और दोनों के छह-छह अंक हो गए।

एलिस पेरी ने क्रिकेट ही नहीं फुटबाल में भी बनाये हैं रिकार्ड

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एलिस पेरी एक शानदार क्रिकेटर के साथ ही एक अच्छी फुटबालर भी रही हैं। एलिस ने साल 2013 विश्व कप में आस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने आस्ट्रेलिया की ओर क्रिकेट के अलावा फुटबाल में खेला है। एलिस ने फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में भी गोल दागा था। यह गोल उन्होंने 2011 फीफा वर्ल्ड कप में मैटिल्डास की स्वीडन के खिलाफ 1-3 की हार के दौरान किया था। फुटबाल में साल 2011 फीफा महिला विश्व कप में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रह है।, तब इस खिलाड़ी ने टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब आस्ट्रेलिया को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा पर टीम की ओर से एकमात्र गोल पेरी ने किया था। वहीं साल 2014 में पेरी ने आस्ट्रेलियाई फुटबाल टीम से संन्यास ले लिया पर उनके खेल खिलाड़ी आज तक याद रखते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि फीफा में उनके नाकआउट गोल पुर्तगाल के स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से ज्यादा हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप (2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) के नाकआउट स्टेज में एक भी गोल नहीं किया है।

आस्ट्रेलियाई महिला टी20 टीम की कप्तान बनीं मोलिनेक्स

मेलबर्न, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम में नए युग की शुरुआत हो गई है। विक्टोरिया की आलराउंडर सोफी मोलिनेक्स को टी 20 टीम का कप्तान और टेस्ट व वनडे टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। मोलिनेक्स भारत के खिलाफ आगामी मल्टी-फार्मेट सीरीज में टी20 टीम की कप्तानी से अपने कार्यकाल की शुरुआत करेंगी।

टी20 टीम में ताहलिया मैक्ग्राथ और एश्ले गार्डनर को संयुक्त उपकप्तान बनाया गया है। चयनकर्ताओं ने भारत के खिलाफ सीरीज के लिए आस्ट्रेलिया की टी20, वनडे और टेस्ट टीमों की घोषणा भी कर दी है। सफेद गेंद क्रिकेट में निकोला केरी की वापसी हुई है, जबकि 19 वर्षीय तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। चोट के बावजूद फोएबे लिचफील्ड को तीनों टीमों में जगह दी गई है। चयन प्रक्रिया में कुछ बड़े फैसले भी देखने को मिले। लेग स्पिनर अलाना किंग को टी20 टीम से बाहर रखा गया है, जबकि

वनडे टीम में मेगन शट, ग्रेस हैरिस और हीदर ग्राहम को मौका नहीं मिला। राष्ट्रीय चयनकर्ता शान फ्लेगलर ने कहा कि मोलिनेक्स अपने नेतृत्व कौशल, संयम और घरेलू क्रिकेट में सफलता के दम पर इस भूमिका के लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं, हालांकि उनकी फिटनेस को ध्यान में रखते हुए वर्कलोड का प्रबंधन किया जाएगा।

भारत की महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 15 फरवरी को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

आस्ट्रेलिया टी20 टीम

सोफी मोलिनेक्स (कप्तान), एश्ले गार्डनर (उपकप्तान), ताहलिया मैक्ग्राथ (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला केरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जार्जिया वोल, जार्जिया वेयरहैम

भारत टी20 टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चाराणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, श्रेयांका पाटिल

आस्ट्रेलिया वनडे टीम

एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनेक्स (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला केरी, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैक्ग्राथ, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जार्जिया वोल, जार्जिया वेयरहैम

आस्ट्रेलिया टेस्ट टीम

एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनेक्स (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैक्ग्राथ, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जार्जिया वोल, जार्जिया वेयरहैम।

स्क्वैश आन फायर ओपन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे सेंथिलकुमार और चोटरानी

वाशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत के मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार और वीर चोटरानी ने वाशिंगटन में खेले जा रहे स्क्वैश आन फायर ओपन टूर्नामेंट में कड़े मुकाबलों में पहले दौर की जीत दर्ज करते हुए अगले चरण में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट पीएसए ब्रान्ज स्तर का आयोजन है।

विश्व रैंकिंग में 46वें स्थान पर काबिज सेंथिलकुमार ने इंग्लैंड के टाम वाल्श के खिलाफ दमदार वापसी करते हुए 12-14, 11-8, 11-8, 11-6 से जीत हासिल की। अब अगले दौर में उनका सामना मैक्सिको के विश्व नंबर 11 और दूसरे वरीय खिलाड़ी लियोनेल कार्डेनास से होगा।

विश्व नंबर 49 वीर चोटरानी ने हंगरी के बालाज़ फर्कस को रोमांचक पांच गेम के मुकाबले में 6-11, 9-11, 11-5, 11-9, 11-3 से शिकस्त दी। अब चोटरानी की अगली टक्कर फ्रांस के विश्व नंबर 19 और चौथे वरीय खिलाड़ी बैप्टिस्ट मसोती से होगी।

चोटरानी मुकाबले में एक समय हार के बेहद करीब नजर आ रहे थे। पहले दो गेम गंवाने के बाद उन्होंने तीसरा गेम जीता, लेकिन चौथे गेम में वे 2-8 से पीछे चल रहे थे। ऐसे मुश्किल हालात में चोटरानी ने जबरदस्त जज्बा दिखाते हुए अगले 10 में से 9 अंक अपने नाम किए और मुकाबले को निर्णायक गेम तक ले गए। निर्णायक गेम में भी उन्होंने उसी लय को बरकरार रखते हुए 10-3 की बढ़त बनाई और पहला ही मैच प्वाइंट भुनाकर जीत सुनिश्चित कर ली।

महिला वर्ग में भारत की राष्ट्रीय चैंपियन और सातवीं वरीय खिलाड़ी अनाहत सिंह को पहले दौर में बाई मिली।

इसके बाद महिला मुकाबलों में मेन्ना हामेद और वाई यान आउ यान्ग के बीच पांच गेम का जोरदार संघर्ष देखने को मिला। टूर्नामेंट में हाल ही में शामिल हुई आउ यान्ग ने पहले दो गेम के टाईब्रेक जीतकर बड़ा उलटफेर करने के संकेत दिए—पहला गेम 15-13 और दूसरा 19-17 से उनके नाम रहा।

हालांकि, पैर की अंगुली में चोट से जूझ रहीं मेन्ना हामेद ने शानदार वापसी की। तीसरे गेम में देरी से कोर्ट पर लौटने के कारण उन्हें टाइम वायलेशन मिला और वे 0-1 से पीछे हो गईं, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपनी लय पकड़ ली। हामेद ने तीसरा गेम 11-5 से जीता, चौथे गेम में 3-5 से पिछड़ने के बाद 11-7 से वापसी की और निर्णायक गेम में महज सात मिनट में 10-4 की बढ़त बनाकर शानदार बैकहैंड ड्राप के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अन्य मुकाबलों में हेले वार्ड ने शिन यिंग यी को 3-2 से हराया, जबकि नूर ज़मान ने वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी यी शियान सियो को कड़े मुकाबले में मात दी। दिन के अंतिम मुकाबले में सैम टाड ने दर्शकों के पसंदीदा वलेरी फेदोरुक को हराया, जबकि नाथन लेक ने माजेन हेशाम को 3-1 से शिकस्त देकर दिन की कार्रवाई का समापन किया।

8 लाख यूनिट्स की बिक्री के ऐतिहासिक आंकड़े को छुआ टीवीएस आईक्यूब ने

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में टीवीएस आईक्यूब ने एक बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है। कंपनी यह पहला फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक स्कूटर अब तक 8 लाख यूनिट्स की बिक्री के ऐतिहासिक आंकड़े तक पहुंच चुका है। लान्च के पहले 52 महीनों में टीवीएस आईक्यूब ने 3 लाख यूनिट्स की बिक्री पूरी की। इसके बाद अगली 5 लाख यूनिट्स महज 20 महीनों में बिक गईं, जबकि सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि 7 लाख से 8 लाख यूनिट्स का सफर सिर्फ 3 महीनों (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में पूरा हुआ। यह तेजी आईक्यूब की लोकप्रियता और बढ़ती मांग को दर्शाती है। एसआईएएम के डेटा के अनुसार, जनवरी 2020 से दिसंबर 2025 तक टीवीएस आईक्यूब की कुल 8,24,181 यूनिट्स की होलसेल हुई है। दिसंबर 2025 में अकेले 35,177 यूनिट्स फैक्ट्री से डिस्पैच की गईं, यह लगातार चौथा महीना था जब मासिक डिस्पैच 30,000 यूनिट्स से अधिक रही। अक्टूबर-दिसंबर 2025 की तिमाही में कुल 1,05,357 यूनिट्स बिकीं, जो सालाना आधार पर 41 फीसदी वायओवाय ग्रोथ को दर्शाती है। बढ़ती मांग को देखते हुए एफवाय2026 में आईक्यूब पहली बार 3 लाख यूनिट्स की होलसेल पार करने की उम्मीद है। वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों (अप्रैल-दिसंबर 2025) में ही कंपनी ने 2,53,130 यूनिट्स डिस्पैच की हैं, जो सालाना आधार पर 28फीसदी की बढ़त है। एफवाय2025 में टीवीएस मोटर ने कुल 18.13 लाख स्कूटर्स बेचे, जिनमें आईक्यूब की हिस्सेदारी 15फीसदी रही। जनवरी 2020 से जनवरी 2026 तक भारत में 7,65,350 आईक्यूब बिक चुके हैं, जबकि बजाज चेतक की बिक्री इसी अवधि में 5,85,447 यूनिट्स रही। सीवाय 2025 आईक्यूब के लिए अब तक का सबसे बेहतरीन साल रहा, जब इसकी 2,99,137 यूनिट्स रिटेल हुईं। आईक्यूब की मजबूत बिक्री के चलते टीवीएस का स्कूटर मार्केट शेयर अप्रैल-दिसंबर 2025 में बढ़कर 29फीसदी हो गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा रिकार्ड है। रिटेल बिक्री में भी आईक्यूब ने बाज़ार में अपनी पकड़ दिखाई।

न्यूज़ ब्रीफ

यूरोपीय कारों पर टैक्स कटौती का लाभ मिलेगा भारतीय ग्राहकों को

नई दिल्ली। हाल ही में भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच हुई डील के लागू होने पर भारत में यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर लगने वाले भारी टैक्स में बड़ी कटौती हो सकती है। इस कटौती का भारतीय ग्राहकों को फायदा मिल सकता है। फिलहाल भारत में पूरी तरह इम्पोर्ट होकर आने वाली कारों पर 70 फीसदी से 110फीसदी तक टैक्स लगता है, जिसकी वजह से बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज-बेंज, फाक्सवैगन और रेनो जैसी कारें महंगी हो जाती हैं। प्रस्तावित इंडिया-ईयू एफटीए के तहत इन कारों पर टैक्स 40फीसदी तक घट सकता है, और भविष्य में इसे 10 फीसदी तक भी लाया जा सकता है। शुरुआत में यह रियायत सीमित संख्या में कारों पर लागू होगी। डील के लागू होने पर हर साल लगभग 2 लाख पेट्रोल और डीजल कारों पर 40 फीसदी ड्यूटी लागू हो सकती है। हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएस) को फिलहाल इस टैक्स कटौती से बाहर रखा जाएगा, ताकि टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी घरेलू कंपनियों के निवेश सुरक्षित रहें। कम टैक्स का सीधा फायदा फाक्सवैगन, रेनो, स्कोडा, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियों को होगा। इससे ये कंपनियां भारत में ज्यादा माडल्स लान्च कर सकेंगी और उन्हें किफायती कीमतों पर बेच पाएंगी। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार है और इस डील के लागू होने के बाद ग्राहकों को बेहतर टेक्नोलाजी, ज्यादा विकल्प और प्रीमियम कारों की कम कीमत देखने को मिल सकती है। कुल मिलाकर, इंडिया-ईयू एफटीए भारत के आटो सेक्टर के लिए एक गेमचेंजर साबित हो सकता है। फिलहाल यूरोपीय कार कंपनियों की भारत में हिस्सेदारी 4फीसदी से भी कम है, जबकि मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा का दबदबा लगभग दो-तिहाई है।

नया स्मार्टफोन वीवो एक्स200टी लान्च

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में चाइनीज कंपनी वीवो ने अपनी एक्स200 सीरीज का नया स्मार्टफोन वीवो एक्स200टी लान्च कर दिया है। फोन में बेहतर चिपसेट, बड़ा डिस्प्ले और पावरफुल कैमरा सेटअप शामिल हैं। यह फोन पिछले साल आए एक्स200 का अपग्रेडेड वर्जन है और फ्लैगशिप-लेवल स्पेसिफिकेशंस को थोड़ा अधिक किफायती प्राइस पर पेश करता है।वीवो एक्स200टी में 6.67-इंच का अमोलेड डिस्प्ले है, जो एफएचडी प्लस रेजाल्यूशन और 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। पंच-होल डिजाइन और स्लिम बेजल्स इसे प्रीमियम लुक देते हैं।

फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 9400 प्लस प्रोसेसर है और यह एंड्राएड 16 पर बेस्ड ओरिजिन ओएस6 पर चलता है। कंपनी ने पांच बड़े अपडेट और सात साल तक सिक्योरिटी अपडेट देने का वादा किया है। पावर बैकअप के लिए फोन में 6200एमएएच बैटरी है, जिसमें 90वाट वायर्ड और 40वाट वायरलेस चार्जिंग का सपोर्ट है। कैमरा सेक्शन में झेसिस-पावर्ड 50एमपी ट्रिपल रियर कैमरा है। इसमें 50एमपी सोनी एलवायटी 702 ओआईएस प्राइमरी कैमरा, 50एमपी सैमवसंग जेएन1 अल्ट्रा-वाइड और 3 गुणा जूम के साथ 50एमपी सोनी एलवायटी 600 टेलीफोटो कैमरा शामिल है। फ्रंट में 32एमपी का सेल्फी कैमरा है। फोन को आईपी 68 और आईपी69 रेटिंग, 3डी अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट सेंसर, 5जी, ड्यूल सिम और ड्यूल-बैंड वाय-फाय जैसे फीचर्स भी मिले हैं। वीवो एक्स200टी अपने प्रीमियम फीचर्स और आकर्षक डिजाइन के कारण मिड-टू-फ्लैगशिप सेगमेंट का एक मजबूत विकल्प बन गया है।भारत में 12जीबी रैम प्लस 256जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 59,999 रुपये और 12जीबी रैम प्लस 512जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 69,999 रुपये रखी गई है। यह स्टेलार ब्लैक और सीसाइड लीलाक कलर आप्शन में उपलब्ध होगा। लान्च आफर के तहत एक्सिस एचडीएफसी, और एसबीआई कार्ड से पेमेंट करने पर 5,000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट मिलेगा।

आगामी 1 फरवरी से लागू नहीं होगी केवायवी प्रक्रिया

नई दिल्ली। आगामी 1 फरवरी 2026 से कार, जीप और वैन के लिए नए फास्टेग पर क्नो यूवर व्हीकल (केवायवी) वेरिफिकेशन की प्रक्रिया लागू नहीं होगी। इसका मकसद फास्टेग जारी होने और इस्तेमाल के दौरान होने वाली देरी और यूजर्स की परेशानियों को कम करना है। नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआई) ने फास्टेग सिस्टम को सरल बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब बैंक फास्टेग जारी करने से पहले ही वाहन की सभी जानकारियों की जांच करेंगे। यदि वाहन डेटाबेस में जानकारी उपलब्ध होगी तो वहीं सत्यापन होगा, अन्यथा रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेशन के आधार पर जांच की जाएगी। इसका मतलब है कि टैग एक्टिव होने के बाद अलग से केवायवी कराने की जरूरत नहीं होगी। पहले केवायवी प्रक्रिया में यह सुनिश्चित किया जाता था कि टैग सही वाहन से जुड़ा है और किसी डुप्लीकेट टैग का इस्तेमाल नहीं हो रहा। हालांकि, व्यवहार में यह प्रक्रिया अक्सर देरी और तकनीकी समस्याओं की वजह बनती थी। नए नियमों से फास्टेग खरीदने और इस्तेमाल करने की प्रक्रिया तेज और आसान हो जाएगी। टैग मिलने के बाद सीधे इस्तेमाल किया जा सकेगा और बार-बार दस्तावेज अपलोड करने या बैंक और कस्टमर केयर के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। इससे आम वाहन चालकों को समय और परेशानी दोनों से राहत मिलेगी। नए नियमों के अनुसार, केवल शिकायत आधारित मामलों में ही दोबारा जांच होगी, जैसे टैग गलत वाहन से जुड़ा हो या दुरुपयोग हुआ हो।

बीते एक साल में एटीएम से पैसा निकालने में आया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। देश के एटीएम अब पहले जैसी भीड़ नहीं देखते। एक रिपोर्ट के अनुसार 2025 में एटीएम से औसत मासिक नकद निकासी घटकर 1.21 करोड़ रुपए प्रति मशीन हो गई, जबकि 2024 में यह 1.30 करोड़ रुपए थी। हालांकि, एक बार में निकाली जाने वाली रकम बढ़कर 5,835 रुपए हो गई, जो यह दर्शाता है कि लोग अब बार-बार नकद निकालने के बजाय बड़ी रकम एक साथ निकाल रहे हैं। रोजमर्रा की खरीदारी जैसे किराना, बस टिकट, मोबाइल रिचार्ज और छोटे बिलों में नकद की जगह डिजिटल भुगतान, यूपीआई और कार्ड ने ले ली है। रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल भुगतान आंकड़े हर महीने नए रिकार्ड बना रहे हैं, लेकिन नकद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। बड़ी निकासी यह संकेत देती है कि लोग आपातकाल, स्थानीय सेवाओं और उन जगहों के लिए नकद रखना जारी रख रहे हैं जहां डिजिटल भुगतान स्वीकार नहीं किया जाता। राज्यों के बीच नकद निकासी

राज्यों और शहरों में एटीएम निकासी में भारी अंतर देखा गया

में बड़ा अंतर देखा गया। कर्नाटक में प्रति एटीएम औसत 1.73 करोड़ निकाला गया, जबकि जम्मू-कश्मीर में यह मात्र 83 लाख रहा। महानगरों की चमक के बावजूद नकद की वास्तविक जरूरत सेमी अर्बन और ग्रामीण इलाकों में अधिक रही, जहां प्रति एटीएम औसत 1.30 करोड़ रुपए निकासी हुई। सीज़न और मौसम भी नकद निकासी पर असर डालते हैं। मानसून, गर्मी, प्रदूषण और त्योहारों के समय लोग अधिक नकद निकालते हैं। सीएमएस के खर्च से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि घरों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। 2025 में बीमा खर्च कुल खर्च का 25 प्रतिशत बन गया, जबकि शिक्षा, होटल और मनोरंजन खर्चों में गिरावट दर्ज की गई। नकद अब आदत नहीं, बल्कि भरोसे का सहारा बनकर रह गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वैश्विक अनिश्चितताओं...

इसमें कहा गया है कि घरेलू मांग से आर्थिक विकास को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है। पहले अग्रिम अनुमान का हवाला देते हुए सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी अंतिम उपभोग व्यय चालू वित्त वर्ष में बढ़कर जीडीपी के 61.5 प्रतिशत तक पहुंचा जो वर्ष 2011-12 से इसका उच्चतम स्तर है। यह 2022-23 में भी इसी स्तर पर था। इसमें कहा गया है कि उपभोग की शक्ति आर्थिक वातावरण के लिए सहायक है और इसे निम्न मुद्रास्फीति, रोजगार की मजबूत स्थिति और क्रय शक्ति की वृद्धि से बल मिला है। कृषि के मजबूत प्रदर्शन से प्रेरित स्थिर ग्रामीण उपभोग और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों युक्तिसंगत बनाने से शहरी उपभोग में निरंतर सुधार दिखा है। सकल निर्धारित पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) चालू वित्त वर्ष में अनुमानित 30 प्रतिशत रहने से वृद्धि को निरंतर बढ़ावा मिला है। जीएफसीएफ में 7.6 प्रतिशत विस्तारित के साथ पहली छमाही में होने के साथ निवेश मजबूत हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 7.1 प्रतिशत था।

वित्त वर्ष 2025-26 में कृषि और अनुषंगी क्षेत्र की वृद्धि 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहली छमाही में अनुकूल मानसून से सहायता मिली।

कृषि संबंधी सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) पहली छमाही में 3.6 प्रतिशत रहा जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 2.7 प्रतिशत से अधिक है लेकिन 4.5 प्रतिशत के दीर्घ अवधि के औसत से कम है। समीक्षा में औद्योगिक क्षेत्र की मजबूती झलकती है। पहली छमाही में इस क्षेत्र की वृद्धि 8.4 प्रतिशत रही और पूरे वर्ष में इसकी वृद्धि 7.0 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान है।

जीडीपी में विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा 17-18 प्रतिशत पर मजबूत बना हुआ है। इस्पात उपभोग और सीमेंट उत्पाद जैसे निर्माण संकेतकों में निरंतर वृद्धि देखी गई है। आगे देखते हुए, जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने और अनुकूल मांग आउटलुक से प्रेरित औद्योगिक कार्यकलापों में गति के मजबूत बने रहने का अनुमान है। पहली छमाही में सेवाओं के लिए सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी जबकि पूरे वित्त वर्ष के लिए सेवा क्षेत्र के जीवीए में वृद्धि 9.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

समीक्षा में मुद्रास्फीति में गिरावट का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यह घटकर 1.7 प्रतिशत पर आ गयी है। इसमें सब्जी और दलहनों कीमतों में गिरावट का मुख्य योगदान रहा है। मुद्रास्फीति पर अंतर्निहित दबाव नरम प्रतीत होते हैं तथा जीएसटी की दरों को तर्कसंगत बनाये जाने तथा आपूर्ति पक्ष की परिस्थितियां को देखते हुए निकट भविष्य में भी इसके नरम बने रहने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2025-26 में देखी गई घरेलू मांग और पूंजी निर्माण में गति को एक विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति, रणनीति का समर्थन मिला। प्रत्यक्ष कर संग्रह बजटीय वार्षिक लक्ष्य (नवम्बर, 2025 तक) का वार्षिक अनुमान के लगभग 53 प्रतिशत तक पहुंच चुका था। अप्रत्यक्ष कर संग्रह भी निम्न मुद्रास्फीति दर और आयात में उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत बना रहा है।

नवम्बर 2025 तक पूंजीगत बजट आवंटन के लगभग 60 प्रतिशत का उपयोग किया जा चुका था जबकि अतिरिक्त राजस्व व्यय में वृद्धि सीमित बनी रही जो सार्वजनिक व्यय की गुणवत्ता की मजबूती दिखाती है।

सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई की नीतिगत दर के कम होने के साथ साथ सरकारी प्रतिभूतियों पर यील्ड (निवेश प्रतिफल) गिरने से कर्ज की लागत कम हो रही है जो अपने आप में आर्थिक प्रोत्साहन को प्रेरित करने वाला रुझान है ।फरवरी, 2025 से आरबीआई की रेपो दर में कुल मिलाकर 1.25 प्रतिशत की कमी तथा आरक्षित नकदी अनुपात में कटौती के माध्यम से 2.5 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त धन कर्ज के लिए उपलब्ध होने के साथ साथ आरबीआई के ओपन मार्केट ऑपरेशंस (6.95 लाख करोड़ रुपये) और लगभग 25 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा स्वैप (अदला-बदली) की सुविधा से कर्ज बाजार की स्थिति बेहतर हुई है। इससे अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के नए कर्जों पर ब्याज दर 0. 59 प्रतिशत कम हुआ है।बैंकिंग क्षेत्र की बैलेंसशीट में मजबूती का जिक्र करते हुए इसमें कहा गया है कि सकल गैर-निष्पादनकारी परिसंपत्ति (एनपीए) कर्ज के 2.2 प्रतिशत पर आ गयी है जो कई दशकों का निम्न स्तर है।

यूजीसी...

सुनवाई के दौरान, पीठ ने मौखिक रूप से कई चिंताओं को उठाया, जिसमें कहा गया कि इसके प्रावधान अस्पष्ट हैं और उनके दुरुपयोग की संभावना है। याचिका में जाति-आधारित भेदभाव की अलग परिभाषा की आवश्यकता पर सवाल उठाया गया, जबकि भेदभाव की सामान्य परिभाषा पहले से मौजूद है। इसमें रैगिंग पर प्रावधानों की पूरी तरह अनुपस्थिति की कड़ी आलोचना की गई।

न्यायालय ने चिंता प्रकट करते कहा कि ये नियम एकता को बढ़ावा देने के बजाय छात्रों को जाति के आधार पर विभाजित कर सकते हैं। पीठ ने सुझाव दिया कि नियमों पर प्रतिष्ठित न्यायविदों की एक समिति द्वारा फिर से विचार किया जाना चाहिए जो सामाजिक वास्तविकताओं और मूल्यों को समझते हैं।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को संबोधित करते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायालय तुरंत अंतिम आदेश पारित करने के पक्ष में नहीं है और इसके बजाय विशेषज्ञ से इस पर पुनर्विचार चाहता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''एक ऐसी समिति होनी चाहिए जिसमें प्रतिष्ठित न्यायविद हों... ऐसे लोग जो सामाजिक मूल्यों और समाज जिन समस्याओं का सामना कर रहा है, उन्हें समझते हों। उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि समाज कैसे आगे बढ़ेगा और लोग कैसे व्यवहार करेंगे।''

याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने नियम 3 (1) (सी) की ओर ध्यान दिलाया, जो ''जाति-आधारित भेदभाव'' को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के खिलाफ भेदभाव के रूप में परिभाषित करता है। उन्होंने तर्क दिया कि सामान्य श्रेणी के छात्रों के खिलाफ भेदभाव को मान्यता नहीं दी गई है। चूंकि नियम 3(1)(ई) पहले से ही ''भेदभाव'' को व्यापक रूप से परिभाषित करता है, इसलिए जाति-आधारित भेदभाव के लिए एक अलग परिभाषा अनावश्यक है।

यह प्रावधान मानता है कि केवल कुछ समूहों को ही भेदभाव का सामना करना पड़ता है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है।

श्री जैन ने अपने तर्क में कहा, ''जब नियम 3(1)(ई) पहले से मौजूद है, तो 3(1)(सी) की क्या ज़रूरत है?

एक अन्य वकील ने एक ऐसे परिदृश्य की ओर इशारा किया जहां एक सामान्य श्रेणी के नए छात्र को आरक्षित श्रेणी के एक सीनियर द्वारा रैगिंग का शिकार बनाया जाता है। ऐसे में वर्तमान नियम ऐसे मामले के लिए कोई उपाय प्रदान नहीं करते हैं और यहां तक कि पीड़ित को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि ऐसे नियम जातिविहीन समाज की दिशा में हुई प्रगति को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, ''जातिविहीन समाज की ओर बढ़ने में हमने जो कुछ भी हासिल किया है, क्या अब हम प्रतिगामी हो रहे हैं?''

न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने इस बात पर जोर दिया कि विविधता में एकता शिक्षण संस्थानों में झलकनी चाहिए। न्यायमूर्ति बागची ने पूछा, ''अगर 2012 के रेगुलेशन में व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण था, तो अब इसे प्रतिगामी क्यों होना चाहिए?

विदित हो कि 2026 के ये नियम रोहित वेमुला और पायल तडवी की मां राधिका वेमुला और अबेदा सलीम तडवी द्वारा 2019 में दायर एक जनहित याचिका के बाद बनाए गए थे, जिनकी कथित तौर पर अपने विश्वविद्यालयों में जाति-आधारित भेदभाव का सामना करने के बाद आत्महत्या से मौत हो गई थी।

उच्चतम न्यायालय ने पहले केंद्र सरकार से कैंपस में भेदभाव से निपटने के लिए एक मजबूत और प्रभावी सिस्टम बनाने के लिए कहा था और संबंधित पक्षों को सुझाव देने को कहा था।

यूजीसी ने मिले सुझावों पर विचार करने के बाद, जनवरी 2026 में नए नियम नोटिफाई किए, जिन्होंने 2012 के रेगुलेशन की जगह ली। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। कुछ समूहों ने इसे वापस लेने की मांग की तो दूसरे पक्ष ने इसमें किसी भी तरह की ढील का विरोध किया है।

उच्चतम न्यायालय में दायर कई याचिकाओं में तर्क दिया गया है कि ये नियम ''सामान्य श्रेणी'' के छात्रों के लिए नुकसानदायक हैं।

केंद्र सरकार और यूजीसी के जवाब दाखिल करने के बाद अब इस मुद्दे पर फिर से विचार किया जाएगा।

'मियां' असम...

असंवैधानिक बताया तथा वास्तविक मतदाताओं को चुन चुन कर निशाना बनाने का आरोप लगाया था।

देखा जाये तो असम में मूल निवासियों के अधिकारों को सुरक्षित रखने और बाहरियों तथा घुसपैठियों के खिलाफ जनमत बनाने का काम तेजी से हो रहा है। आगामी विधानसभा चुनावों की दृष्टि से मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के बयान बेहद अहम हैं। मियां समुदाय की विदेशी, घुसपैठिया और अवैध मतदाता वाली छवि को उभार कर वोटों का गणित भी साधा जा रहा है। यह रणनीति विपक्ष को बचाव की मुद्रा में तो धकेलती ही है साथ ही असली मुद्दों जैसे-बेरोजगारी, महंगाई और विकास को हाशिये पर भी डाल देती है।हम आपको यह भी बता दें कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की तैयारियों को धार देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। डिब्रूगढ़ से लेकर गुवाहाटी तक होने वाली उनकी बैठकों का मकसद आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हर मोर्चे को साधना है।

यह स्पष्ट है कि भाजपा आक्रामक रणनीति के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में हिमंत बिस्व सरमा को आगे रख कर पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और अपने विकास मॉडल के जरिये मतदाताओं को फिर लुभाना चाहती है। एनडीए का लक्ष्य अब केवल सत्ता में वापसी नहीं बल्कि सौ से अधिक सीटों पर जीत दर्ज कर असम में राजनीतिक वर्चस्व की हैट्रिक लगाना है। माना जा रहा है कि अपने दौरे के दौरान अमित शाह असम गण परिषद, यूपीपीएल और बीपीएफ के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप देंगे और एनडीए के सभी घटक दलों के बीच के मतभेदों को भी सुलझाएंगे। पिछले चुनाव के आंकड़े भी यही बताते हैं कि एनडीए गठबंधन की जीत में आपसी तालमेल की अहम भूमिका रही थी।

केसीआर...

केसीआर ने अपने जवाब में स्पष्ट किया कि कानून (सीआरपीसी की धारा 160) के तहत 65 वर्ष से अधिक आयु के किसी भी व्यक्ति को पुलिस स्टेशन बुलाने के बजाय उसके निवास स्थान पर ही पूछताछ की जानी चाहिए। उन्होंने एसआईटी से कहा कि भविष्य के सभी नोटिस उनके एर्रावल्ली (सिद्दीपेट जिला) स्थित फार्महाउस के पते पर भेजे जाएं और जांच टीम वहीं आकर उनसे पूछताछ कर सकती है।

इससे पहले, एसआईटी अधिकारियों ने बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास पर नोटिस तामील किया था, जिसमें उनकी आयु को देखते हुए उन्हें पुलिस स्टेशन आने की छूट दी गई थी और अपनी पसंद की जगह बताने का विकल्प दिया गया था।

वरिष्ठ नेताओं के साथ परामर्श के बाद लिया निर्णय

नोटिस मिलने के बाद बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव (केटीआर) और वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव तुरंत एर्रावल्ली पहुंचे, जहां गहन परामर्श के बाद यह जवाब तैयार किया गया। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब एसआईटी पहले ही इस मामले में हरीश राव, केटीआर और पूर्व सांसद जे. संतोष राव से पूछताछ कर चुकी है। अब सबकी नजरें एसआईटी की अगली तारीख और कदम पर टिकी हैं।

अजित पवार...

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकंपा) के अध्यक्ष अजित पवार का बुधवार सुबह उस समय निधन हो गया था, जब उन्हें और चार अन्य लोगों को ले जा रहा विमान हादसे का शिकार हो गया था। विमान में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद, महाराष्ट्र सरकार ने राज्य भर में तीन दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है।

अजित पवार महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले उप मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने विभिन्न सरकारों के तहत छह बार इस पद को संभाला था।

27 जातियों के....

सीटों पर चुनाव लड़ने की कोशिश करता है, तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाए। पिछली खामियों पर कार्रवाई: सरकार ने खुलासा किया कि 2025 के ग्राम पंचायत चुनावों में कम से कम आठ अपात्र व्यक्तियों ने अवैध बीसी दर्जे का उपयोग करके वार्ड सदस्य की सीटें जीती थीं।

पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के बाद लिया गया निर्णय

मेमो संख्या 206 और 207 तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग की हालिया रिपोर्ट के जवाब में जारी किए गए हैं। आयोग ने उन समूहों द्वारा आरक्षण के 'शोषण' की ओर इशारा किया था जो पिछड़ेपन के राज्य के कानूनी मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। यह निर्णय 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद से चले आ रहे एक दशक लंबे कानूनी और सामाजिक विवाद का परिणाम है।

ऐतिहासिक रूप से गांडला (तेल निकालने वाले) समुदाय को पिछड़ा वर्ग (बीसी - बी) के रूप में मान्यता प्राप्त है, लेकिन 'रेड्डी गांडला' समूह एक अलग उप-वर्ग है।

विवाद का कारण: हालांकि यह समूह गांडला समुदाय के साथ पैतृक पेशा साझा करता है, लेकिन 'रेड्डी' प्रत्यय अक्सर भ्रम पैदा करता है। सरकार का तर्क है कि वे कानूनी रूप से इस दर्जे के पात्र नहीं हैं।

पुराना आदेश वापस लिया: साल 2010 में अविभाजित आंध्र प्रदेश सरकार ने करीमनगर, आदिलाबाद, वारंगल और मेडक के कलेक्टरों को रेड्डी गांडला को बीसी प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति दी थी। नया मेमो (नंबर 207) आधिकारिक तौर पर उस 2010 के आदेश को एक गलती करार देते हुए वापस लेता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 30 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने के लिए विभिन्न धर्मगुरुओं एवं समाजसेवियों को निमंत्रण

15 फरवरी को मेडचल के श्री उमिया धाम में विशाल लोक डायरो एवं भजन कार्यक्रम

गौशाला विस्तार के लिए भूमि खरीद के लिए दान संग्रह का आह्वान

मेडचल, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला के तत्वावधान में आयोजित होने वाले पूज्य डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने हेतु विभिन्न धर्मगुरुओं, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों को निमंत्रित किया गया है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में गौशाला के प्रधान संयोजक जसमत पटेल एवं अशोक पटेल ने बताया कि आगामी 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मेडचल के पुडुरू गांव स्थित श्री उमिया धाम में विशाल लोक डायरो, लोक संगीत एवं भजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देश के विख्यात लोक गायक विवेक सांखला, विख्यात लोक गायिका श्रुति पटेल तथा हास्य कलाकार हकका भाई गढ़वी अपनी टीम के साथ प्रस्तुति देंगे।

निमंत्रण प्राप्त प्रमुख अतिथियों में श्रीमद् जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री 1008 श्री स्वामी जनार्दनाचार्यजी महाराज, पूज्य स्वामी चिदानंदजी महाराज (चारों वेदों के ज्ञाता), ध्यानयोगी पूज्य स्वामी प्रणवाहरिनंदगिरीजी, 1008 महंत मदनमोहनदास, निलकंठ विद्यापीठ के पूज्य पंडित स्वामी, पू. विवेकसागरस्वामी, पू. हरिदर्शन स्वामी, पूज्य कृष्णवल्लभदास स्वामी, आई.जी. गौशाला के पदाधिकारी, सिरवी समाज के भंवरलाल सिरवी, श्री गुजराती प्रगति समाज के ट्रस्ट चेयरमैन नीतीनभाई धरोड, उपाध्यक्ष महेश पटेल, सहमंत्री घनश्याम पटेल, मैढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष पवनकुमार मायछ, महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ, तेलंगाना जाट समाज मेडचल के विजय सिंह, वल्लभ यूथ ऑर्गनाइजेशन के दिनेश पटेल, कौशीक पटेल, गिरीश पटेल, अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं श्री अन्नपूर्णा राजराजेश्वर स्वामी देवालय (कोमपल्ली-मेडचल) के परमेश्वर बिरादर, कालीचरण शर्मा, राजेश शर्मा तथा अन्य समाजसेवी शामिल हैं।संयोजक अशोक पटेल ने सभी पदाधिकारियों से अपील की कि संत शिरोमणी पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज की 100वीं जन्म शताब्दी एवं महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस विशाल डायरो कार्यक्रम में शामिल होकर गौभक्ति, सेवा एवं समर्पण की भावना को मजबूत करें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दान राशि संग्रह करना है, जिसका उपयोग डोंगरेजी महाराज गौशाला के लिए भूमि खरीदने में किया जाएगा।जसमत नानजीभाई पटेल ने बताया कि पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज स्वयं परम गौभक्त थे। वे ब्रह्म मुहूर्त में सर्वप्रथम गौपूजन एवं गौ-प्रदक्षिणा करते थे। उनकी गौभक्ति से प्रेरित होकर हैदराबाद के निकट इंजापुर में यह गौशाला स्थापित की गई। महाराज का स्वप्न था कि भाग्यनगर के समीप ग्रामीण क्षेत्र में शुद्ध पर्यावरण में विशाल गौ-निवास स्थापित हो, जहां गौभक्तों को शुद्ध वायु एवं पानी मिल सके।ट्रस्टी वसंत पटेल ने कहा कि सनातन धर्म में गौसेवा को अनंत पुण्य का स्रोत माना गया है। शास्त्रों में वर्णित है कि गौसेवा से 33 कोटी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि अपनी श्रद्धा अनुसार भूमि दान देकर पुण्य के भागी बनें, जिससे गौमाताओं को सुरक्षित आश्रय, भोजन एवं सेवा मिल सके।अवसर पर स्वामी चिदानंदजी महाराज ने गौमाता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौमाता ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जो दूध, दही, मक्खन, घी से हमें हृष्ट-पुष्ट बनाती है और पोषण प्रदान करती है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम उनकी रक्षा एवं सेवा करें।निलकंठ विद्यापीठ के हरिदर्शन स्वामी ने कहा कि वेद-पुराणों में हर जीव में परमात्मा का वास बताया गया है और परमात्मा का विराट दर्शन गौमाता की सेवा-सुश्रुषा में ही संभव है।आयोजकों ने सभी गौभक्तों, गौप्रेमियों एवं समाजसेवियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पुण्य कार्य में सहभागी बनें और गौसेवा के माध्यम से अनंत पुण्य प्राप्त करें।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने गौसेवा में बढ़ाया कदम

तीन गौशालाओं को 1 लाख की दवाइयाँ प्रदान की

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल केयर फाउंडेशन 0 गौसेवा हैदराबाद ने गौमाता की सेवा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए समर्थ कामधेनु गौशाला (जियागुड़ा), ध्यान फाउंडेशन, ओम शिव टेम्पल गौशाला एवं सत्यम शिवम गौशाला को कुल 1,00,000 मूल्य की दवाइयाँ प्रदान की हैं।

यह दवाइयाँ लगभग 10,000 गौवंश के स्वास्थ्य उपचार एवं देखभाल में सहायक सिद्ध होंगी। फाउंडेशन की यह पहल गौसेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाती है।

इस पुण्य अवसर पर संजय पासरी, पंकज अग्रवाल, ललित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, नंदा अग्रवाल, श्रीमती सारिका अग्रवाल एवं श्रीमती शिल्पा गुप्ता सहित अन्य सम्मानित सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने इस नेक कार्य में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों, दानदाताओं एवं शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त किया है। संस्था ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया है।

संस्कारों से ही मिलता है सेवा का अवसर : रेनू शर्मा

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए समाजसेविका रेनू शर्मा ने कहा कि संस्कारों से ही सेवा का भाव उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि अच्छे संस्कार व्यक्ति को निस्वार्थ सेवा के मार्ग पर अग्रसर करते हैं और समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराते हैं।

रेनू शर्मा ने कहा कि सेवा केवल सहायता भर नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और संवेदनशीलता की सजीव अभिव्यक्ति है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान और सेवा कार्य समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के साथ-साथ जरूरतमंदों के जीवन में आशा का संचार कर रहे हैं। इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, पन्नालाल अग्रवाल, महेश गोयल, विशाल अग्रवाल, अनिल भाई, शिव भगवान, शिवानी गुप्ता, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अर्चना शास्त्री, रेनू शर्मा एवं पूजा संघी सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों में सहभागिता निभाते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

तेलंगाना इंटर प्रैक्टिकल परीक्षा 2026: हॉल टिकट डाउनलोड के लिए उपलब्ध

परीक्षाएं 02 से 21 फरवरी तक, छात्रों से समय से पहले प्राप्त करने की अपील

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजीबीआईई)ने इंटरमीडिएट प्रैक्टिकल परीक्षा 2026 के हॉल टिकट जारी करने की तिथि घोषित कर दी है। बोर्ड के अनुसार, विज्ञान और व्यावसायिक धाराओं में पढ़ने वाले छात्रों के हॉल टिकट 29 जनवरी 2026 से डाउनलोड के लिए उपलब्ध होंगे।हॉल टिकट संबंधित कॉलेजों के लॉगिन के माध्यम से जारी किए जाएंगे। छात्र व्यक्तिगत रूप से इन्हें डाउनलोड नहीं कर सकेंगे, इसलिए सभी छात्रों को अपने-अपने कॉलेज के प्रधानाचार्य या कॉलेज प्रशासन से संपर्क कर समय से पहले हॉल टिकट प्राप्त करने की सलाह दी गई है। अंतिम समय में किसी असुविधा से बचने के लिए छात्रों को जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है।हॉल टिकट उपलब्धता: 29 जनवरी 2026 से, परीक्षा अवधि: 2 फरवरी 2026 से 21 फरवरी 2026 तक। शामिल पाठ्यक्रम: विज्ञान (एमपीसी, बाईपीसी आदि) और व्यावसायिक धाराएं और जारीकर्ता प्राधिकरण: तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजीबीआईई)छात्रों को सलाह दी जाती है कि हॉल टिकट प्राप्त होने के बाद उस पर छपे सभी विवरणों की सावधानीपूर्वक जांच कर लें, जिनमें शामिल हैं: छात्र का नाम, रोल नंबर, प्रैक्टिकल परीक्षा की तिथियां, विषयों का विवरण और परीक्षा केंद्र का नाम शामिल हैं।

यदि किसी प्रकार की कोई त्रुटि या विसंगति पाई जाती है, तो उसे तुरंत कॉलेज अधिकारियों के ध्यान में लाकर सुधार करवाना चाहिए।

एकादशी उद्यापन एवं घोड़ा उजवना कार्यक्रम सम्पन्न

माघ मास की ग्यारस पर श्री आईमाता मंदिर में भजन-जागरण एवं महाप्रसादी

राजस्थानी मित्र मंडल जगदगिरीगुट्टा ने आयोजित किया भव्य कार्यक्रम

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर (बडेर) में राजस्थानी मित्र मंडल जगदगिरीगुट्टा, आल्विन कॉलोनी, हैदराबाद के तत्वावधान में माघ मास की पावन एकादशी (ग्यारस) के अवसर पर ग्यारस उद्यापन, जागरण, घोड़ा उजवना एवं महाप्रसादी कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ।कार्यक्रम में भजन गायक भेराराम सैणचा, भुराराम सैणचा एंड पार्टी ने अपनी मधुर स्वर लहरियों से भक्तों को भावविभोर कर दिया। भजनों के पुष्प अर्पित करते हुए भक्तजनों ने भक्ति रस में डूबकर एकादशी का महत्व समझा। श्री बाबा रामदेवजी मंदिर में ग्यारस उद्यापन के दौरान परंपरानुसार घोड़ा चढ़ावा किया गया, जो भक्तों की श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक रहा।

कार्यक्रम स्थल पर आयोजित भव्य भोजन प्रसादी में सर्व समाज के बंधु-बहन अपने परिवारों के साथ शामिल हुए और महाप्रसादी का लाभ उठाया।पूजा-अर्चना, आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

राजस्थानी महिला मित्र मंडल जगदगिरीगुट्टा, आल्विन कॉलोनी, हैदराबाद के सभी कार्यकर्ताओं ने पधारने वाले सर्व समाज बंधुओं, भक्तों एवं सहयोगियों का तहे-दिल से आभार व्यक्त किया।

यह कार्यक्रम राजस्थानी समुदाय की धार्मिक परंपराओं, एकता एवं भक्ति भावना को मजबूत करने वाली एक यादगार पहल साबित हुआ। मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण हो सके।

भारतीय मेला एसोसिएशन का गठन: सतपाल सिंह बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

पारंपरिक मेलों के आयोजकों ने बनाया राष्ट्रीय संगठन, असंगठित स्थिति से मिली नई दिशा

गुरुग्राम, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। देशभर में पारंपरिक मेलों का आयोजन करने वाले मेला आयोजकों ने गुरुग्राम में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में भारतीय मेला एसोसिएशन का गठन किया। इस अवसर पर राजस्थान के सतपाल सिंह को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया।

अब तक मेला आयोजक राष्ट्रीय स्तर पर असंगठित थे और अपनी समस्याओं को सामूहिक रूप से नहीं उठा पा रहे थे। यह पहली बार है जब मेला आयोजकों ने अपने हितों की रक्षा, सामूहिक मुद्दों को उठाने और पारंपरिक मेलों को मजबूत बनाने के लिए एक राष्ट्रीय संगठन का निर्माण किया है।

एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में निम्नलिखित पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया:-

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष: विकास सिंह (पंजाब)

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष: रविन्द्र कपूर मेगी (उत्तर प्रदेश), कुणाल भट्ट (गुजरात), अनिल बत्तरा (हरियाणा), साहिल वर्मा (जम्मू-कश्मीर), सिकन्दर यादव (छत्तीसगढ़), अंकुश सेठी (पंजाब), अरशद खान (उत्तर प्रदेश), सुनील सिंह (दिल्ली), नरेश लश्करी (मध्य प्रदेश), वकील अहमद खान (महाराष्ट्र)

राष्ट्रीय महासचिव: जगराम गुर्जर (राजस्थान)

राष्ट्रीय सह-सचिव: परेश जे भट्ट (गुजरात), जतिन कुमार (हिमाचल प्रदेश), रमनजीत सिंह खुराना (हरियाणा), एम.एम. दीवान उर्फ मयूर भाई (गुजरात)

राष्ट्रीय संगठन मंत्री: योगेश कुमार शर्मा (हरियाणा)

महामंत्री: फाजिल भाई खमासा (महाराष्ट्र)

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य: गगनदीप सिंह (पंजाब), लालू शर्मा (छत्तीसगढ़), अमीर भाई शेख (गुजरात), सलमान कुरैशी, जमशेद कुरैशी, साजिद मलिक (सभी उत्तर प्रदेश), पवन वर्मा (पंजाब)।

बैठक में गुजरात, हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के मेला आयोजकों की समस्याओं के समाधान, पारंपरिक मेलों को बढ़ावा देने तथा इनमें आधुनिक नवाचार लाने पर चर्चा हुई। संगठन का नाम शुरू में 'राष्ट्रीय मेला एसोसिएशन संघ' रखने का प्रस्ताव था, लेकिन सदस्यों के सुझाव पर इसे बदलकर 'भारतीय मेला एसोसिएशन' कर दिया गया।

एसोसिएशन का उद्देश्य पारंपरिक मेलों की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए उन्हें बेहतर ढंग से प्रबंधित करना, सरकारी नीतियों में मेला आयोजकों के हितों को शामिल कराना और इन आयोजनों को आर्थिक-सामाजिक महत्व प्रदान करना है।

सेवा से मिलती है आत्मिक शक्ति : कमला देवी कुमावत

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जया एकादशी के पावन अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती कमला देवी कुमावत ने कहा कि सेवा करने का अवसर हर किसी को नहीं मिलता, यह ईश्वर का आशीर्वाद और सौभाग्य होता है। सेवा से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि सेवा करने वाले को भी आत्मिक शक्ति और मानसिक संतोष प्राप्त होता है।

कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवियों ने एकमत से कहा कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है और मानवता की सच्ची मिसाल पेश कर रहा है।

अन्नदान कार्यक्रम में विशेष रूप से रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारदा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, महेश अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दहिमा, संजय गोयल, किरण गोयल, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल के छात्रों का लॉजिकिड्स मेंटल एप्टीट्यूड ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल, हैदराबाद के विद्यार्थियों ने लॉजिकिड्स मेंटल एप्टीट्यूड ओलंपियाड 2025-26 के प्रथम चरण में असाधारण प्रदर्शन करते हुए विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किए हैं।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विद्यालय के तीन छात्रों ने असाधारण सफलता प्राप्त की। कक्षा 7 की छात्रा विदिशा कुमारी ने 188 में से 188 अंक (100%) प्राप्त कर विश्व स्तर पर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। कक्षा 5 के छात्र रावि मिहिरचंद्रा ने 170/188 अंक (90.43%) प्राप्त करते हुए विश्व स्तर पर शीर्ष 0.15% में स्थान बनाया। वहीं कक्षा 3 की छात्रा हृदया कावलि ने 173/188 अंक (92.02%) अर्जित कर विश्व स्तर पर शीर्ष 0.29% में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

क्षेत्रीय स्तर पर भी छात्रों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। विदिशा कुमारी ने क्षेत्रीय श्रेणी में प्रथम स्थान, रावि मिहिरचंद्रा ने छठवाँ स्थान तथा हृदया कावलि ने नौवाँ स्थान प्राप्त किया।

लॉजिकिड्स मेंटल एप्टीट्यूड ओलंपियाड एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता है, जो छात्रों की तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता और समस्या समाधान कौशल का मूल्यांकन करती है। इस परीक्षा में विश्वभर से लाखों विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल के छात्रों ने अपनी विशिष्ट प्रतिभा का परिचय दिया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य वी. एस. प्रशांत ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल सदैव विद्यार्थियों की जिज्ञासा, तर्कशक्ति और नवोन्मेषी सोच को प्रोत्साहित करता है। यह सफलता हमारे विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और प्रतिभा का परिणाम है।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर, स्कूल की अध्यक्ष श्रीमती के. मधुबाला, डी.ए.वी. स्कूल की एआरओ श्रीमती के. आनंदवल्ली, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा मिधानि और बी. डी. एल. के एलएमसी सदस्यों ने छात्रों को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई दी और भविष्य में भी वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

गणतंत्र दिवस पर तेरापंथ किशोर मंडल ने की सरकारी विद्यालय में सेवा

300 से अधिक बच्चों को वितरित किए फल-बिस्कुट

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर तेरापंथ किशोर मंडल ने एक सरकारी विद्यालय में सेवा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय पर्व को मात्र उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ मनाना था।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के 300 से अधिक विद्यार्थियों को फल एवं बिस्कुट वितरित किए गए। बच्चों के चेहरों पर उमंग और मुस्कान देखकर स्पष्ट था कि यह छोटी-सी सेवा उनके लिए कितनी खुशी का अवसर बनी।इस सेवा कार्य में 7 से अधिक किशोर सदस्यों ने पूरे अनुशासन और समर्पण भाव से सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर वितरण किया और कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराया। तेरापंथ किशोर मंडल के इस प्रयास ने न केवल बच्चों को खुशी प्रदान की, बल्कि सेवा, एकता, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक जागरूकता के मूल्यों को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देने वाली एक प्रेरणादायक पहल साबित हुई।मंडल के सदस्यों का कहना है कि ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से युवा पीढ़ी में राष्ट्रसेवा और करुणा की भावना को मजबूत किया जा रहा है ।

रानी सती दादी महिला शाखा ने गणतंत्र दिवस पर बालपन प्ले स्कूल में किया उत्सव

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की रानी सती दादी महिला शाखा, घांसी बाजार ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर बालपन प्ले स्कूल में एक सुंदर कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में स्कूल की अध्यापिकाओं के साथ मिलकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसे शितल जी और रिंकू गर्ग ने संयुक्त रूप से संपन्न कराया। राष्ट्रध्वज फहराने के बाद बच्चों को बिस्कुट, चॉकलेट, चिप्स आदि वितरित किए गए, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह और खुशी देखने को मिली।

कार्यक्रम में शाखा की अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, सह मंत्री सुशील केडिया, केंद्रीय समिति सदस्य कविता गोयल, कार्यकारिणी सदस्य पूनम तुलस्यान, चित्रा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। स्कूल की प्रधान अध्यापिका शितल अग्रवाल तथा सभी अध्यापिकाओं और पद्मावती अग्रवाल का इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सबसे बड़ा सहयोग रहा।

अंत में उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों, अध्यापिकाओं और स्कूल स्टाफ को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।यह कार्यक्रम राष्ट्रप्रेम, सामाजिक सेवा और बच्चों के उत्थान की भावना को मजबूत करने वाली एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ। रानी सती दादी महिला शाखा द्वारा ऐसे सामाजिक एवं राष्ट्रीय आयोजनों को नियमित रूप से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

हैदराबाद में आग लगने की घटनाओं के बाद अलर्ट

हाइड्रा ने तेज की कार्रवाई, जुबली हिल्स में शोरूम जब्त

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर में हाल ही में हुई आगजनी की घटनाओं और जान-माल के नुकसान के बाद हैदराबाद इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एंड रेगुलेटरी अथॉरिटी (हाइड्रा) ने अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। हाइड्रा, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), अग्निशमन विभाग और विद्युत विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा शहर भर में व्यावसायिक परिसरों का गहन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

जुबली हिल्स में नीरूज़ शोरूम जब्त

जुबली हिल्स के रोड नंबर 36 स्थित नीरूज़ शोरूम में निरीक्षण के दौरान गंभीर अग्नि सुरक्षा उल्लंघन पाए गए। इमारत में तीन तहखाने और चार मंजिलें हैं, साथ ही छत पर अनधिकृत शेड बनाया गया था, जो कपड़ों से भरा हुआ था। निरीक्षण में सामने आया कि निचली मंजिलों पर व्यावसायिक बिक्री हो रही थी। ऊपरी मंजिलों पर वस्त्र निर्माण और भंडारण किया जा रहा था।

गोदाम जैसी जगहों का उपयोग हो रहा था। अग्निशमन विभाग से कोई एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) नहीं था। अग्निशामक यंत्र अपर्याप्त या अनुपस्थित थे।

हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने शोरूम को जब्त करने का आदेश दिया। परिसर को अग्निरोधक घोषित कर दिया गया, चारों ओर बाड़ लगाई गई, चेतावनी बोर्ड लगाए गए और बिजली कनेक्शन काट दिया गया।

नामपल्ली स्टेशन रोड पर फर्नीचर शोरूम सील

एक अन्य कार्रवाई में, नामपल्ली स्टेशन रोड पर रहीम और मन्नान एस्टेट्स में स्थित स्टैंडर्ड फर्नीचर शोरूम को सील कर दिया गया। यह कार्रवाई बाचास फर्नीचर शोरूम में हुई भीषण आग (जिसमें 5 लोगों की मौत हुई थी) के कुछ दिनों बाद की गई है। निरीक्षण में पाया गया कि छह मंजिला इमारत फर्नीचर से पूरी तरह भरी हुई थी। तहखाने से ऊपरी मंजिलों तक भारी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखी गई थी। सीढ़ियां फर्नीचर से अवरुद्ध थीं।अग्निशमन एनओसी नहीं था। सभी मंजिलों पर अग्निशामक यंत्रों का अभाव था। उल्लंघनों की गंभीरता को देखते हुए हाइड्रा ने इमारत को तत्काल सील करने, व्यावसायिक गतिविधियां रोकने और बिजली आपूर्ति बंद करने का आदेश जारी किया।

जनता से सहयोग की अपील

हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने हैदराबादवासियों से अपील की है कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की सूचना तुरंत दें। विशेष रूप से उन दुकानों या परिसरों की जानकारी साझा करें जहां: तहखानों में ज्वलनशील सामग्री अवैध रूप से संग्रहित की जा रही हो। व्यावसायिक जगहों का गोदाम के रूप में दुरुपयोग हो रहा हो।अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अग्नि सुरक्षा निरीक्षण अभियान आगामी दिनों में भी जारी रहेगा। उल्लंघन करने वाली सभी दुकानों और परिसरों को बिना किसी नरमी के सील किया जाएगा, क्योंकि जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हाइड्रा ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत संबंधित विभागों से संपर्क करें।

वैष्णव समाज सेवा संघ, हैदराबाद द्वारा वैष्णव युवा क्रिकेट लीग – सीजन 4 का भव्य समापन

फाइनल में वैष्णव गोकुल ने वैष्णव ब्रदर्स को हराकर जीता खिताब

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैष्णव समाज सेवा संघ, हैदराबाद ने दिनांक 25 जनवरी 2026 को फाइनकैब क्रिकेट ग्राउंड, कोम्पल्ली में वैष्णव युवा क्रिकेट लीग – सीजन 4 का भव्य एवं सफल आयोजन किया। यह प्रतियोगिता संघ के अध्यक्ष श्री घनश्यामदास जी दिवाकर के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। लीग में वैष्णव समाज की कुल 6 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टीमें- वैष्णव गोकुल (कप्तान: विष्णु वैष्णव), वैष्णव ब्रदर्स (कप्तान: विकास वैष्णव), वैष्णव रॉयल (कप्तान: जगदीश वैष्णव), वैष्णव लायंस (कप्तान: जितेन्द्र वैष्णव), वैष्णव धुरंधर (कप्तान: शिवलाल वैष्णव) और वैष्णव बालाजी (कप्तान: रामकिशोर वैष्णव) थीं।

पूरे टूर्नामेंट के दौरान सभी टीमों के बीच अत्यंत रोमांचक, अनुशासित एवं खेल भावना से ओत-प्रोत मुकाबले खेले गए। फाइनल मुकाबला वैष्णव ब्रदर्स एवं वैष्णव गोकुल टीमों के बीच हुआ, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वैष्णव गोकुल टीम विजेता बनी।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु उपस्थित समाजबंधुओं का संघ ने हृदय से आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से अध्यक्ष श्री घनश्यामदास जी दिवाकर, श्री कैलाश जी हरिव्याशी, श्री गोपाल जी देवमुरारी, श्री रूपाराम निम्बावथ, श्री शंकरलाल कोम्पल्ली, श्री नवीन जी पिपावत, श्री परमेश जी दिवाकर, श्री बलकिशन जी, श्री मंगीलाल जी वैष्णव, श्री सूरजाराम जी कोम्पल्ली, दिलीप देवमुरारी, श्री अशोक जी दिवाकर, श्री विशाल शोभावत, श्री रमेश जी दिवाकर, श्री विशाल जी अग्रावथ, श्री आकाश जी शोभावत सहित वैष्णव समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इन सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल का भरपूर आनंद लिया।

इस सफल आयोजन को संभव बनाने में सहयोग देने वाले प्रमुख प्रायोजकों का विशेष आभार व्यक्त किया गया। प्रमुख प्रायोजक रहे: कमल किशोर जी पिपावत, शंकर जी कोम्पल्ली, श्याम जी कोम्पल्ली, रामकिशोर जी अग्रावत, रामस्वरूप जी दिवाकर, मंगीलाल जी वैष्णव, जगदीश जी दिवाकर, नटवरलाल जी दिवाकर, शुभाष जी लश्करी, विष्णु जी वैष्णव, दिलीप जी देवमुरारी, गोपाल जी रामावत, अरविंद दिवाकर, आनंदाराम जी दिवाकर, श्री जेठमल जी कोम्पल्ली एवं प्रेम जी देवमुरारी।

वैष्णव समाज सेवा संघ, हैदराबाद ने इस आयोजन में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, खिलाड़ियों, प्रायोजकों एवं समाज के समस्त सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया है। संघ ने भविष्य में भी इस प्रकार के खेलकूद एवं सामाजिक आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता, सौहार्द एवं युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का संकल्प दोहराया है। यह लीग न केवल खेल भावना को बढ़ावा देने वाली साबित हुई, बल्कि वैष्णव समाज की एकजुटता एवं युवा ऊर्जा का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

राजस्थानी जागृति समिति ने स्कूल में 500 विद्यार्थियों को वितरित किए टीशर्ट

स्कूल कर्मचारियों को साड़ी भेंट, प्रिंसिपल और समिति पदाधिकारियों किया गया सम्मान

शिवरामपल्ली, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति ने जिला परिषद हाई स्कूल, शिवरामपल्ली में एक सराहनीय सामाजिक पहल के तहत स्कूल के लगभग 500 विद्यार्थियों को टीशर्ट वितरित किए। साथ ही स्कूल के कर्मचारियों को साड़ियां भेंट की गईं।

कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने स्कूल के प्रिंसिपल भुक्य श्रीनू नायक को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। प्रतिक्रिया में प्रिंसिपल भुक्य श्रीनू नायक ने समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत, संगठन मंत्री रमेश मोदानी तथा श्याम जांगिड़ को शाल भेंट कर सम्मानित किया।

प्रिंसिपल ने समिति के इस उदार कार्य के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 500 विद्यार्थियों को टीशर्ट वितरण से बच्चों में उत्साह बढ़ा है और यह सामाजिक जागरूकता का एक बेहतरीन उदाहरण है।

अवसर पर विद्यालय के गंगाया नायक, के. नरसिमाचारी, से ज्योति, परमेश्वर, सुधाकर सहित अन्य शिक्षक, कर्मचारी और समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।राजस्थानी जागृति समिति द्वारा समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे ऐसे कार्य स्थानीय समुदाय में सराहे जा रहे हैं। यह कार्यक्रम शिक्षा के प्रति समिति की प्रतिबद्धता और विद्यार्थियों के उत्थान के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

मासिक श्याम निशान समिति मलकपेट की 81वीं मासिक निशान यात्रा सम्पन्न

हनुमान मंदिर मलकपेट से श्री श्याम मंदिर काचीगुड़ा तक भजन-कीर्तन के साथ भक्ति यात्रा

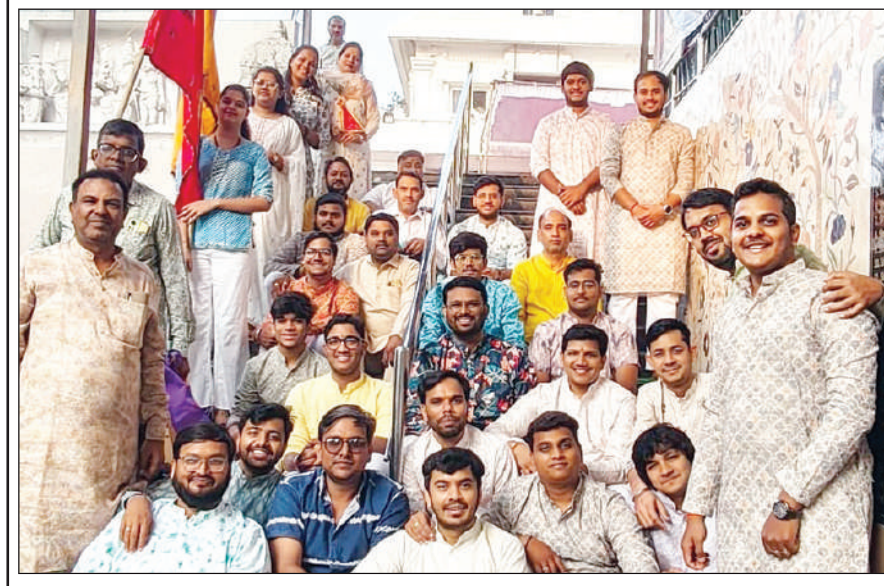

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मासिक श्याम निशान समिति मलकपेट ने अपनी 81वीं मासिक निशान यात्रा का भव्य आयोजन किया। यह यात्रा मलकपेट स्थित हनुमान मंदिर से शुरू होकर काचीगुड़ा के श्री श्याम मंदिर तक पहुंची, जहां पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन और श्याम भक्ति के गीत गाए गए।

यात्रा में भाग्यनगर (हैदराबाद) के सैकड़ों श्याम प्रेमी शामिल हुए। भक्तों ने हाथों में निशान लिए, ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हुए खाटू श्याम बाबा की जयकार लगाई। यात्रा के दौरान भक्तों ने खाटू श्याम के भजन, आरती और कीर्तन प्रस्तुत किए, जिससे पूरा मार्ग भक्ति की लहर से गुंजायमान हो उठा।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह मासिक निशान यात्रा हर महीने नियमित रूप से आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य श्याम भक्तों में एकता, भक्ति और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। 81वीं यात्रा की सफलता से समिति उत्साहित है और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया है।यात्रा के समापन पर श्री श्याम मंदिर काचीगुड़ा में सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। श्याम प्रेमियों ने इस भक्ति यात्रा को यादगार बताया और खाटू श्याम बाबा के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा व्यक्त की।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंदों और राहगीरों को श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ भोजन वितरित किया गया।

अन्नदान कार्यक्रम में समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और सनातन परंपरा में अन्नदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। आयोजकों ने बताया कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा यह सेवा निरंतर रूप से की जा रही है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों तक सम्मानपूर्वक भोजन पहुंचाना है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, हरिश तोलाराम हिंदुजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग किया।

मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है गौसेवा : महेश अग्रवाल

लॉयन्स क्लब समर्पण द्वारा गौशालाओं में निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर

सैकड़ों निराश्रित गौवंश को मिला स्वास्थ्य लाभ

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण के तत्वावधान में जीव-जंतु कल्याण पखवाड़ा के अवसर पर गौवंश के संरक्षण एवं स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से शहर की विभिन्न गौशालाओं में निःशुल्क पशु चिकित्सा एवं गौसेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से सैकड़ों निराश्रित एवं असहाय पशुओं को चिकित्सकीय परामर्श, उपचार एवं आवश्यक औषधियाँ मुफ्त प्रदान की जा रही हैं।

आज रहीमपुरा स्थित श्री राम गौरक्षा सेवा सदन गोशाला में आयोजित निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर एवं औषधि वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल ने कहा, सबसे बड़ी सेवा गौसेवा है। एक बार मिलने वाले इस मनुष्य जीवन में गौसेवा करने वाले को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

अग्रवाल ने बताया कि ऐसे शिविरों से गौशालाओं पर आर्थिक बोझ कम होता है और समय पर उपचार मिलने से पशुओं की मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय कमी आती है। उन्होंने लायंस इंटरनेशनल के इस प्रयास की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया।

लायंस इंटरनेशनल के जीव-जंतु कल्याण विभाग चेयरमैन श्री प्रेम चंद मुनोत ने कहा कि जीव-जंतु कल्याण पखवाड़ा के दौरान आयोजित ये शिविर समाज में करुणा, संवेदनशीलता एवं पशु-कल्याण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। यह पहल न केवल पशुओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाती है, बल्कि मानव-पशु सहअस्तित्व को भी मजबूत करती है।

शिविर में इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स के चिकित्सक डॉ. गुनिंद्र बोरह, डॉ. राजू गौरु एवं उनकी विशेषज्ञ पशु चिकित्सक टीम ने गौवंश की सामान्य बीमारियों की जांच, टीकाकरण, कृमिनाशक दवाओं का वितरण तथा पोषण संबंधी परामर्श प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान श्री राम गौरक्षा सेवा सदन गोशाला के संचालक बलराम किशन एवं तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा चिकित्सक मंडली को सम्मानित किया गया।

रेलवे का भविष्य: प्रणालीगत सुधार और कौशल उन्नयन पर जोर

एससीआर के 70वें रेल सप्ताह समारोह में जीएम संजय कुमार श्रीवास्तव ने दिए पुरस्कार

हैदराबाद और गुंतकल मंडलों को संयुक्त रूप से मिला जीएम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शील्ड

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साउथ सेंट्रल रेलवे (एससीआर) ने आज रेल कलारंग, न्यू भोईगुड़ा, सिकंदराबाद में 70वें रेल सप्ताह का उत्सव मनाया। इस अवसर पर महाप्रबंधकसंजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मंडलों एवं विभागों को जोनल दक्षता शील्ड तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह में अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री आशीष मेहरोत्रा, उप महाप्रबंधक (जी) उदयनाथ कोटला, विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक, अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई देते हुए वर्ष 2024 में उनके उत्कृष्ट सेवा के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत उसकी कार्यबल है और जोन अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्राहक सेवा, रखरखाव, उत्पादन आदि क्षेत्रों में समयबद्ध प्रणालीगत सुधारों पर जोर दिया, जिसमें जवाबदेही और क्रियान्वयन को प्रमुखता दी जाए। उन्होंने नई विचारों को प्रोत्साहित करने, उनका मूल्यांकन करने और लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।महाप्रबंधक ने नई युग की तकनीकों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए निरंतर कौशल उन्नयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध ज्ञान का अधिकतम उपयोग कर अत्यधिक सक्षम कार्यबल तैयार करने का आह्वान किया। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय रेलवे आधुनिक तकनीक के माध्यम से निरंतर सुधार की दिशा में प्रयासरत है, जिसमें सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि एससीआर वही विकास गति बनाए रखेगा और अपना झंडा ऊंचा लहराता रहेगा।

हैदराबाद और गुंतकल मंडलों को संयुक्त रूप से मिला जीएम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शील्ड

महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने जीएम का ओ-वरऑल बेस्ट परफॉर्मेंस एफिशिएंसी शील्ड हैदराबाद एवं गुंतकल मंडलों को संयुक्त रूप से प्रदान किया।

इसके अलावा जोन स्तर पर कुल 35 दक्षता शील्ड विभिन्न मंडलों एवं कार्यशालाओं को प्रदान की गईं, जिनमें शामिल हैं-

सेकंडराबाद मंडल: वित्त (लेखा) शील्ड; जीएम का स्वच्छता शील्ड (स्टेशन – गुंटूर मंडल के साथ संयुक्त); ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन शील्ड; बेस्ट ट्रैक शील्ड (गुंतकल मंडल के साथ संयुक्त); सिविल इंजीनियरिंग शील्ड (विजयवाड़ा मंडल के साथ संयुक्त); मैकेनिकल शील्ड; सर्वश्रेष्ठ रखरखाव वाली लंबी दूरी की ट्रेन (ट्रेन संख्या 12727/12728 गोदावरी एक्सप्रेस) तथा ऑपरेटिंग शील्ड।

हैदराबाद मंडल: वर्क्स शील्ड; पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग शील्ड; हिंदी (राजभाषा) शील्ड; सिग्नल एवं टेलीकॉम शील्ड तथा जीएम का ओवरऑल एफिशिएंसी शील्ड (गुंतकल मंडल के साथ संयुक्त)।

विजयवाड़ा मंडल: कमर्शियल शील्ड; इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विसेज शील्ड; सिविल इंजीनियरिंग शील्ड (सेकंडराबाद मंडल के साथ संयुक्त); एचआरडी (कार्मिक) शील्ड; सर्वश्रेष्ठ रखरखाव एमआरवी शील्ड (नांदेड़ मंडल के साथ संयुक्त) तथा इनोवेशन शील्ड।

गुंतकल मंडल: ऑपरेशंस एवं रनिंग रूम शील्ड; बेस्ट ट्रैक शील्ड (सेकंडराबाद मंडल के साथ संयुक्त); लेवल क्रॉसिंग उन्मूलन में सर्वश्रेष्ठ मंडल शील्ड (नांदेड़ मंडल के साथ संयुक्त); बेस्ट लोडिंग एफर्ट शील्ड; सर्वश्रेष्ठ स्कूल (आरएचएस/ईएम/जीटीएल); शिकायत निवारण मशीनरी शील्ड; सुरक्षा शील्ड तथा जीएम का ओवरऑल एफिशिएंसी शील्ड (हैदराबाद मंडल के साथ संयुक्त)।

गुंटूर मंडल: जीएम का स्वच्छता शील्ड (स्टेशन – सेकंडराबाद मंडल के साथ संयुक्त); ट्रैक मशीनों का सर्वश्रेष्ठ उपयोग; मेडिकल शील्ड; सुरक्षा शील्ड; सर्वश्रेष्ठ रखरखाव एआरटी शील्ड तथा स्क्रैप डिस्पोजल शील्ड।

नांदेड़ मंडल: लेवल क्रॉसिंग उन्मूलन में सर्वश्रेष्ठ मंडल शील्ड (गुंतकल मंडल के साथ संयुक्त); ब्रिजेस शील्ड; सर्वश्रेष्ठ रखरखाव एमआरवी शील्ड (विजयवाड़ा मंडल के साथ संयुक्त) तथा रेल मदद शील्ड (सर्वश्रेष्ठ मंडल के लिए)।

सर्वे एवं निर्माण शील्ड: डिप्टी सीई/कंस्ट्रक्शन/काजीपेट

सर्वश्रेष्ठ डीजल/इलेक्ट्रिक लोको शेड: इलेक्ट्रिक लोको शेड/विजयवाड़ा

मैकेनिकल – वर्कशॉप: तिरुपति वर्कशॉप

सर्वश्रेष्ठ रखरखाव डेमू/मेमू/ईएमयू शेड: डीजल लोको शेड/मौला-अली

सर्वश्रेष्ठ स्टोर्स डिपो शील्ड: एमएंडई, लालागुड़ा

86 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

रेल सप्ताह समारोह के दौरान महाप्रबंधक ने वर्ष भर की उत्कृष्ट सेवा के लिए 86 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए।इससे पहले अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं एवं दक्षता शील्ड प्राप्त मंडलों को बधाई दी तथा वित्तीय वर्ष में जोन की महत्व-पूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।समारोह में रेलवे कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे गीत एवं नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मीरचौक में बंद फ्लैट से दो वरिष्ठ नागरिकों के सड़े शव बरामद

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराने शहर के मीरचौक पुलिस थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक बंद फ्लैट के अंदर दो वरिष्ठ नागरिकों के सड़े हुए शव बरामद हुए हैं। पड़ोसियों को फ्लैट से आने वाली तेज दुर्गंध के बाद पुलिस को सूचना मिली, जिसके बाद यह मामला प्रकाश में आया।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, फ्लैट का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था और जबरन तोड़कर प्रवेश किया गया। पुलिस को संदेह है कि मृतक पति-पत्नी थे, दोनों वरिष्ठ नागरिक थे। शवों की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि उनकी मृत्यु दो से तीन दिन पहले हो चुकी थी।सूचना मिलते ही मिर्चौक पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय निवासियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर फ्लैट में प्रवेश किया गया। फ्लैट के अलग-अलग हिस्सों में दोनों शव पड़े मिले।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी तक पूरी तरह स्थापित नहीं हो पाई है। रिश्तेदारों का पता लगाने और दंपति की पृष्ठभूमि की जानकारी जुटाने के लिए पड़ोसियों से पूछताछ की जा रही है तथा संबंधित रिकॉर्ड की जांच चल रही है।फिलहाल मौत का सटीक कारण स्पष्ट नहीं है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट से मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या किसी अन्य वजह से, यह पता चलेगा।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Gajje Sharada W/o Panja Raj Kumar, R/o H.No.1-13/A, (V)- Katoor, (M)-Akkannapet, (D)-Siddiept, (S)-T.G-505466, have changed my name from GAJJE SHARADA to PANJA SHARADA, vide affidavit dt.29-1-2026, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME

I, THAKOR MAHENDRAJI Father of Service No. 15231078H Nk(GNR) THAKOR GANESHJI MAHENDRAJI, Resident of Vill:Rajgadh, Teh: Visnagar, Dist:Mahesana, Gujarat-384315 have changed my name from THAKOR MAHENDRAJI to THAKOR MAHENDRAJI BHAVANJI vide affidavit dt:29-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, BISAGONI ARCHANA is Legally wife of Army no. 15448828 W, Rank:HAV (XRA), Name:ALLAKONDA SATHISH, R/o. 5-78/1, Vill-Beerpur, Mndl-Beerpur, Dist-Jagitial, State-Telangana, Pincode. 505454 I have to change my surname from BISAGONI ARCHANA to ALLAKONDA ARCHANA in my Husband service Document by An AFFIDAVIT dated 28-01-2026 In Future My name Known as ALLAKONDA ARCHANA

केंद्रीय मंत्रियों ने मेडाराम जतारा में की पूजा-अर्चना आदिवासी कल्याण योजनाओं पर दिया जोर

मेडारम/हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम और केंद्रीय कोयला एवं संसदीय कार्य मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना के मुलुगु जिले के मेडाराम में एशिया के सबसे बड़े आदिवासी त्योहार माने जाने वाले सम्मक्का-सरलम्मा जतारा में भाग लिया और विधिवत पूजा-अर्चना की।

राज्य मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, दानासारी अनुसूया (सीतक्का) और अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर केंद्रीय मंत्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। पारंपरिक आदिवासी ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच मंत्रियों को मंदिर परिसर तक ले जाया गया, जहां विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

'निलुवेथु बंगारम' अर्पित कर की मन्नतें पूरी

पूजा-अर्चना के दौरान केंद्रीय मंत्रियों ने मुख्य देवताओं को 'निलुवेथु बंगारम' (स्वर्ण भेंट) अर्पित की और अपनी मन्नतें पूरी कीं। इसके पश्चात उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से संवाद भी किया।

सम्मक्का-सरलम्मा जतारा आदिवासी महाकुंभ: ओराम

मीडिया से बातचीत में केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि सम्मक्का-सरलम्मा जतारा देश का सबसे बड़ा आदिवासी त्योहार है, जिसे आदिवासी समुदायों का महाकुंभ कहा जाता है। उन्होंने लगभग 20 वर्ष पहले मेडाराम की अपनी पहली यात्रा को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों पर पुनः यहां आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

ओराम ने बताया कि केंद्र सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है। जतारा के सुचारू संचालन के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों सहित कई व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को अपना पुराना सहयोगी बताते हुए संसद में साथ बिताए समय को भी स्मरण किया।

आदिवासी कल्याण के लिए केंद्र की बड़ी योजनाएं

केंद्र सरकार की आदिवासी कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए ओराम ने कहा कि धरती आबा आदिवासी ग्राम विकास अभियान के तहत 1 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 24,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि तेलंगाना के लिए 23 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों को मंजूरी दी गई है।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में जनजातीय मामलों के लिए अलग मंत्रालय का गठन किया गया था और उन्हें इसके पहले कैबिनेट मंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला था। ओराम ने कहा कि केंद्र सरकार भगवान बिरसा मुंडा जैसे महान आदिवासी नेताओं की विरासत और बलिदानों का सम्मान करती है तथा सम्मक्का-सरलम्मा जतारा जैसे आयोजनों को उचित मान-सम्मान देती है।

पर्यटन और शिक्षा विकास पर जोर: किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि सम्मक्का-सरलम्मा जतारा आदिवासी समुदायों का सबसे बड़ा त्योहार है, जो लगभग एक महीने तक चलता है और विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस क्षेत्र में व्यापक विकास कार्य कर रही हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि मुलुगु, लकनावरम, मेडाराम, ताडवाई और बोगथा जलप्रपातों में पर्यटन विकास के लिए 80 करोड़ रुपये, रामप्पा मंदिर के विकास के लिए 40 करोड़ रुपये तथा इस वर्ष सम्मक्का-सरलम्मा जतारा की व्यवस्थाओं के लिए 3.70 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

किशन रेड्डी ने आगे बताया कि सम्मक्का-सरलम्मा के नाम पर 890 करोड़ रुपये की लागत से एक केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है, जिस पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। इस महत्वपूर्ण परियोजना का औपचारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा उचित समय पर किया जाएगा।

तेलंगाना नगर निगम चुनाव: पहले दिन 902 नामांकन दाखिल

कांग्रेस के 382, बीआरएस के 258 और भाजपा के 169 उम्मीदवारों ने किया पर्चा दाखिल

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में आगामी नगर निगम एवं नगरपालिका चुनावों के पहले दिन बुधवार को कुल 902 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के अनुसार, इनमें 55 निर्दलीय उम्मीदवारों सहित 890 उम्मीदवारों ने अपना पर्चा जमा किया।

राज्य में कुल 7 नगर निगमों और 116 नगरपालिकाओं (कुल 123 शहरी स्थानीय निकायों) के 2,996 वार्डों के लिए चुनाव 11 फरवरी को होंगे। मतदान प्रक्रिया बुधवार को रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा चुनाव अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो गई।

पार्टियों के नामांकन

पहले दिन सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने सबसे अधिक 382 उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल किए। मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 258 और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 169 उम्मीदवारों ने पर्चा जमा किया।

मतदाता और व्यवस्थाएं

राज्य चुनाव आयुक्त आई. रानू कुमुदिनी ने मंगलवार को चुनाव कार्यक्रम जारी किया था। नगरपालिका चुनावों में कुल 52.43 लाख मतदाता मतदान के पात्र हैं, जिनमें 25.62 लाख पुरुष, 26.80 लाख महिलाएं और 640 अन्य वर्ग के मतदाता शामिल हैं।

एसईसी ने सभी 123 शहरी स्थानीय निकायों की वार्डवार मतदाता सूचियां बुधवार को प्रदर्शित कीं। मतदान के लिए 8,203 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे और 16,031 मतपेटियों की व्यवस्था होगी। इसके अलावा 137 सुरक्षित कक्ष और 136 मतगणना केंद्र भी तैयार किए जाएंगे।

महत्वपूर्ण तिथियां

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि: 30 जनवरी

नामांकन पत्रों की जांच: 31 जनवरी

वैध उम्मीदवारों की सूची प्रकाशन: 31 जनवरी

नामांकन रद्द होने के खिलाफ अपील: 1 फरवरी

अपीलों का निपटारा: 2 फरवरी

उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि: 3 फरवरी

अंतिम उम्मीदवार सूची प्रकाशन: 3 फरवरी

मतदान: 11 फरवरी (पुनर्मतदान यदि आवश्यक: 12 फरवरी)

मतगणना: 13 फरवरी

नामांकन के लिए दिशानिर्देश

एसईसी ने उम्मीदवारों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में केवल तीन व्यक्तियों (उम्मीदवार और/या प्रस्तावक सहित) को ही प्रवेश की अनुमति होगी। प्रति उम्मीदवार केवल दो वाहनों को ही रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय से 100 मीटर के दायरे में आने की इजाजत है। सभी रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों, नगरपालिकाओं और नगर निगमों में हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं।

पहले दिन की जबरदस्त नामांकन संख्या से स्पष्ट है कि तेलंगाना के शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। सभी पार्टियां अगले कुछ दिनों में नामांकन प्रक्रिया पूरी करने में जुटी रहेंगी।

चित्रकूट धाम रामबाग में श्रीमद् भागवत शतचंडी महायज्ञ एवं राम नाम संकीर्तन सम्पन्न

तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामभद्राचार्य जी सहित सातों अखाड़ों के महंतों की उपस्थिति

चित्रकूट, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चित्रकूट धाम रामबाग में जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ के पीठाधीश्वर पूज्य अमृत दास खाकी जी महाराज के सानिध्य में श्रीमद् भागवत शतचंडी महायज्ञ, राम नाम संकीर्तन, कवि सम्मेलन, निशान ध्वजा, गजराज हाथी-घोड़े के साथ भव्य शोभायात्रा तथा विशाल भंडारे महाप्रसादी का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।कार्यक्रम में तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु श्री रामभद्राचार्य जी महाराज विशेष रूप से पधारे। साथ ही सातों अखाड़ों के श्री महंत संतगणों ने भी शिरकत की। बड़ी संख्या में श्रद्धालु, भक्तजन एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।महायज्ञ के दौरान भागवत कथा, राम नाम संकीर्तन एवं कवि सम्मेलन के माध्यम से भक्ति रस की अनुपम वर्षा हुई। निशान ध्वजा, गजराज, हाथी-घोड़े की शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र में उत्साह एवं भक्ति की लहर फैला दी। अंत में हजारों भक्तों ने महाप्रसादी एवं भंडारे का लाभ उठाया।विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, सात्विक नीलदीप, विजय कुमार तोतला, गिरिराज मिश्रा, नीलेश मुंदड़ा, राकेश पाण्डेय, एडवोकेट अनीश तिवारी, आनन्द सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई।

राज्यपाल ने मेहदीपट्टनम गैरीसन में 108 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने गुरुवार को हैदराबाद के मेहंदीपटनम गैरीसन में एक गरिमामय समारोह के दौरान 108 फीट ऊंचे मस्तूल पर स्थापित राष्ट्रीय ध्वज का उद्घाटन किया। भारतीय सेना द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, नागरिक गणमान्य व्यक्ति, 'फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया' के प्रतिनिधि, सैनिक, पूर्व सैनिक और एनसीसी कैडेट्स शामिल हुए। समारोह की शुरुआत गार्ड ऑफ ऑनर, ध्वजारोहण और राष्ट्रगान की गूंज के साथ हुई।

सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी, व्यावसायिकता और निस्वार्थ सेवा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सैनिकों और उनके परिवारों द्वारा दिए गए बलिदानों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व सैनिकों और 'वीर नारियों' के योगदान के प्रति भी अपना सम्मान व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने वहां मौजूद एनसीसी कैडेट्स को अनुशासन, सेवा और देशभक्ति के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

राज्यपाल ने 108 फीट ऊंचे मस्तूल ध्वज को प्रायोजित करने के लिए 'फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष नवीन जिंदल का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने तिरंगे के प्रति सम्मान बढ़ाने और राष्ट्रीय गौरव को मजबूत करने की दिशा में फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की। बाइसन डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मेजर जनरल राहुल देव शर्मा ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि ''इस उच्च-मस्तूल ध्वज की स्थापना नागरिक प्रशासन और बाइसन डिवीजन के बीच निरंतर तालमेल का प्रमाण है।

उल्लेखनीय है कि अपनी समृद्ध सैन्य विरासत के साथ मेहंदीपटनम गैरीसन अनुशासन, तत्परता और राष्ट्र सेवा का प्रतीक रहा है। अब यह नवनिर्मित राष्ट्रीय ध्वज भारत की एकता, संप्रभुता और संवैधानिक मूल्यों के निरंतर अनुस्मारक के रूप में खड़ा रहेगा।

फर्जी प्रोफाइल, फर्जी पुलिसकर्मी, असली गिरफ्तारी

एसआर नगर पुलिस ने 44 मामलों में संलिप्त साइबर जबरन वसूली करने वाले को किया काबू

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में एसआर नगर पुलिस ने एक आदतन साइबर धोखेबाज को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद को साइबर क्राइम पुलिस अधिकारी बताकर लोगों को ब्लैकमेल कर लाखों रुपये की जबरन वसूली की थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में दर्ज 44 साइबर धोखाधड़ी मामलों में शामिल है।यह गिरफ्तारी 28 जनवरी 2026 को एसआर नगर पुलिस स्टेशन की टीम ने जुबली हिल्स जोन के वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में अंजाम दी। मामला एसआर नगर पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 868/2025 के तहत दर्ज किया गया है, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 319(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(सी) और 66(डी) के तहत कार्रवाई की गई है।पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने सुनियोजित तरीके से धोखाधड़ी की। शेयरचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नकली महिला प्रोफाइल बनाईं।चैट के जरिए पीड़ितों का भरोसा जीता और उनके फोन नंबर हासिल किए।खुद को साइबर क्राइम पुलिस अधिकारी बताकर फोन किया। पीड़ितों को अश्लील ऑनलाइन गतिविधि के झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी।जुर्माना या सबूत मिटाने के नाम पर यूपीआई और डिजिटल भुगतान के जरिए पैसे वसूले।

पीड़ितों से फोन फैक्टरी रीसेट करवाकर सबूत मिटाने की कोशिश कराई।

वर्तमान मामले में छात्र से 97,540 रुपये ठगे

एक छात्र को फोन पर धमकाकर कई डिजिटल लेनदेन के जरिए 97,540 की धोखाधड़ी की गई। पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद विस्तृत जांच शुरू हुई और आरोपी की गिरफ्तारी हुई।आरोपी : जला साई राम रेड्डी, आयु: 27 वर्ष, व्यवसाय: रैपिडो राइडर, करीमनगर निवासी, मूल स्थान: पार्कल, पुलिगिला, वारंगल है।पूछताछ में आरोपी ने कई साइबर धोखाधड़ी मामलों में अपनी संलिप्तता कबूल की है। तकनीकी विश्लेषण से पुष्टि हुई कि वह 44 साइबर धोखाधड़ी शिकायतों से जुड़ा है।एसआर नगर पुलिस ने आम जनता को सतर्क रहने की अपील की है और स्पष्ट किया है: पुलिस कभी फोन पर पैसे या जुर्माना नहीं मांगती।यूपीआई या डिजिटल भुगतान से कोई जुर्माना वसूल नहीं किया जाता।कानून में डिजिटल गिरफ्तारी जैसी कोई अवधारणा नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.